फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 22 मार्च 2024
वर्ष 2, अंक 211, पृष्ठ-14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य -5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

अंतरिक्ष में मिला हिममानव जैसा धूमकेतु 14

धोनी ने गायकवाड़ को सौंपी सीएसके की कमान 2

नाबालिग साली से दुष्कर्म व हत्या करने के दोषी को फांसी की सजा

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- आरोपी पर पांच लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया

अमृत विचार : नाबालिग साली से दरिंदगी और फिर उसकी हत्या करने के मामले में दोषी जीजा रोहित को न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो मनराज सिंह ने फांसी की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर पांच लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

फिरोजाबाद निवासी पीड़ित पिता ने 30 मई 2023 को मामला दर्ज कराया था, जिसमें उसने पुलिस को बताया था कि उसकी बड़ी बेटी की छोटी पुत्री की अचानक मृत्यु हो गई थी, जिस पर वह अपनी छोटी पुत्री को उसके घर छोड़ आया था। 30 मई 2023 को उसके दामाद रोहित ने शराब के नशे में उसकी छोटी पुत्री के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। जिसकी सूचना उसकी बड़ी बेटी ने फोन पर उसे दी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। मामले की जांच कर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई। यह मामला न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो की कोर्ट में चला। डीजीसी फौजदारी अभिषेक मिश्रा, विशेष लोक अभियोजक जितेन्द्र तोमर व मृदुल मिश्रा ने बहस के दौरान मामले में कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। न्यायाधीश पॉक्सो मनराज सिंह ने गुरुवार को मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें अभियुक्त रोहित को फांसी की सजा सुनाई गई।

साथ ही पांच लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अभियुक्त को इटावा जेल भेज दिया गया।

निर्वाचन आयोग की विकास कार्यों की धनराशि पर रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने विकास कार्यों की धनराशि जारी करने पर रोक लगा दी है। आयोग ने लोकसभा चुनाव और राज्यों में उपचुनाव को लेकर लागू आचार संहिता के तहत सांसदों और विधायकों की विकास निधि को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आयोग के निर्देशों का हवाला देते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है, जिसमें आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का निर्देश गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश में सांसद और विधायक निधि के तहत संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में विकास योजनाओं के लिए आदर्श आचार संहिता लागू रहने तक कोई नया फंड रिलीज नहीं होगा। जिलाधिकारियों-जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि सांसद को विकास निधि के अधीन नई निधि जारी नहीं की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक विधायक-विधान परिषद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत नई निधियां जारी नहीं की जाएंगी। पत्र के जारी होने से पहले किसी विकास कार्य के लिए वर्क ऑर्डर जारी होने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ है तो ये काम चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही शुरू हो सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिलाधिकारियों को लिखा पत्र

वोटर आईडी न होने पर 12 विकल्पों का करेंगे प्रयोग

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव में सभी लोगों के मतदाता फोटो पहचान पत्र सुनिश्चित किए गए हैं। इसके बाद भी अगर किसी का मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) नहीं बन पाता है, तो लोग 12 विकल्पों का प्रयोग कर सकेंगे। इनमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों-डाकघरों से जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई की ओर से जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र, राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधानसभा सदस्यों, विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज शामिल हैं।

विकसित भारत के व्हाट्स एप संदेश पर भी रोक

निर्वाचन आयोग ने केंद्र सरकार की ओर से 'विकसित भारत' को लेकर लोगों को जारी किए जा रहे व्हाट्सएप संदेश पर रोक लगा दी है। केंद्र को भेजे पत्र में आयोग ने कहा कि देश में आचार संहिता लागू होने के बाद भी व्हाट्सएप संदेश भेजे जाने की शिकायतें मिली हैं। आयोग ने केंद्र को संदेश पर रोक का पालन कराने की रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

एक नजर

अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने की उम्मीद

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल एवं श्रीअमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने यात्रा की व्यवस्था और तैयारियों पर चर्चा के लिए यहां राजभवन में एक बैठक की अध्यक्षता की। यह 52 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू होने के बाद 19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी।

ईडी के अधिकारियों के खिलाफ नोटिस पर रोक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले में राज्य पुलिस के नोटिस पर गुरुवार को रोक लगा दी। सोरेन ने 29 जनवरी को दिल्ली स्थित उनके आवास पर एजेंसी द्वारा की गई छापेमारी के संबंध में रांची के अजा/अजजा पुलिस थाने में ईडी के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत ईडी अधिकारियों को नोटिस जारी किया था। इस नोटिस के तहत अधिकारियों को जांच अधिकारी के सामने पेश होकर अपनी बात रखने को कहा गया था। ईडी ने नोटिस को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

चुनाव आयोग को दी चुनावी बॉण्ड की सभी जानकारियां

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में एसबीआई ने दाखिल किया शपथ पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने चुनावी बॉण्ड के संबंध में अपने पास मौजूद सारी जानकारी निर्वाचन आयोग को उपलब्ध करा दी है।

शीर्ष अदालत में दाखिल एक अनुपालन हलफनामे में एसबीआई के अध्यक्ष ने कहा कि साइबर सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक दलों के बैंक खाते की पूरी संख्या और केवाईसी के विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए। बैंक के अध्यक्ष दिनेश कुमार खारा द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया कि इसी तरह, सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए दानदाताओं के केवाईसी विवरण भी सार्वजनिक नहीं किए गए। हालांकि, तथ्य यह भी है कि ऐसी जानकारी प्रणाली में दर्ज/संकलित नहीं की जाती है। राजनीतिक दलों की पहचान के लिए ये आवश्यक भी नहीं हैं। हलफनामे में कहा गया है कि एसबीआई ने जानकारी का खुलासा किया है, जिसमें बॉण्ड के खरीदार का नाम, उसका मूल्य और विशिष्ट संख्या, इसे भुनाने वाली पार्टी का नाम और बैंक खाता संख्या के अंतिम चार अंक दर्शाए गए हैं।

हलफनामे में कहा गया कि एसबीआई ने 15 फरवरी, 2024 और 18 मार्च 2024 को शीर्ष कोर्ट द्वारा पारित आदेशानुसार अब सभी विवरणों का खुलासा कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मार्च को एसबीआई को फटकार लगाते हुए उसे मनमाना रवैया न अपनाने और 21 मार्च तक चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित सभी जानकारियों का खुलासा करने को कहा था। इससे पहले, 15 फरवरी को एक फैसले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने केंद्र की विवादास्पद चुनावी बॉण्ड योजना को रद कर दिया था।

फैक्ट चेक यूनिट पर केंद्र की अधिसूचना पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव का विश्लेषण करने को अनावश्यक बताते हुए ''फैक्ट चेक यूनिट'' से संबंधित केंद्र सरकार की 20 मार्च 2024 की अधिसूचना पर गुरुवार को अंतरिम रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरान और एडिटर्स गिल्ड की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के संचालन को निलंबित कर दिया। पीठ ने कहा कि इससे संबंधित मामला हाईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। ऐसे में हम निर्णय लेने से बच रहे हैं।

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने दो नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली अर्जियां गुरुवार को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव नजदीक हैं और इससे अव्यवस्था और अनिश्चितता की स्थिति बनेगी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यालय शर्तें) अधिनियम, 2023 पर भी अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि वह अधिनियम, 2023 की वैधता को चुनौती देने वाली मुख्य याचिकाओं पर गौर करेगी। पीठ ने केंद्र से छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त को नियत की। याचिकाकर्ताओं से पीठ ने कहा कि इस समय हम कानून पर रोक नहीं लगा सकते।

आबकारी नीति मामले में ईडी ने केजरीवाल को किया गिरफ्तार

गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची आप, सुनवाई की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। ● एजेंसी

- ईडी ने मुख्यमंत्री के आवास पर ली तलाशी, दो घंटे तक पूछताछ

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राहत देने से इनकार करने के कुछ घंटों बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम गुरुवार शाम यहां उनके आवास पर तलाशी लेने पहुंची और उन्हें आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में जांच में शामिल होने के लिए समन सौंपा। तकरीबन दो घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले ईडी की छह सदस्यीय टीम, दिल्ली पुलिस के कर्मियों साथ राजधानी में फ्लैगस्टाफ रोड स्थित केजरीवाल के आवास पर पहुंची।

ईडी की कार्रवाई की जानकारी पाकर भारी संख्या में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता, समर्थक मुख्यमंत्री के आवास पर पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामा बढ़ता देखकर पुलिस ने तमाम कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। इनमें कई विधायक भी बताए जा रहे हैं। उधर केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप सुप्रीम कोर्ट पहुंची है और रात में ही सुनवाई की मांग की है। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल को मेडिकल के लिए ले जाया जा रहा है। ईडी शुक्रवार को उन्हें कोर्ट में पेश करेगी। हाईकोर्ट ने केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में दंडात्मक कार्रवाई से राहत प्रदान करने से इनकार कर दिया। इस बीच, केजरीवाल ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। ईडी टीम के पहुंचने के तुरंत बाद केजरीवाल के आवास पर पहुंचे आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने संवाददाताओं से कहा कि ईडी छापेमारी कर रही है। मुझे अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

ईडी के अधिकारी केजरीवाल के आवास पर पहुंचे, दिल्ली पुलिस और आरएएफ तथा सीआरपीएफ के कर्मियों को मुख्यमंत्री आवास के आसपास तैनात किया गया। ईडी ने आप समर्थकों के विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की मांग की थी। इससे पहले केजरीवाल को ईडी ने नौ बार समन भेजा था लेकिन वह पेश नहीं हुए। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है। बाद में इस नीति को रद कर दिया गया था।

कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

- बैंक खाता सीज किए जाने पर पार्टी के वरिष्ठ नेता हुए मुखर
- खाते में 285 करोड़ रुपये लेकिन चुनावी खर्च के लिए संकट
- पार्टी अध्यक्ष खरगे, सोनिया व राहुल गांधी केंद्र पर हमलावर

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के बीच पार्टी के बैंक खाते सीज करने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह की आपराधिक कार्रवाई करार देते हुए गुरुवार को कहा कि इस तरह की कार्रवाई सोची समझी रणनीति का हिस्सा है और इसका मकसद कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाना है। । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कोषाध्यक्ष अजय माकन तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित विशेष सयुंक्त संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को कहा कि उसके खाते सोजी समझी रणनीति के तहत और मोदी तथा शाह की सह पर सीज किए गए हैं ताकि कांग्रेस को आर्थिक रूप से पंगु बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पार्टी के बैंक खाते में 285 करोड़ रुपये जमा हैं लेकिन चुनाव के वक्त उस पैसे का इस्तेमाल खाते सीज होने की वजह से नहीं किया जा सकता है।

पार्टी के लिए बैनर, पोस्टर छपवाने तथा प्रचार का काम करना मुश्किल हो गया है और यह कदम साजिश के तहत उठाया गया है। इससे लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म किया जा रहा है और जो अवसर एक राजनीतिक दल को लोकतंत्र में मिलने चाहिए उसे खत्म किया जा रहा है। खरगे ने कहा कि 18वीं लोकसभा के आम चुनाव की घोषणा हो चुकी है। एक ओर साज़िशन मुख्य विपक्षी दल के खाते सीज कर रहे हैं और दूसरी ओर मौजूदा सत्ताधारी दल ने चुनावी बॉण्ड से चुनावी चंदा लेकर अपने अकाउंट भर लिए हैं। यह सत्ताधारी दल द्वारा समान अवसर को खत्म करने के लिए एक ख़तरनाक खेल खेला गया है।

आसन्न हार से हताश कांग्रेस बहाने बना रही

नई दिल्ली। भाजपा ने बैंक खातों को 'फ्रीज' करने के कांग्रेस के आरोपों को गुरुवार को खारिज कर दिया और दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में आसन्न हार को देखते हुए वह पूरी तरह से हताशा में बहाने बना रही है। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर इस मुद्दे पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और सोनिया गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ने अपनी गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से वैश्विक स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार किया है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस ने समय पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया, जिसके कारण उसके खाते फ्रीज किए गए।

जेल के खाने में मुझे दे रहे जहर : मुख्तार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- अदालत में गुहार, मेडिकल बोर्ड बनाकर कराएं मेरा इलाज
- एमपी-एमएलए कोर्ट में मुख्तार के वकील ने लगाई अर्जी

अमृत विचार : बाराबंकी में अपर सत्र न्यायाधीश कमलकांत श्रीवास्तव के एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर 4 पर गुरुवार को गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की फर्जी एंबुलेंस मामले में पेशी हुई। जिसमें मुख्तार तो पेश नहीं हुआ लेकिन उसके वकील ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया जिसमें मुख्तार की तरफ से लिखा गया कि 19 मार्च की रात उसे खाने में विषाक्त पदार्थ दिया गया था। जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। वर्चुअल पेशी में बांदा जेल के डिप्टी जेलर महेंद्र सिंह हाजिर हुए। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि मुख्तार बीमार है। जिसकी वजह से वह सुनवाई में पेश होने में असमर्थ है। कोर्ट ने मामले में 29 मार्च की अगली तारीख लगा दी।

मुख्तार अंसारी के वकील रणधीर सिंह सुमन ने बताया कि प्रार्थनापत्र में मुख्तार की तरफ से लिखा गया है कि खाने में धीमा जहर दिया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि उसका दम निकल जाएगा। खाने के बाद से ज्यादा घबराहट हो रही है। जबकि इससे पहले स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक था। इसलिए डाक्टरों की टीम बनाकर उसका सही इलाज करवाया जाए। मुख्तार ने आरोप लगाया कि 40 दिन पहले भी उसे इसी तरह खाने में विषाक्त पदार्थ दिया गया था जिससे उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया था। समुचित इलाज कराने के साथ ही एक मेडिकल बोर्ड बनाकर जांच कराने की मांग की है। दरअसल फर्जी एंबुलेंस मामले में 24 मार्च 2022 को तत्कालीन डीएम डा. आदर्श सिंह ने मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर केस को मंजूरी दी थी। इसके बाद 25 मार्च 2022 को तत्कालीन शहर कोतवाल ने मुख्तार व उसके 12 अन्य सहयोगियों के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था। अब इस मामले का ट्रायल एमपीएमएलए कोर्ट में हो रहा है।

67,450 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर सोना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव मजबूत वैश्विक रुझानों के बाद 1,130 रुपये के उछाल के साथ 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,320 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये की तेजी के साथ 77,750 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 76,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी।

भोजशाला परिसर का आज से सर्वेक्षण करेगा एएसआई

इंदौर, एजेंसी

- सर्वेक्षण के मद्देनजर किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) धार के विवादास्पद भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण शुक्रवार अलसुबह से शुरू करेगा।

एएसआई की ओर से स्थानीय पुलिस और प्रशासन को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के आदेश के अनुसार भोजशाला परिसर का पुरातत्व सर्वेक्षण या वैज्ञानिक जांच अथवा खुदाई 22 मार्च (शुक्रवार) की अलसुबह से शुरू की जाएगी। धार के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने एएसआई का यह पत्र मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि भोजशाला परिसर में एएसआई के सर्वेक्षण के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। एएसआई के संरक्षित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को हिन्दू वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला की मस्जिद बताता है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने 11 मार्च को एएसआई को वैज्ञानिक सर्वेक्षण निर्देश दिए थे।

इनसे सीखें डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर निभा रहे नदियों के संरक्षण की जिम्मेदारी

कुकरैल को दिलाया नदी का दर्जा, अब नदियों का संरक्षण

विश्व जल संरक्षण दिवस आज

- जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन लिए मिला भगीरथ प्रयास सम्मान और राज्य भूजल पुरस्कार

जीशान कदीर, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ के कुकरैल को नदी का दर्जा दिलाने वाले बीबीएयू के प्रोफेसर अब छात्रों को नदी संरक्षण का पाठ पढ़ा रहे हैं। पर्यावरण विज्ञान के अध्येता को नदियों के संरक्षण के लिए शासन ने अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। इन्हें जल संरक्षण को लेकर कई अवार्ड भी मिल चुके हैं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान के प्रो. वेंकटेश दत्ता बताते हैं कि उनका प्रयास जल संसाधन प्रबंधन से जुड़ा हुआ है। प्रदेश में नदियों के संरक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है। इसलिए कैचमेंट प्लानिंग, नदी पुनर्स्थापन और इको-हाइड्रोलॉजी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य जल नीति 2020 की प्रारूप समिति के सदस्य का कहना है कि उप्र में 75 छोटी नदियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास आरंभ हो गए हैं। हाल में इसका प्रमाण लखनऊ की कुकरैल नदी को संरक्षित किया जाना है। जल संरक्षण के सार्थक प्रयासों को लेकर प्रो. दत्ता को वर्ष 2022 में भगीरथ प्रयास सम्मान और राज्य भूजल पुरस्कार दिया जा चुका है।

रोज लगती है पाठशाला हजारों ऑनलाइन छात्र

प्रोफेसर दत्ता यमुना नदी के किनारे छात्रों की पाठशाला लगा रहे हैं। इसमें पहले विश्वविद्यालय के ही छात्र जुड़े थे। संरक्षण की मुहिम इतनी कारगर हुई कि ये संख्या ऑनलाइन व्यवस्था के सहारे हजारों में पहुंच गई है।

13 वर्षों से जारी है नदी पुनरुद्धार मुहिम

उप्र में गोमती, घाघरा, राप्ती बेसिन की 17 नदियों और छोटी धाराओं के पुनरुद्धार पर वर्ष 2011 से कार्य कर रहे प्रो. दत्ता बताते हैं कि 960 किमी की यात्रा करके 27 सहायक नदियों का दस्तावेजीकरण पूरा किया है। 75 छोटी नदियों को पुनर्जीवन मिला है।

25 देशों में दिया जल संरक्षण का संदेश

अमेरिका के फुलब्राइट स्कॉलर और इंग्लैंड के ब्रिटिश शेवेनिंग फेलो रहे प्रोफेसर दत्ता ने 25 से अधिक देशों की यात्रा कर जल संरक्षण का संदेश दिया है। अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से पोस्ट-डॉक्टोरल अनुसंधान कर उप्र के 2019 भूजल विधेयक के साथ केंद्र सरकार की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति 2020 का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दुनिया के 50 प्रदूषित शहरों में 13 यूपी के

दुनिया के 50 प्रदूषित शहरों में 13 शहर यूपी के भी हैं। इनमें नोएडा, गाजियाबाद के अलावा लखनऊ को प्रदूषित शहरों की सूची में जोड़ा गया है। मेरठ, बरेली, बुलंदशहर, हापुड़, पीलीभीत, सहारनपुर, संभल, शाहजहांपुर, बदायूं, फतेहपुर जनपद भी उक्त सूची में शामिल हैं।

क्रिकेट के जलसे में दिखेगा भारत के सितारों का जलवा

चेन्नई सुपर किंग्स छठे खिताब के प्रबल दावेदारों में होगी

पांच खिताब जीतने वाली मुंबई इंडियंस पिछले तीन साल से ट्रॉफी नहीं जीत सकी है

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा पांच बार आईपीएल खिताब जीतने वाले कप्तान

दो बार की विजेता केकेआर के पास श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे धुरंधर

नयी दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास को लेकर कभी खत्म नहीं होने वाली अटकलें, 16 साल से खिताब नहीं जीत पाने की विराट कोहली की कसक, जिंदगी से दूसरा मौका पाकर मैदान पर उतर रहे ऋषभ पंत और कप्तानी छिनने का रोहित शर्मा का दर्द। ये सारी कहानियां शुक्रवार से शुरू हो रहे ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर को और रोचक बनाने के लिये काफी होंगी। दर्शकों के चहेते रोहित अपने बल्ले से सारे मलाल निकालने को आतुर होंगे। 'किंग कोहली' की नजरें खिताब पर होंगी, जिसके लिये वह 16 साल से इंतजार कर रहे हैं। एक ही टीम के लिये शुरू से खेल रहे आईपीएल के इकलौते खिलाड़ी कोहली का जुनून उनकी टीम के लिये टॉनिक का काम करेगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला टीम ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता है। कम से कम 10 से 12 खिलाड़ी चयनकर्ताओं के सामने अपनी उपयोगिता साबित करने को बेताब होंगे ताकि अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप का टिकट कटा सकें। पूरी दुनिया को क्रिकेट के रंग में रंगने वाले इस सालाना जलसे में कुछ खिलाड़ी वापसी करेंगे तो कुछ नये सितारे उभरेंगे, कुछ फर्श से अर्श तक की कहानियां निकलेंगे तो कई सितारे जमींदोज भी हो सकते हैं। एक ओवर में इस खेल में तकदीरें बदल जाया करती हैं। हर मैच के बाद खिलाड़ियों को सोशल मीडिया की बेरहमी भी झेलनी होगी। पैट कमिंस (सनराइजर्स हैदराबाद) और मिचेल स्टार्क (कोलकाता नाइट राइडर्स) जैसे महंगे बिके खिलाड़ियों पर अपेक्षाओं पर खरे उतरने का भारी दबाव होगा। एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स छठे खिताब के प्रबल दावेदारों में होगी। उनके चहेते 'थाला' को विषम परिस्थितियों से निकलकर जीत हासिल करने का शऊर बखूबी आता है। रचिन रविंद्र को अपने हुनर को निखारने का मौका मिलेगा। तेज गेंदबाजी का दारोमदार दीपक चाहर पर होगा। टीम में रूतुराज, मोईन अली और रविंद्र जडेजा जैसे धुरंधर भी हैं। वहीं 2020 तक पांच खिताब और पिछले तीन साल से ट्रॉफी नहीं जीत पाने ने मुंबई इंडियंस को कप्तान बदलने के लिये मजबूर किया। हार्दिक पंड्या के सामने सिर्फ खिताब जीतने ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में सभी के दिल जीतने की भी जिम्मेदारी होगी। अगर वह ऐसा कर पाते हैं तो आधी जंग जीत जायेंगे क्योंकि मुंबई के पास इतनी बेहतरीन बल्लेबाजी है कि गेंदबाजी की कमियां भारी नहीं पड़ेगी। आरसीबी के लिये सबसे बड़ी प्रेरणा महिला टीम की खिताबी जीत है। कोहली रन भले ही कम बनायें लेकिन खिताब हर हालत में जीतना चाहते हैं। धोनी और रोहित पांच बार खिताब जीत चुके हैं। केकेआर भी दो बार चैम्पियन रह चुकी है। कोहली अकेले खिताब नहीं जीत सकते। इसके लिये दिनेश कार्तिक, फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल को भी अच्छा खेलना होगा। केकेआर खेमे में गौतम गंभीर की वापसी हुई है जिनका जीत का जुनून जगजाहिर है। उनके और कोहली के बीच हुई लड़ाई कौन भूल सकता है। केकेआर के जाने पहचाने डगआउट में उनकी मौजूदगी कमाल कर सकती है। केकेआर के पास श्रेयस अय्यर, नीतिश राणा, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे धुरंधर है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के पास गंभीर के जाने के बाद जस्टिन लैंगर के रूप में नया कोच है और टीम प्लेआफ से आगे जाना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के लिये पंत की वापसी ट्रंपकार्ड साबित हो सकती है। गुजरात टाइटंस के पास इस बार हार्दिक पंड्या और मोहम्मद शमी नहीं है। राजस्थान रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज है। वहीं पैट कमिंस की सनराइजर्स हैदराबाद और शिखर धवन की पंजाब किंग्स भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

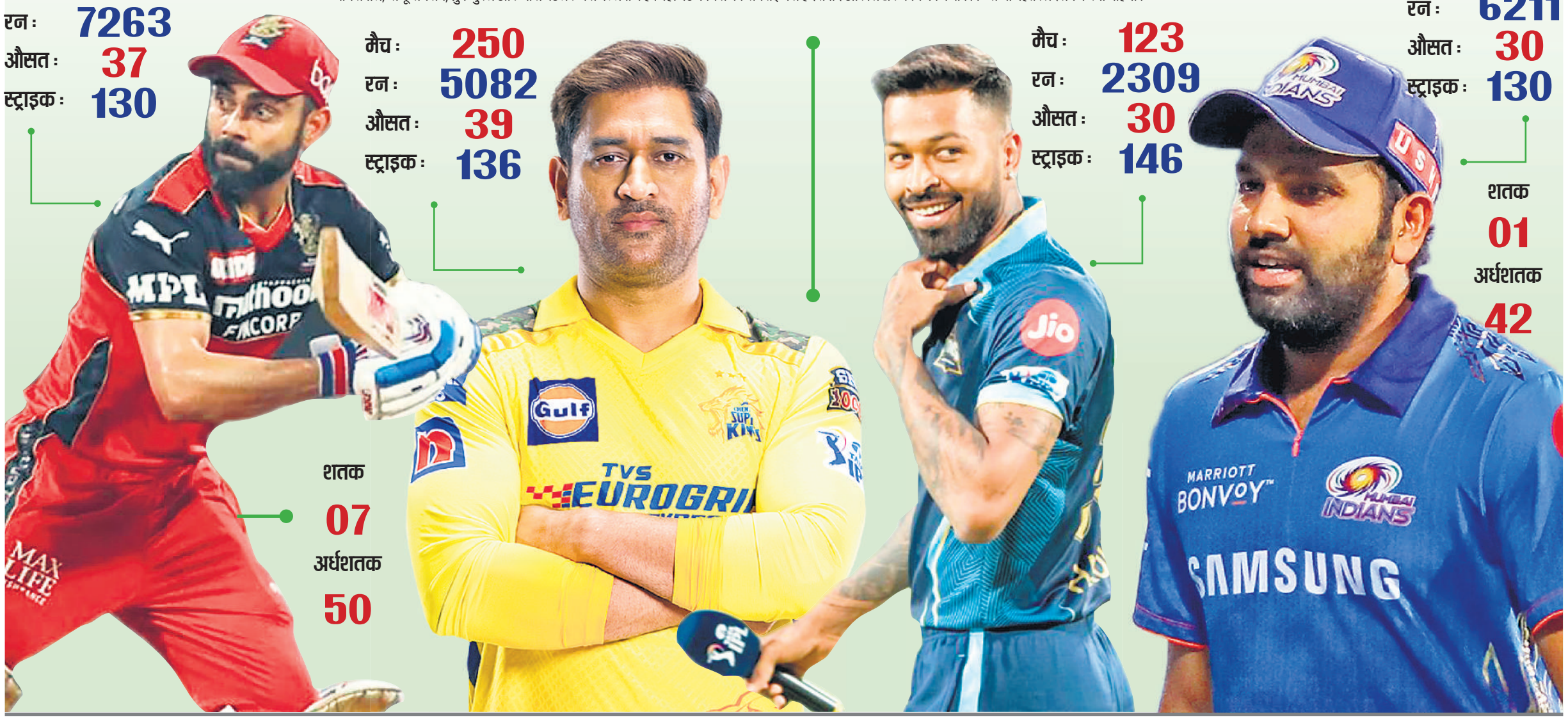

खेल डायरी

अशोक, परमजीत पेरिस पैरालम्पिक के लिए क्वालीफाई

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अशोक और परमजीत कुमार ने मिस्र में चल रहे पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप में रजत पदक जीतकर पेरिस पैरालम्पिक के लिये क्वालीफाई कर लिया। मनप्रीत कौर ने 41 किलो वर्ग में 86 किलो वजन ठाकर कांस्य पदक जीता। अशोक ने 192 और 196 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता। वहीं 49 किलो वर्ग में परमजीत ने 160 और 166 किलो वजन उठाया और मामूली अंतर से स्वर्ण से चूक गए।

एडम जम्पा ने आईपीएल 2024 से नाम लिया वापस

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स टीम के ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के इस सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर जम्पा के मैनेजर ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि करते कहा कि वह आईपीएल 2024 में हिस्सा नहीं लेंगे। जम्पा को नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में रिटेन किया था। पिछले वर्ष खेले एकदिवसीय विश्वकप के बाद से जम्पा का कार्यक्रम व्यस्त रहा।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सईद अहमद का निधन

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान और अपने समय के धुरंधर बल्लेबाज सईद अहमद का यहां 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अहमद ने 41 टेस्ट खेलकर पांच शतक और 16 अर्धशतक समेत 2991 रन बनाये थे। उन्होंने आफ स्पिन गेंदबाजी से 22 विकेट भी लिये थे। उन्होंने 1958 में ब्रिजटाउन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट के जरिये पदार्पण किया था।

गायकवाड़ को सौंपी सीएसके की कमान

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के 'थाला' महेंद्र सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच की पूर्व संध्या पर टीम की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ को सौंप दी जिससे बतौर खिलाड़ी भी इस सत्र में उनके खेलने को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई है। आईपीएल ने एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। चेन्नई सुपर किंग्स को शुक्रवार को पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से खेलना है। आईपीएल ने ट्रॉफी के साथ सभी कप्तानों की तस्वीर जारी करते हुए लिखा, ''पेश है चेन्नई सुपर किंग्स के नये कप्तान रूतुराज गायकवाड़।'' सीएसके ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, ''एम एस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी टाटा आईपीएल 2024 की शुरूआत से पहले रूतुराज गायकवाड़ को दी। रूतुराज 2019 से चेन्नई टीम का अहम हिस्सा है और आईपीएल में 52 मैच खेल चुका है।'' ऐसी अटकलें हैं कि धोनी इस सत्र के बाद संभवतः खेल से विदा लेंगे लिहाजा उनकी मौजूदगी में टीम इस बदलाव की जरूरत महसूस कर रही होगी।

मिथुन, निखिल और कृष्ण मोहन चयनकर्ता बनने की दौड़ में

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर निखिल चोपड़ा, दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मन्हास और मौजूदा जूनियर चयनकर्ता कृष्ण मोहन सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चयनकर्ता बनने की दौड़ में शामिल हैं। बीसीसीआई ने जनवरी में पांच सदस्यीय चयन समिति में एक पद के लिए आवेदन मंगवाए थे। वर्तमान समय में पश्चिम क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सलिल अंकोला और चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर कर रहे हैं। उत्तर क्षेत्र के प्रतिनिधि के लिए संभवतः अंकोला को अपना पद छोड़ना होगा। चेतन शर्मा के त्यागपत्र के बाद चयन समिति में उत्तर क्षेत्र का कोई प्रतिनिधि नहीं है।

ओलंपिक में शरत होंगे भारत के ध्वजवाहक

नयी दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे, जबकि दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को गुरुवार को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया गया। भारतीय ओलंपिक संघ ने यह घोषणा करते हुए बयान में कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी 'ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है।' छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। आईओए ने कहा, ''मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। केशवन के पास अपार अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का ज्ञान है।'' ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग भारतीय टीम का संचालन करेंगे।

अंश 'फ्यूचर कैटिगरी' का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय

मुंबई। ग्यारह वर्षीय अंश नेरुरकर प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के 'फ्यूचर कैटिगरी' का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इस युवा खिलाड़ी ने इसके साथ ही ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा के साथ मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार भी हासिल किया। नेरुरकर ने नौ दौर की प्रतियोगिता में आठ अंक बनाए। उन्होंने इस दौरान सात बाजियां जीती जबकि दो बाजियां ड्रॉ खेली। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्हें 132 रेटिंग अंक मिले जिससे उनके कुल अंक की संख्या 1786 हो गई है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार नेरुरकर ने इसके साथ ही कैंडिडेट मास्टर प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई किया।

बॉलीवुड हलचल

हॉरर कॉमेडी होगी श्रेयस और तुषार की फिल्म 'कपकपी'

मुंबई, एजेंसी। रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' सीरीज की धमाकेदार जोड़ी श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। उनकी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म 'कपकपी' का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। 'क्या कूल हैं हम' और 'अपना सपना मनी मनी' जैसी कॉमेडी फिल्मों के फेमस डायरेक्टर संगीत सिवन इस फिल्म में हंसी के साथ-साथ कुछ डर और रोमांच भी दिखाने वाले हैं। 'कपकपी' जयेश पटेल द्वारा ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस होगी। फिल्म की कहानी सौरभ आनंद और कुमार प्रियदर्शी ने लिखी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें, फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट अब तक नहीं हुई है। श्रेयस तलपड़े ने 'कपकपी' को लेकर कहा- 'कपकपी' मेरी बाकी फिल्मों से काफी अलग है। उन्होंने बताया कि आजकल, कई थ्रिलर, डार्क या देशभक्ति वाली फिल्मों का चलन बढ़ गया है तो हम दर्शकों के लिए एक वास्तविक हॉरर कॉमेडी फिल्म लाए हैं। जो दर्शकों को हंसाकर लोट-पोट कर देगी। तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े के अलावा फिल्म में सोनिया राठी, सिद्धी इदनानी, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी, दिनेश शर्मा और अभिषेक कुमार सहित कई मंझे हुए एक्टर्स नजर आएंगे।

एक्ट्रेस सपना चौहान परेशान होकर बोलीं- 'आहि रे दिदिया'

मुंबई, एजेंसी। देशभर में होली का खुमार सर चढ़कर बोलता है। लोग इस त्योहार का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस कड़ी में भोजपुरी स्टार्स भी पीछे नहीं हैं। वो एक महीने पहले से ही रंगों से सराबोर माहौल बनाए हुए हैं। एक के बाद एक गाने धमाकेदार गाने रिलीज कर रहे हैं। इसी बीच अब भोजपुरी के यंग स्टार अंकुश राजा का नया गाना रिलीज होते ही छा गया है। ये एक होली स्पेशल गीत है। इसका टाइटल 'आहि रे दिदिया' है। अंकुश के इस वीडियो को डेढ़ मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। गाना इंटरनेट पर धमाल मचा रहा है। इसमें अंकुश के साथ एक्ट्रेस सपना चौहान हैं। उन्होंने साली का रोल प्ले किया है। ऐसे में होली के मौके पर अंकुश साली को पाकर खुशी झूम उठे हैं और वो होली मनाने के लिए उतावले हुए जा रहे हैं। इसमें दोनों एक्टर्स के बीच कमाल की केमिस्ट्री और डांस मूव्स देखने के लिए मिल रहे हैं। लहंगे में एक्ट्रेस की खूबसूरती देखते ही बन रही है।

चोली के पीछे... गाने में बेबो का डांस देख भड़के लोग

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की आने वाली फिल्म 'क्रू' का गाना 'चोली के पीछे क्या है' रिलीज हो गया है। सुपरहिट फिल्म खलनायक में माधुरी दीक्षित पर गाना 'चोली के पीछे क्या है...' फिल्माया गया था अब इसे फिर से रीक्रिएट किया गया है जो कुछ लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आया है। माधुरी के फैन इस गाने को लेकर काफी नाराज नजर आ रहे हैं। फिल्म 'क्रू' में यह गाना करीना कपूर पर फिल्माया गया है। इस गाने के म्यूजिक को अक्षय और आईपी ने रीक्रिएट किया है। गायक दिलजीत दोसांझ, आईपी सिंह, अल्का याग्निक और ईला अरुण हैं। लिरिक्स भी आईपी सिंह ने लिखे हैं। इस गाने में करीना ने धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित को टक्कर देने की कोशिश तो की पर वह कामयाब नहीं हो पाई। इस गाने में करीना कपूर खान पिंक रेशमी साड़ी में अपना बोल्ड लुक दिखाती नजर आ रही हैं। वहीं रियल गाने की बात करें तो इसमें डांस क्वीन माधुरी दीक्षित का जबरदस्त डांस देखने को मिला था। यह गाना आज भी लोगों की यादों में सिर्फ इसलिए बसा है, क्योंकि इसे शानदार तरीके से कंपोज किया गया। 'चोली के पीछे' गाने को प्रसिद्ध गीतकार आनंद बख्शी ने लिखा था जबकि अनुभवी संगीत निर्देशकों की जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने इसका संगीत दिया था।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मजिस्ट्रेट, मतदान के दिन पीठासीन अधिकारी के रजिस्टर जरूर देखें

जिलाधिकारी ने सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट को किया आगाह

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनंद व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा चुनाव के संबंध में चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को ईवीएम व वीवीपैट मशीनों का प्रशिक्षण दिया गया। डीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों से कहा कि चुनाव के समय बूथों पर पीठासीन अधिकारी के रजिस्टर को अवश्य देंखे।

डीएम ने कहा कि चुनाव में सेक्टर मजिस्ट्रेटों की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी भी समस्या की जानकारी भी सबसे पहले उनको ही होती है। ऐसे में प्रशिक्षण के दौरान वे सब कुछ ध्यान से देखें, सुनें। आयोग के दिशानिर्देशों को ठीक से पढ़ लें। चुनाव के दौरान मतदान कार्मिक बूथों पर ही रहेंगे।

डीएम अभिषेक आनंद और एसपी अरुण कुमार सिंह ने की बैठक। अमृत विचार

मतदान शुरू होने पर दो-दो घंटे पर रिपोर्ट जानी चाहिए। डीएम ने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट को पीठासीन अधिकारी के द्वारा कोई समस्या की सूचना मिले तो वह तत्काल वहां पहुंचे। मत पत्र लेखा 17 ए, 17 सी को ठीक से भरे। मशीन खराब होने पर प्रोटोकॉल व चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार बदलें। राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में मशीन जमा होगी। कोई भी व्यक्ति मशीनों को छोड़कर नहीं जा सकता इसे चुनाव आयोग गंभीरतापूर्वक लेता है। एसपी ने जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों से कहा कि सेक्टर पुलिस अधिकारी साथ में रहकर क्षेत्र का भ्रमण करेंगे।

उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार निर्वाचन को सकुशल शांतिपूर्ण संपन्न कराना है। इस मौके पर सीडीओ अमृतपाल कौर, एसडीएम मोहम्मद जसीम अहमद, डीडीओ राजकुमार त्रिपाठी, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, कृषि उपनिदेशक राजकुमार एवं प्रशिक्षक साकेत बिहारी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

वृद्ध मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट

जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश के 85 वर्ष की आयु वर्ग से ऊपर के मतदाता पोस्टल बैलेट से मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। ये मतदाता निर्धारित फार्म-12डी में आवेदन कर अपने निवास स्थान पर मताधिकार का उपयोग कर सकते हैं। यह फार्म विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बीएलओ घर-घर जाकर उपलब्ध कराएंगे। फार्म निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जहां से इसे डाउनलोड करके भरकर संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग अफसर के कार्यालय में भी जमा कराया जा सकता है।

पुलिस तैयार कर रही है अपराधियों का रजिस्टर

जैतपुर, महोबा। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कुलपहाड़ भास्कर मिश्रा ने कहा है की लोकसभा चुनाव के मध्य पुलिस की नजर अब हिस्ट्रीशिटरों पर बनी हुई है, ऐसे लोगों की सूची तैयार कर उन पर नजर रखने का काम किया जा रहा है।

अभी तक पुलिस ने सैकड़ों की संख्या में हिस्ट्रीशीटर को पाबंद किया है। इसके अलावा संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथ पर नजर है। मतदान केंद्रों पर पुलिस टीम की ओर से भ्रमण कर लोगों को निर्भीक मतदान करने की अपील की जा रही है। लोकसभा चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी।

बूथ के बाहर किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी, इसके लिए गांव-गांव जाकर अपराधी किस्स के लोगों की सूची बनाई गई है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल के बीच संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

विक्रम और साक्षी बने चैंपियन

संवाददाता, बरगढ़ (चित्रकूट)

अमृत विचार। राजकीय पॉलीटेक्निक बरगढ़ में गुरुवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक समारोह का समापन हो गया। विक्रम सिंह और साक्षी सिंह ओवरऑल चैंपियन बने।

100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में विक्रम सिंह पहले, सूरज यादव दूसरे व मनोज यादव तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में साक्षी सिंह अव्वल, वर्षा सिंह एवं खुशबू को द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया। छात्राओं ने नाटक सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से सामाजिक संदेश दिया। छात्रों के विश्वेश्वरय्या हाउस और छात्राओं के कल्पना हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य एसके वैश्य ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। क्रीड़ाधिकारी दीपेंद्र व राणा सूर्यदेव सोनकर, स्वाती तथा उमा का सहयोग रहा। चंद्रभान प्रजापति, अनंत प्रकाश, संजीव कुमार सिंह, अमित कुमार शुक्ला, प्रियंका भारद्वाज, डॉ. प्रियंका मौर्य, सचिन कुमार गुप्ता, देबाशीष चंद्रा, साज़िया तबस्सुम, अशोक विश्वकर्मा, पवन, सुधांशु, सचिन मौर्य, अनूप, उर्वशी, चंद्रप्रकाश, संदीप ने भी योगदान किया।

प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाले छात्र प्रमाण पत्र के साथ। अमृत विचार

प्रतियोगिता में पदक पाने वाले विद्यार्थी और शिक्षक। अमृत विचार

बतकही

कितने चेहरे लगे हैं चेहरों पर...

यह राजनीति भी अजीब चीज है, इसमें क्या मूल्यों की, नीतियों की कोई कीमत नहीं। फलाने का यह सवाल मौजूं भी था और आज के हालातों को देखते हुए जरूरी भी। वह जारी था... कोई भी नेता कभी भी दूसरी पार्टी में जा सकता है। कोई पाबंदी नहीं, कोई नियम नहीं। कल तक जिसको गरियाता था, आज उसी से गलबहियां कर सकता है। यह बात जिला ही नहीं देश स्तर के नेताओं पर लागू होती है। इतना कहकर वह चुप हुआ तो मैं बोला, हां यार फलाने। बात तुम्हारी गंगा के पानी की तरह सही है। मैं भी अक्सर सोचता हूं कि फिर नेताओं की बातों पर कितना भरोसा किया जाए। कल तक जिसकी आलोचना में जुटे थे और उसी के लिए प्रचार करते दिखते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं। तुम्हारे पास इसका कोई जवाब हो तो बताओ। फलाने बोला, भाई। है तो मेरे पास पर मैं बोलकर किसी की आलोचना का पात्र नहीं बनना चाहता। मेरे वैसे भी बहुत दुश्मन हैं। हां, मैं यह बहुत गलत मानता हूं कि कोई भी कितना भी गलत आदमी हो, दूसरी पार्टी में जाने के बाद सही हो जाए। यह पक्षपात मेरे गले नहीं उतरता। कम से कम पार्टियों के बड़े नेताओं को तो इस बात की सीमा रेखा बनानी चाहिए। सिर्फ जीत हार ही सब कुछ नहीं होता। मैं तो ऐसे कई नेताओं को जानता हूं, जिन्होंने चाहे कोई चुनाव नहीं जीता हो पर वे जिए तो एक पार्टी के लिए मरे तो उसी पार्टी के झंडे में ही लिपटे। आज तो कौन कब दूसरी पार्टी का दामन थाम ले, कहा नहीं जा सकता। जिले में ही तमाम उदाहरण हैं। इसका मतलब जनता इस पर ध्यान नहीं देता, मैंने पूछा तो फलाने का जवाब था। जनता सबकुछ जानती है, सब समझती है पर क्या करे। यह दुर्भाग्य ही है कि अंत में चुनाव जाति और पार्टी पर केंद्रित हो जाता है। स्थानीय उम्मीदवार पर नहीं वर्ना तो शुचिता की क्रांति आ जाए। अगर जनता नेताओं से यह पूछने लगे कि भइया, जब उस पार्टी में थे तो वहां की मलाई खाई और जब वो पार्टी सत्ता से हटी तो दूसरे की खाने लगे। हां यह जरूर है कि नेताओं को इसकी आलोचना का हक नहीं, क्योंकि अपने गिरेबां में भी झांकना चाहिए। जाति को देखकर वोट डालने वालों से यह पूछना चाहिए कि तुम्हें बाद में क्या मिला। सिर्फ यह संतोष कि फलाना प्रतिनिधि तुम्हारी जाति का है। जब तक विकास कार्यों, आम आदमी की भलाई आदि मुद्दों को लेकर वोट नहीं किया जाएगा, यह चलता रहेगा।
...कितने चेहरे लगे हैं चेहरों पर, क्या हकीकत है और सियासत क्या।

झोली में बीमार को अस्पताल ले जाने का 'अभिशाप'

चित्रकूट कार्यालय

अमृत विचार। विकास की लंबी चौड़ी बातें उन जगहों पर बेमानी है, जहां सड़क जैसी सामान्य सुविधा तक के लिए ग्रामीणों को तरसना पड़े। तीर्थक्षेत्र के पास के कई गांव-मजरों के बाशिंदों को आनेजाने में तमाम तकलीफ होती हैं। बीते दिन एक मजरे की गर्भवती महिला को बांस के सहारे कपड़े की झोली में ग्रामीण अस्पताल ले जा रहे थे कि उसने रास्ते में ही बच्चे को जन्म दे दिया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों को मिले असुविधा के अभिशाप का पता चला।

कहने को तो मप्र में डबल इंजन की सरकार कई सालों से है पर यहां के कई गांव-मजरों में विकास की एक किरण तक नहीं पहुंची। ऐसा ही एक गांव है तीर्थक्षेत्र अंतर्गत मप्र की नगर पंचायत चित्रकूट का। यहां के वार्ड नंबर 15 थर पहाड़ में बीते दिन सुबह संगीता मवासी पत्नी अशोक कुमार को प्रसव पीड़ा हुई।

गर्भवती को लेकर जा रहे परिजन और रास्ते में हुआ बच्चे का जन्म। अमृत विचार

● ग्रामीण महिला ने रास्ते में दिया बच्चे को जन्म

घरवालों ने आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाने की सोची। मुख्य सड़क से मजरे की दूरी लगभग पांच किमी है। वहां तक आने जाने के लिए इनको पगडंडीनुमा रास्ते से जाना पड़ता है। परिजनों ने एक बांस में धोती बांधकर झोली का रूप दिया और उसमें संगीता को ले जाने लगे। रास्ते में ही संगीता ने बच्चे को जन्म दे दिया। महिला के साथ रहे परिजनों ने किसी तरह से स्थिति को संभाला और फिर जच्चा-बच्चा को मुख्य सड़क पर लाए। जहां से किसी वाहन से उसे लेकर लगभग बीस किमी दूर मझगवां पहुंचे और अस्पताल में भर्ती कराया। लगभग चार सौ वोटरों वाले इस मजरे में शिक्षा की कमी भी अखरती है। आदिवासी बाहुल्य इस पूरे इलाके में अपने लिए आवाज न उठा पाने की विवशता से ये लोग असुविधाओं का अभिशाप झेल रहे हैं। जब इसका वीडियो वायरल हुआ तभी लोगों को इनकी मजबूरियों का पता लगा। इस संबंध में नगर पंचायत के चीफ म्युनिसिपल अफसर विशाल सिंह ने बताया कि कई बार इस सड़क को बनाने की कोशिश की गई पर यहां की स्थिति आड़े आ जाती है। बरसात में सड़क की मिट्टी घुल जाती है। इस बार इसे सीसी रोड बनाने का प्रस्ताव है। रोड का इस्टीमेट लगभग पांच करोड़ का है। टेंडर हो चुका है। चुनाव होते ही इसका निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। बताया कि सड़क न होने से ग्रामीणों को लगभग पांच किमी तक पैदल चलना पड़ता है। वाहन आदि जाने में भी दिक्कत होती है।

नहीं पूरा हो सका जल जीवन मिशन का कार्य

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

● फटी पाइप लाइनें व उखड़ी सड़कें लोगों के लिए मुसीबत

अमृत विचार। दशकों से पेयजल की समस्या से जूझ रहे सायर व ऊपरी गांव के लोगों को जल जीवन मिशन योजना से उम्मीद जगी, लेकिन उसका भी एक साल कार्य पूरा नहीं हो सका है। जिसके चलते फटी पाइप लाइनें, उखड़ी सड़कें लोगों को और दर्द दे रही हैं। ग्राम प्रधान ने मुख्यमंत्री सहित अन्य जिम्मेदारों को पत्राचार कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

मुस्करा क्षेत्र के सायर गांव निवासी ग्राम प्रधान प्रदीप विश्वकर्मा ने बताया कि गांव में करीब एक साल से जल जीवन मिशन का कार्य चल रहा है। जिसके चलते कार्यदायी संस्था ने गांव के सारे रास्ते खोद डाले हैं। बताया कि अब तक मात्र 30 फीसदी काम हो पाया है। गांव की हर गली खुदी पड़ी है। पुरानी पाइप लाइन जिससे गांव को मौजूदा समय में पानी आपूर्ति की जाती है। वह भी जगह-जगह फटी पड़ी है। जिससे सप्लाई का पानी बर्बाद हो रहा है। दलदल भरे रास्तों से लोग निकलने को मजबूर हैं। कहा कि गांव के 14 रास्ते खुदे पड़े हैं। उनमें डाली गई पाइप लाइन से लोगों के कनेक्शन तक नहीं किए गए हैं। वहीं तीन गलियों महेश गुप्ता के दरवाजे से बिल्लू के दरवाजे तक, प्रदीप कुशवाहा की दुकान से गढ़ी मोहाल तक व चंदिगर बाबा मंदिर से भैरम दयाल के दरवाजे तक पाइप लाइन डालनी बाकी है। बीते सप्ताह एडीएम नमामि गंगे से शिकायत की थी, उसके बाद एक-दो लीकेज ठीक किए गए, लेकिन कार्यदायी संस्था अधूरा काम छोड़कर कहीं और चली गई है। जिससे ग्राम पंचायत के विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। बताया कि कार्यदायी संस्था के कर्मचारी सीधे मुंह बात नहीं करते और न ही अधिकारी शिकायत पर ध्यान देते हैं।

अब तक जांची गई 86,059 कॉपियां

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। चित्रकूट इंटर कालेज में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी है। 1,08,261 कापियों में 86,059 जांची जा चुकी हैं।

उप नियंत्रक रणवीर सिंह चौहान ने बताया कि अब तक हाईस्कूल की 54,373 और इंटर की 31,686 कापियों का मूल्यांकन हो चुका है। हाईस्कूल की 6351 और इंटर की 15,851 कॉपियां बची हैं। हाईस्कूल में 25 और इंटर में 40 टोलियां लगाई गई हैं। जंची कापियों का उप प्रधान परीक्षकों द्वारा परीक्षण भी किया जा रहा है। अंकेक्षण भी कराया जा रहा है।

मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षक। अमृत विचार

कुल मिलाकर कापियों के मूल्यांकन में किसी भी तरह की त्रुटियां न रह जाएं ,इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मूल्यांकन कार्य को व्यवस्थित ढंग से कराने में परीक्षा प्रभारी श्रीनिवास त्रिपाठी, ऋषि कुमार शुक्ला, सतीश रैकवार, डॉ. रमेश सिंह चंदेल, डॉ. आलोक शुक्ला, रामगोपाल दुबे, ज्ञानेंद्र चौधरी, मनोज पांडेय, ओंकार सिंह, रामबचन सिंह, विनय त्रिपाठी, रमेश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, ललक यादव, प्रदीप शुक्ला, वीरेंद्र गर्ग आदि का सहयोग है।

किसानों की सहमति से गेहूं की किस्मों का चयन

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

● किसानों को भायी गेहूं की लोक-1 किस्म

अमृत विचार। ग्राम पंचायत गिदुरहा में अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान और आरआरए नेटवर्क के प्रयास से देशी बीजों के संरक्षण के लिए देशी गेहूं की पांच किस्मों पैगंबरी, बंशी, कठिया, लोक-1 और काला गेहूं बोई गई थी, जो अब पकने की स्थिति में है। नेटवर्क के राजीव गुप्ता ने किसानों से कहा कि वे सबसे अच्छी किस्म का चयन करें।

इस पर महिला और पुरुष किसानों ने देशी गेहूं की लोक-1 किस्म का चयन किया। किसानों ने बताया कि यह किस्म जल्दी पककर तैयार हो जाती है। इसमें कल्लों की संख्या ज्यादा है। बाली की मोटाई और लंबाई भी अधिक है और यह हवा से गिरेगी भी नहीं। अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान के परियोजना समन्वयक विजय ने कहा कि संस्थान किसानों को समय-समय पर जागरूक करता रहेगा।

कृषि समन्वयक गुरुदयाल, राजू प्रसाद, अनीश कुमार और पीएम चरन, राजबहोर, शशिकांत, अनोद, रामदेवी, निर्मला आदि किसान मौजूद रहे।

कोई तो ध्यान दे...

बच्चों और किशोरों को वाहन न चलाने देने के निर्देश आदेश हवाई हैं। सड़कों पर अक्सर निर्धारित आयु न पूरी करने वाले किशोर भी ई रिक्शा, टेंपो, ट्रैक्टर आदि वाहनों को दौड़ाते नजर आ जाते हैं। इनके पास ड्राइविंग लाइसेंस होने का तो सवाल ही नहीं उठता। ऐसे में इन पर सख्ती किए जाने की आवश्यकता है। बीते दिन ट्रैक्टर पर ये दो किशोर कहीं से मिट्टी खोदकर ट्रैक्टर पर लादकर मुख्यालय के शास्त्रीनगर जा रहे थे। जब इनको टोका गया और लाइसेंस वगैरह की जानकारी ली गई तो चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला। ● अमृत विचार

सराहनीय पहल | नयागांव के पन्नालाल घाट से शुरू हुआ अभियान

मंदाकिनी के घाटों की सफाई में जुटी बुंदेली सेना

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। एक बार फिर बुंदेली सेना के युवाओं ने मंदाकिनी नदी और उसके घाटों की सफाई का बीड़ा उठाया है। होली के पहले घाटों की सफाई का अभियान गुरुवार को नयागांव के पन्नालाल घाट से शुरू किया गया। गंदगी से पटे घाट को साफ कर स्नानार्थियों के लायक बनाया गया और कचरा और गंदगी नदी से बाहर की गई।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि नाव लगातार चलने से नदी की सतह से गंदगी कम होती है। रामघाट में लगभग 150 नावों का संचालन होता है। इससे वहां गंदगी कम रहती है। लेकिन नयागांव में छोटे पुल से लेकर बूढ़े हनुमान जी मंदिर तक नावों के न चलने से दिक्कत है।

नदी की सफाई में जुटे युवा। अमृत विचार

नदी चोई, चारा, गंदगी से पटी पड़ी है। होली में लोगों को साफ स्वच्छ घाट में स्नान करने को मिले, इसके लिए नदी और घाटों की सफाई का अभियान शुरू किया है। पन्नालाल घाट की गुरुवार को सफाई की गई।

पहले दिन लगभग 50 मीटर तक घाट के आसपास सफाई करके बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा, चोई चारा और गंदगी नदी से बाहर की गई। लोगों से बुंदेली सेना ने नदी में पालीथिन न डालने की अपील की है। अजीत ने बताया कि प्लास्टिक कचरा नदी को सर्वाधिक प्रदूषित कर रहा है।

परंपराओं के नाम पर नदी को प्रदूषित करना अनुचित है। बताया कि रामघाट के बाद कर्वी में पयस्वनी नदी के घाटों पर अभियान चलाया जाएगा। होली में लोग बड़ी तादाद में रंग खेलने के बाद नहाने जाते हैं और ऐसे में साफ स्वच्छ घाट होने आवश्यक हैं।

आठ नमूनों को जांच के लिए भेजा

चित्रकूट। होली में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अभियान चलाया।

सहायक आयुक्त डॉ. सीआर प्रजापति ने बताया कि अभियान दल ने अब तक खोया, दूध, पनीर व कचरी के आठ नमूने संग्रहीत किए हैं। इनको प्रयोगशाला भेजा जाएगा। परिणाम प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने तमंचा के साथ किया गिरफ्तार

चित्रकूट। रैपुरा पुलिस ने एक आरोपी से तमंचा व कारतूस बरामद किया। थाने के उप निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने संतोष कचेर पुत्र नवल किशोर निवासी उर्की को तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

शिविर में मौजूद विद्यार्थी, शिक्षक और अन्य। अमृत विचार

महिला सशक्तिकरण पर छात्रों ने की चर्चा

मानिकपुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत प्राथमिक विद्यालय खिचरी में शिविर लगाया गया। शिविर के आठवें दिन गुरुवार को महिला सशक्तिकरण विषय पर गोष्ठी हुई। इसमें मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार पारुल सिंह परिहार मौजूद रहीं। मुख्य वक्ता समाजसेवी अनुज हनुमत ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता और महत्व समझाया। प्राचार्य दुर्गेश शुक्ला ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दो आरोपियों पर लगा मिनी गुंडा एक्ट

पहाड़ी (चित्रकूट)। पुलिस ने दो आरोपियों पर मिनी गुंडा एक्ट लगाया है।

प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल ने गुंडागर्दी के आरोप में रामत्रिपाठी पुत्र जगतराम निवासी ओरा, रमाशंकर पुत्र शक्तिराम निवासी कोडरपुरवा मजरा बक्टा बुजुर्ग पर धारा 110 जी सीआरपीसी की कार्रवाई की।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

चुनाव में यमुना पुल व रेलवे लाइन बनाए जाने का मुद्दा बुलंद

आज भी पिछड़ेपन का दंश झेल रही पीएम व सीएम देने वाली तिंदवारी, बांदा-फतेहपुर के लिए नई रेलवे लाइन की मांग उठने लगी

पवन तिवारी,बांदा

अमृत विचारः लोकसभा आम चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही क्षेत्र के मुद्दे भी गरमाने लगे हैं। कहीं नई रेलवे लाइन बनाकर विकास की नई इबारत लिखने की मांग बुलंद हो रही है तो कहीं यमुना नदी पर पक्के पुल की मांग जोर पकड़ रही है। क्षेत्रीय जनता ने विभिन्न मुद्दों और मांगों पर अपनी आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया है, ताकि चुनाव के बाद जनप्रतिनिधि विधानसभा क्षेत्र के बाशिंदों के हितों का भी ख्याल रख सकें और यहां भी विकास की किरणों की रोशनी फैल सके। देखना दिलचस्प होगा कि जनता की उम्मीदों पर यहां के जनप्रतिनिधि कितना खरा उतरते हैं या फिर यहां की मांगें अगले चुनाव तक के लिए फिर से ठंडे बस्ते में

चली जाती हैं।

समूचा देश जहां आजादी के अमृतकाल का जश्न मना रहा है वहीं हमीरपुर संसदीय सीट से जुड़ा तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र आज तक समुचित विकास के लिए जनप्रतिनिधियों की बाट जोह रहा है। यमुना और केन नदी के किनारे बसे तिंदवारी विधानसभा के इलाके के लोग विकास की राह में पिछड़ने के लिए जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रत्येक चुनावों में यहां के बड़े मुद्दे गरमाते हैं, लेकिन चुनाव के बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है। वैसे देखा जाए तो तिंदवारी विधानसभा शुरू से ही वीआईपी सीट मानी जाती रही है और इस विधानसभा क्षेत्र ने जहां प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना, वहीं देश को प्रधानमंत्री के रूप में वीपी सिंह के निर्वाचन में कभी फतेहपुर लोकसभा से जुड़ी रही तिंदवारी विधानसभा ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जानकार बताते हैं कि तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अपने कार्यकाल में इस क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण कार्य कराए, जिनके लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। लेकिन उनके जाने के बाद वीआईपी सीट का तमगा महज सफेद हाथी बन कर रह गया। ऐसा नहीं है कि तिंदवारी विधानसभा के जनप्रतिनिधि शासन सत्ता में नहीं रहे, लेकिन उन्होंने इस क्षेत्र की ओर पलट कर नहीं देखा। यहां के जनप्रतिनिधियों की बात करें तो यहां से विशंभर प्रसाद निषाद सपा और बसपा की सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर रहे, लेकिन इस क्षेत्र की सूरत नहीं बदल सकी। मौजूदा समय में भी तिंदवारी सीट से विधायक रामकेश निषाद भी प्रदेश में जलशक्ति राज्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हैं, लेकिन वह भी विकास के मामले में अभी तक कुछ खास नहीं कर सके हैं। हालांकि बसपा सरकार में कद्दावर मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने क्षेत्र के चिल्ला में यमुना नदी पर फोरलेन पुल बनाकर यहां की जनता को कानपुर और लखनऊ से जोड़ने में मदद की थी, लेकिन वह भी फतेहपुर लोकसभा से अपने बेटे को पिछला चुनाव जिता नहीं सके और अब वह कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार हैं। चुनाव आते ही क्षेत्र के लोग तमाम विकास के मुद्दों को लेकर आवाज बुलंद करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद जनता और नेता दोनों ही चुप्पी साध लेते हैं। यहां की जनता लंबे समय से फतेहपुर को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन बनवाने की कवायद करते रहे हैं, लेकिन उनकी यह मांग नक्कारखाने में तूती की तरह दब कर रह गई और आज तक यह मुद्दा जीवंत बना हुआ है। लोगों की मांग है कि फतेहपुर के लिए बांदा से बबेरू, तिंदवारी व पैलानी होते हुए एक नई रेलवे लाइन बननी चाहिए, जिससे यहां के लोग बड़े महानगरों से सीधे जुड़ सकेंगे और अपनी व्यापारिक गतिविधियों को आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही रेलवे लाइन बनने से यहां के बेरोजगारों को काम और इलाके का औद्योगिक विकास संभव हो सकेगा।

वीआईपी सीट मानी जाती रही है तिंदवारी विधानसभा

कभी वीआईपी सीटों में शुमार रही तिंदवारी विधानसभा सीट हमेशा से ही अपने जिले से कटी रही और दूसरे जिलों के साथ जुड़कर वहां के संसदीय क्षेत्रों का हिस्सा बनी रही। तिंदवारी विधानसभा पहले तो फतेहपुर से जुड़ी रही और यहां के लोग अपने वोट के जरिए फतेहपुर के नेताओं को अपना जनप्रतिनिधि चुनती रही है। हालांकि इस लोकसभा में विशंभर प्रसाद निषाद व महेंद्र निषाद भी सांसद बनने का गौरव हासिल कर चुके हैं। उधर पिछले परसीमन में तिंदवारी को हमीरपुर-महोबा के साथ जोड़ दिया गया। तब से यहां हमीरपुर या महोबा जिले के नेता अपनी राजनीति चमका रहे हैं। इकलौती विधानसभा होने के कारण यहां के जनप्रतिनिधि विकास की सुध नहीं लेते और अपने मूल जनपदों में ही विकास कार्य करा कर कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं।

जनता ने प्रत्याशियों के लिए तैयार की सवालों की सूची

- क्षेत्र के समाजसेवियों के समूह ने यहां से सांसद बनने का ख्वाब देखने वाले नेताओं के लिए सवालों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त तैयार की है और सियासी दलों के उम्मीदवारों से प्रश्न पूछकर विकास की आवाज बुलंद कर रहे हैं। क्षेत्र विकास समिति की ओर से लक्ष्मीकांत कूका आदि ने भावी सांसद से फतेहपुर से तिंदवारी, पैलानी होते हुए बांदा के लिए रेलवे लाइन, यमुना नदी पर बारा-गलौली में पक्के पुल के निर्माण, क्षेत्र के पैलानी, तिंदवारी, जसपुरा, मटौंध आदि का औद्योगिक विकास करने समेत विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर सवाल पूछे हैं। कहा है कि क्षेत्र से चुनाव जीतकर संसद पहुंचने वाले जनप्रतिनिधि महज चाटुकारों व स्वार्थी तत्वों से घिर जाते हैं और आम जनता का तो फोन भी नहीं उठाना जरूरी समझते। सवालों के बीच ऐसे जनप्रतिनिधियों को अपने आचरण में सुधार करने और आम जनता के संपर्क में रहकर विकास की नई इबारत लिखने की नसीहत दी गई है।

क्षेत्र में बुलंद हो रहा 'पुल नहीं तो वोट नहीं' का नारा

- जनप्रतिनिधियों पर वादाखिलाफी का आरोप लगा कर क्षेत्र के लोग पिछले एक माह से पुल नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद कर रहे हैं। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि यमुना नदी पर फतेहपुर जनपद को जोड़ने वाले बारा-गलौली या इछावर-बिंदौर घाट पर एक पक्का पुल बनाया जाना चाहिए, ताकि यहां के लोगों को आने जाने में सहूलियत मिल सके। ऐसा नहीं है कि यह कोई नई मांग है, इसके लिए बाकायदा तत्कालीन भाजपा सरकार शिलान्यास की औपचारिकताएं भी पूरी कर चुकी है। लेकिन हकीकत में पुल के निर्माण का कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका। क्षेत्र के किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले की अगुवाई में लंबे समय से ग्रामीण आंदोलन की राह पर चल रहे हैं, लेकिन कोई सफलता हासिल नहीं हो सकी। ऐसे में लोकसभा चुनाव के दौरान यमुना नदी पर पक्के पुल का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जा रहा है और सियासी दलों के नेताओं के गले की फांस भी बन सकता है।

एक नजर

तीन युवतियों समेत चार ने जहर खाया

बांदा : जसपुरा थाना क्षेत्र के नरजिता गांव निवासी अंजली (20) पुत्री जगदीश को किसी घरेलू बात को लेकर मां ने डांट दिया। इसी से नाराज होकर अंजली ने गुरुवार की दोपहर को जहरीला पदार्थ खा लिया, इससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने देखा तो उसे तत्काल जिला अस्पताल में दाखिल कराया, वहां उसका उपचार किया गया। इसी तरह कमासिन थाना क्षेत्र के छिलोलर गांव निवासी सलोनी (19) पत्नी धीरेंद्र ने अज्ञात कारणसों के चलते गुरुवार की दोपहर को जहरीला पदार्थ खा लिया। जबकि शहर के परशुराम तालाब निवासी सरस्वती (30) पत्नी कमलेश ने बुधवार की रात को जहरीला पदार्थ खा लियां इसी तरह चिल्ला थाना क्षेत्र के बिछवाही गांव निवासी शिवप्रसाद (26) पुत्र धनकेसर ने भी बुधवार की शाम को जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर जानकारी हुई तो परिजनों ने सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, वहां उनका उपचार किया गया।

कुएं में कूदकर जान देने का प्रयास

बांदा : चिल्ला थाना क्षेत्र के बिछवाही गांव निवासी शिवप्रसाद (26) पुत्र धनकेसर ने गांव में ही स्थित पानी भरे कुएं में बुधवार की शाम को छलांग लगा दी। पानी में गिरने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने देखा तो रस्सी डालकर किसी तरह से युवक को बाहर निकाला। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

रोजगार मेले में 46 युवकों को मिली नौकरी

बांदा : केसीएनआईटी संस्थान के तत्वाधान में संचालित आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। करीब 300 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न पदों के लिए कंपनियों द्वारा साक्षात्कार लेकर 46 छात्रों का चयन किया गया। केसीएनआईटी संस्थान के तत्वाधान में संचालित आईटीआई में आयोजित रोजगार मेले में मोटर वाहनों के विभिन्न पुर्जों का निर्माण करने वाली मल्टीनेशनल कंपनी मैग्नेटी मारेली मदरसन आटो सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड (हरियाणा) और सेज मेटल्स कंपनी फरीदाबाद कंपनी के प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार लिया। महाराष्ट्र की एसी का उत्पादन करने वाली पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट कंपनी ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया।

सभी पदों पर एक-एक नामांकन सबका निर्विरोध निर्वाचन तय

तहसील अधिवक्ता संघ का चुनाव : दूसरे गुट के वकीलों ने दाखिल नहीं किए पर्चे

संवाददाता ,अतर्रा (बांदा)

अमृत विचारः तहसील अधिवक्ता संघ के नामांकन में गुरुवार को अध्यक्ष महासचिव सहित सभी दस पदों में एक-एक नामांकन दाखिल होने से सभी का निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय हो गया है। शुक्रवार को पर्चा जांच व नाम वापसी के बाद ही परिणाम घोषित हो जाएंगे। गुटबाजी के फेर में फंसा अधिवक्ता संघ का निर्वाचन इस बार भी गुटबाजी के फंदे से बाहर नहीं निकल सका और दूसरे गुट की ओर से किसी भी अधिवक्ता ने चुनाव में रुचि नहीं दिखाई।

गुरुवार को अधिवक्ता संघ के नामांकन में अध्यक्ष पद पर अमर सिंह राठौर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष में सत्येंद्र कुशवाहा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष विकास सिंह, अर्जुन प्रकाश गुप्ता, महासचिव राजेंद्र जाटव, कोषाध्यक्ष महेश कुशवाहा, संयुक्त सचिव प्रशासन लवकुश गुप्ता, संयुक्त सचिव प्रशासन संतोष कुमार, संयुक्त सचिव पुस्तकालय धीरेंद्र सिंह, वरिष्ठ सदस्य महेश प्रसाद मौर्य और कनिष्ठ सदस्य पद के लिए काशी प्रसाद ने पर्चा दाखिल किया। निर्वाचन अधिकारी राममिलन कुशवाहा ने नामांकन दाखिल करने वालों की सूची जारी कर दी है।

बताते चलें कि सभी पदों में एक-एक प्रत्याशी का पर्चा दाखिल होने पर सभी के निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ दिख रहा है। हालांकि शुक्रवार को नामांकन प्रपत्रों की जांच और नाम वापसी की तरीख तय है।

श्री कुशवाहा ने बताया कि सभी पदों में एक-एक प्रत्याशी ही दाखिल होने पर शुक्रवार को परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

अमर सिंह राठौर व राजेंद्र जाटव। अमृत विचार

- आज निर्वाचित घोषित कर दिए जाएंगे सभी पदाधिकारी
- अमर सिंह अध्यक्ष और राजेंद्र जाटव महासचिव पद पर तय

एक बार पहले भी हो चुका निर्विरोध निर्वाचन

- अतर्रा तहसील अधिवक्ता संघ का चुनाव इस बार विवादों के बीच खिंचता ही जा रहा है। दो गुटों में बंटे अधिवक्ता एक दूसरे को पीछे छोड़ने की कवायद में जुटे हैं। इसके पहले भी एक बार संघ में चुनाव की प्रक्रिया हुई थी, जिसके खिलाफ बार काउंसिल ने रोक लगाते हुए नए सिरे चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इस बार फिर से सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन करा लिया गया। लेकिन दूसरे गुट के लोग बार काउंसिल जाने की बात कह रहे हैं। उधर निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष अमर सिंह राठौर व महासचिव राजेंद्र जाटव समेत सभी को बधाइयां मिल रही हैं। उधर दूसरे गुट की ओर से पूर्व महासचिव नरेंद्र शुक्ला ने चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है, जिसकी सुनवाई के लिए 22 मार्च की तारीख नियत है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद ही चुनाव की वैधता साबित हो सकेगी। अब देखना यह है कि दूसरा गुट यदि काउंसिल में अर्जी लगाता है तो क्या फैसला होता है।

चकबंदी के बाद भी जमीनों पर दबंगों का कब्जा

नरैनी: चकबंदी हो जाने के बाद भी गांवो में सरकारी नाली, चक रोड, देवस्थान व सार्वजनिक भूमि में अभी भी दबंगो का अवैध कब्जा है। चकबंदी के बाद यह किसी एक गांव की समस्या नहीं है, बल्कि यह स्थिति लगभग जनपद के अधिकतर गांवो में बनी हुई है।

तहसील क्षेत्र के नौगवां गांव के मजरा गहबरा गांव निवासी तेज बहादुर सिंह, राजकुमार गर्ग, सुरेंद्र सिंह , बृजेंद्र सिह सहित दर्जनो ग्रामवासियो ने बीते दिनों मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेज कर बताया था कि ग्राम सभा की भूमि गाटा संख्या 371 देवस्थान, 167 व 390 चकरोड, 374 व 168 व 169 मे सार्वजनिक खलिहान, 370 गांव सभा व 391 बंजर दर्ज कर छोड़ी गई थी। जिस पर गांव के दबंगों ने कब्जा करके रिक्त भूमि पर तारबंदी करके मकान आदि का निर्माण कर लिया गया है। गाटा संख्या 390 में लगे हरे पेडो को काटकर हरिजन बस्ती में मकान के प्लाट बनाकर विक्रय किया जा चुका है। एसडीएम ने 18 जनवरी को जांच कराई थी।

बैठक को संबोधित करते भाकियू के जोनल अध्यक्ष। अमृत विचार

मुफ्त बिजली की योजना किसानों के साथ छलावा

कार्यालय संवाददाता,बांदा

- भाकियू ने बैठक में योजना पर किया मंथन

अमृत विचारः भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार मंथन करने के साथ ही संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर घर दस्तक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। हाल ही में शासन द्वारा घोषित की गई मुफ्त बिजली योजना को किसान नेताओं ने छलावा बताया।

किसान नेता मेवालाल साहू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शासन द्वारा मुफ्त बिजली योजना पर प्रमुखता के साथ चर्चा की गई और इसे किसानों के प्रति छलावा बताया गया। बैठक में किसानों के हित में मीटर की अनिवार्यता खत्म करके निर्बाध रूप से 16 से 18 घंटे विद्युत आपूर्ति करने की मांग की गई। निर्णय लिया गया कि संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारी व सदस्य हर घर दस्तक अभियान चलाएंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन के लोग किसी भी पार्टी का प्रचार प्रसार नही करेंगे और सभी स्वेच्छा से अपना मतदान देंगे। इस दौरान संस्थापक मनरूप सिंह परिहार भी पंचायत में शामिल हुए। बैठक में विनोद सिंह तोमर, अवधेश सिंह पटेल, रामदास साहू, शैलेंद्र सिंह पटेल, सत्यराज आदि रहे।

युवती ने जहर खाया तो युवक ने फांसी लगाई

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचारः अलग-अलग घटनाओं में युवती ने जहर तो युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

अतर्रा थाना क्षेत्र के गुमाई गांव निवासी आरती (28) पत्नी पप्पू ने बुधवार की शाम को ससुराल में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। यहां उपचार से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। मृतका के चचिया ससुर रामकुमार ने बताया कि घटना के वक्त सास कस्तूरी खेत और ससुर मवेशी बाड़ा गया था। पति सतना में रहकर फैक्ट्री में काम करता है।

उधर, चिल्ला थाना क्षेत्र के पलरा गांव निवासी चुन्नू प्रजापति (45) पुत्र रामसेवक का शव गुरुवार की सुबह घर में कमरे के अंदर छप्पर की धन्नी के सहारे रस्सी से फंदे पर लटकता मिला।

मृतक के छोटे भाई रमेश उर्फ कल्लू ने बताया कि चुन्नू की पत्नी रुकमणी अपने दो पुत्रों और पुत्री के साथ अहमदाबाद में रहती है। जबकि चुन्नू दिल्ली में रहकर काम करता था। चार दिन पूर्व चुन्नू दिल्ली से गांव वापस आया था। बंटवारे की जमीन पर बड़े भाई ने चुन्नू की जमीन कब्जा कर लिया है। आरोप है कि चुन्नू की हत्या की गई है।

स्टेट बैंक में पीओ बने अभिषेक

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचारः देश के प्रतिष्ठित बैंक भारतीय स्टेट बैंक में पीओ बनकर शिक्षक पुत्र ने जिले का नाम रोशन किया है। उनके चयन से जहां परिजनों में खुशी की लहर है, वहीं उनके परिचितों और रिश्तेदारों ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शहर के इंदिरा नगर मोहल्ला निवासी शिक्षक सतीश शुक्ला और गृहणी वंदना शुक्ला के पुत्र अभिषेक शुक्ला ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पीओ के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया है। अभिषेक शुरू से पढ़ाई में तेज रहा है। शहर के गुरुरामराय स्कूल से हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद जेईई एडवांस की तैयारी करने के लिए

अभिषेक शुक्ला। अमृत विचार

कोटा राजस्थान चले गए। कोटा में इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने दिल्ली से कंप्यूटर साइंस विषय पर बीटेक की डिग्री हासिल की और कैंपस से ही टीसीएस कंपनी में चयनित हो गए। लेकिन उनका मन टीसीएस कंपनी में नहीं लगा और अपनी तैयारी जारी रखी।बता दें कि बीते एक वर्ष में अभिषेक पंजाब नेशनल बैंक में क्लर्क, एसएससी सीजीएल के जरिए पोस्टल असिस्टेंट के पद चयनित हो चुके हैं। अभिषेक ने मौजूदा समय में बांदा पोस्ट आफिस में पोस्टल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत रहते हुए यह उपलब्धि हासिल करके सबको चौंका दिया है। मेधावी अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने बाबा, दादी, माता-पिता और गुरुजनों के आशीर्वाद के साथ टाइम मैनेजमेंट के साथ की गई मेहनत को दिया।

उसके चयन पर चंद्रिका प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी, अनिल त्रिपाठी, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, जय दीक्षित, उदय त्रिपाठी, हेमंत शुक्ला, ज्ञानेंद्र शुक्ला, चंद्रशेखर सिंह आदि ने खुशी जताई है और अभिषेक को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

सार-संक्षेप

बकाएदार ने अमीन से अभद्रता कर फाड़ी नोटिस

नरैनी (बांदा) : विद्युत बकाये की वसूली करने गए संग्रह अमीन द्वारा दी गई आरसी नोटिस को बकाएदार ने फाड़ दिया। संग्रह अमीन का आरोप है कि बकाएदार ने न सिर्फ अभद्रता की बल्कि जान से मारने की धमकी दी। सरकारी दस्तावेज छीनने का प्रयास किया। पीड़ित ने आरोपी बकाएदार के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी है। घटना से तहसील के संग्रह अमीनों में रोष है। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत संतोष कुमार तहसील में संग्रह अमीन पद पर कार्यरत हैं। कोतवाली में दी तहरीर में बताया है कि बुधवार को तहसील में संग्रह कार्यालय में शासकीय धनराशि का दाखिला करने के बाद दाखिला की धनराशि बैंक में जमा करने के लिए स्टेट बैंक शाखा अतर्रा गया था। लौटते समय रास्ते में घर पर बकायेदार पप्पू तिवारी पुत्र कल्लू तिवारी बैठा था। उस पर विद्युत विभाग ने 1,70,71,000 रुपए की आरसी जारी की थी। उसके खिलाफ तहसील कार्यालय में आरसी प्रपत्र 36 जारी हुआ है। विद्युत बकाए की आरसी नोटिस देते ही बकाएदार उस पर भड़क उठा। बकाया जमा करने को कहा तो दबंग बकाएदार ने उसके साथ अभद्रता करते हुए आरसी फाड़ दी। दोबारा वसूली के लिए आने पर जान से मारने की धमकी दी। सरकारी दस्तावेज छीनने का प्रयास किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि संग्रह अमीन की तहरीर पर आरोपी पप्पू तिवारी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। फरार बकाएदार की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

अखंड रामायण का पाठ करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अंखड रामायण पाठ के साथ हुई विशेष पूजा-अर्चना

तिंदवारी : कस्बे स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों द्वारा संगीतमय अखंड रामचरित मानस रामायण पाठ के साथ भगवान श्रीगणेश, भोलेनाथ और हनुमान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई। श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव के साथ आयोजित रामायण पाठ में बढ़चढ़कर भागीदारी की। एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रस्तुत अखंड रामायण पाठ से नगर का वातावरण भक्तिमय रहा। जहां भक्तों द्वारा मधुर संगीत के साथ गायी गई रामायण आकर्षण का केन्द्र रही। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आनंद स्वरूप द्विवेदी ने बताया कि अखंड रामायण पाठ कराने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही भगवान राम और हनुमान जी सहित भगवान भेलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। रामचरित मानस सबसे पवित्र और पूजनीय हिंदू धर्मग्रंथों में से एक है। हिंदू परम्परा के अनुसार किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने या बाधाओं को दूर करने से पहले भगवान श्री गणेश को श्रद्धांजलि देना आवश्यक है। इसलिए भगवान गणेश की दिव्य उपस्थिति का आह्वान करके इस पवित्र पाठ की शुरूआत की जाती है। स्वयं श्री महादेव ने रामचरित मानस की चैपाइयों को मंत्र स्वरूप होने का आशीर्वाद दिया है। भगवान शिव के इस वरदान स्वरूप ही मानस की हर चैपाई अपने आप में एक सिद्ध मंत्र बन गई है। इस अवसर पर मुख्य यजमान सुशील गुप्ता, जितेश अग्निहोत्री, आशीष त्रिपाठी, कमलाकांत तिवारी, विकास द्विवेदी, धनंजय विश्वकर्मा, कृष्णा सोनी आदि उपस्थित रहे।

विश्व वानिकी दिवस | जिलाधिकारी ने किया पौधरोपण, वृक्षों को सुरक्षित व संरक्षित करने का आह्वान भी किया

ग्लोबल वार्मिंग से बचना है तो लगाने ही होंगे पौधे

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचारः विश्व वानिकी दिवस पर जिलाधिकारी ने हार्पर क्लब परिसर में पौधरोपण करते हुए जंगलों का महत्व बताते हुए पेड़-पौधे लगाने को जागरूक किया। कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से बचना है तो पेड़-पौधे लगाने होंगे। वरना गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने लोगों से वृक्षों को सुरक्षित और संरक्षित करने का आह्वान किया।

हार्पर क्लब परिसर में वन विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व वानिकी दिवस मनाया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने क्लब परिसर में पौधे लगाया। गोष्ठी में उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पौधों को लगाना और संरक्षित स्खना जरूरी है। वृक्ष आक्सीजन प्रदान करते हैं। पेड़ों को बचाने का अर्थ है कि अपने जीवन को सुरक्षित रखना। उन्होंने सभी लोगों को पौधे लगाने के साथ सुरक्षित व संरक्षित रखने का आह्वान किया। कहा कि पिछले कुछ दशकों में जिस तरह से लोगों ने अपनी लालच की पूर्ति के लिए जंगलों का वध करना शुरू किया है।

उससे जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, ग्लेशियर का पिघलना जैसी विकट समस्याएं शुरू हुई हैं। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को जंगलों का महत्व बताते हुए पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि वृक्षों से पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। वृक्ष जल संस्क्षण व मृदा संरक्षण में भी उपयोगी होते हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षों का रोपण करने के साथ ही अनावश्यक कटान पर भी नियंत्रण जरूरी है। प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार ने जंगलों और हरियाली का महत्व बताते हुए कहा की प्रदूषण आज की सबसे बड़ी समस्या बन गई है। प्रदूषित वातावरण के चलते अनेकों बीमारियां जन्म ले रहीं हैं। वातावरण को संतुलित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान सभी को ऑक्सीजन का वास्तविक महत्व पता चल गया है। वृक्ष मानव जीवन के साथ ही वन जीवों के लिए भी उपयोगी है। इस मौके पर पैलानी क्षेत्रीय वनाधिकारी संजय गुप्ता, रमेश कनौजिया सहित अमित श्रीवास्तव, रामेंद्र शर्मा, मनोज जैन आदि उपस्थित रहे।

पौधरोपण कर ग्लोबल वार्मिंग से बचने का संदेश देतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। अमृत विचार

यूपी कैटेट प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया शुरू

बांदाः उत्तर प्रदेश के सभी पांचों कृषि विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो गई। स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 11 जून व परास्नातक, पीचएडी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 12 जून को आयोजित होगी। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुलसचिव डा.एसके सिंह ने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा 11 शहरों अयोध्या, कानपुर, मेरठ, बांदा, वाराणसी, लखनऊ, आगरा, बरेली, झांसी, आजमगढ़ व गोरखपुर में आयोजित होगी। छात्र सात मई तक प्रवेश के लिए आवेदन कर प्रवेश पा सकते हैं। कुलसचिव ने बताया कि प्रवेश परीक्षा इस वर्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित होगी।

सुन्नी

इफ्तार (शुक्रवार)	सहरी (शनिवार)
06:29 बजे	04:45 बजे

नोट : रोजेदारों की सुविधा के लिए सहरी का समय एक दिन आगे का दिया जा रहा है।

एक नजर

लोकसभा चुनाव को लेकर बनाया गया कंट्रोल रूम

महोबा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई चुनाव घोषणा के बाद संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में 20 मई को चुनाव संपन्न कराया जाएगा, जिसके तहत विधानसभा महोबा और विधानसभा चरखारी के मतदाता जिले में मतदान केंद्रों में मतदान करेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन कंट्रोल रूम की स्थापना कोषागार कार्यालय में कर दी गई है। कंट्रोल रूम 20 मार्च से चुनाव समाप्ति की अवधि तक रहेगा, जिसका दूरभाष नम्बर 05281298666 है, जहां पर निर्वाचन संबन्धी जानकारी समय समय पर मिलती रहेगी।

बिना अनुमति नहीं छाप सकेंगे प्रचार सामग्री

महोबा। लोकसभा चुनाव से जुड़ी प्रचार सामग्री की छपाई करने से पहले प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। प्रत्येक पोस्टर बैनर और होर्डिंग पर क्रमांक भी लिखना होगा। साथ ही छपाई कराने वाले का नाम भी।

अराजकता: जिला अस्पताल में मरीज को डॉक्टर ने पीटा

डीएम ने मामले की जांच सीएमओ को सौंपी, मरीज को घसीटने का वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिला अस्पताल में उपचार कराने के लिए पहुंचे मरीज को ऊंची आवाज में बोलने पर डॉक्टर ने जमकर पीटा। जब मरीज गिर गया तो डॉक्टर ने उसे घसीटा भी। इस दौरान वहां मौजूद लोग उन्हें शांत कराने की कोशिश करते रहे पर बात नहीं बनी। डाक्टर मरीज को घसीटते हुए ओपीडी से बाहर तक ले आए। इस घटना से ओपीडी में अफरा-तफरी मच गई। किसी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। मामले को डीएम ने संज्ञान में लिया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। उधर सोशल मीडिया में डाक्टर द्वारा लात जूतों से की जा रही पिटाई का वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

शहर के गांधीनगर निवासी निक्की पुत्र जगदम्बा ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह ओपीडी में डा. आरपी सिंह के केबिन में दिखाने के लिए गया था। जहां पर डाक्टर ने निजी अस्पताल में आ जाने की बात कहकर देखने से मना कर दिया, इसका विरोध करने पर डॉक्टर ने कुर्सी से उठकर मारपीट शुरू कर दी और जमीन पर गिराकर लात, जूतों से पीटा और इसके बाद घसीटकर ओपीडी से बाहर ले आए। पीड़ित ने सरेआम की गई पिटाई की जांच कराए जाने की मांग की है। उधर सरेआम एक डाक्टर द्वारा ओपीडी से मरीज को घसीट कर बाहर तक ले जाता देखकर अस्पताल में हड़कंप मच गया। डाक्टर द्वारा मरीज को काफी दूर तक घसीटा देखकर अस्पताल में मौजूद लोग डाक्टर की इस अभद्रता से खासा नाराज हैं और डाक्टर की किरकिरी हो रही है।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने डाक्टर द्वारा इस तरह की हरकत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को जांच सौंप दी है। सीएमओ ने डीएम के आदेश पर जांच शुरू कर दी है, मरीज के बयान दर्ज किए गए। सीएमओ का कहना है कि डाक्टर ने इस तरह का व्यवहार क्यों किया, इस पर डाक्टर से बात कर उनका बयान भी दर्ज किया जाएगा। यदि जांच में घटना सत्य पाई जाती है तो अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। उधर जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डा. आरपी सिंह का कहना है कि निक्की नाम का युवक महिला मरीजों से अभद्रता करता है मेरे कक्ष में आकर पैसों की मांग कर रहा था, मेने उसे बाहर भगा दिया।

मरीज को घसीट कर पिटाई करता डॉक्टर। वीडियो ग्रैब

विवादों में बने रहते हैं डॉक्टर आरपी सिंह

जिला अस्पताल में तैनात डॉक्टर आरपी सिंह अक्सर विवादों में बने रहते हैं। बुधवार को शहर की रहने वाली एक आमना खातून नाम की मरीज डाक्टर के चेंबर में पर्चा लेकर उपचार करने के लिए पहुंची। डाक्टर ने बाहर की करीब 1800 रुपये की दवाएं लिख दी। महिला मरीज ने गरीबी का हवाला देते हुए बताया कि वह इतनी महंगी दवाएं नहीं खरीद सकती है। डाक्टर इससे भी नाराज हो गए और दूसरी जगह इलाज कराने की बात कहकर मरीज को भगा दिया। महिला ने इसकी शिकायत सीएमओ आशाराम से कर जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम मृदुल चौधरी। अमृत विचार

मतदान केंद्रों में हों सारी व्यवस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- चुनाव की तैयारियों को लेकर डीएम ने की बैठक

अमृत विचार। सामान्य लोकसभा चुनाव के मद्देनजर में गुरुवार को नोडल, प्रभारी व सहायक अधिकारियों की बैठक नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान सभी अधिकारियों के साथ निर्वाचन तैयारी के संबंध में समीक्षा की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने डीआईओएस को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने कहा कि सभी नोडल, प्रभारी अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, निर्वाचन कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने समस्त नगर पालिक, नगर पंचायतों के सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी बूथों में पानी, साफ- सफाई की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बीएसए को निर्देशित किया कि मतदाता जागरुकता रैली स्वीप के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जाये, जिससे जिले का मतदान प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि जिन रोडो की मरम्मत का कार्य होना है, तत्काल मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया जाए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि सभी कोटेदारों, पेट्रोल पंपों, गैस एजेंसिओं में बैनर, पंपलेट के माध्यम से मतदाता जागरूकता का प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान करने के लिए जागरूक हो सके।

निर्वाचन अधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि छोटे, बड़े वाहन अथवा भारी वाहनों की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मतदान कर्मियों का नाम मतदान होने से पहले काट दिया जाता है, उन कर्मियों का पारिश्रमिक भुगतान नहीं किया जाएगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी चित्रसेन सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिशिर कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे, डिप्टी कलेक्टर मृत्युंजय मिश्रा सहित सभी नोडल, प्रभारी, सहायक अधिकारी उपस्थित रहे।

पड़ोसी राज्यों की सीमा पर भी बैरियर लगाकर करें चेकिंग

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। प्रयागराज जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर की अध्यक्षता में पुलिस लाइन सभागार में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में चुनाव तैयारियों का जायजा लिया गया। एडीजी ने कहा कि अंतर प्रंतीय सीमाओं पर बैरियर लगाकर चेकिंग की जाए, जिससे एक दूसरे प्रांत के अराजकतत्व चुनाव दौरान प्रवेश न कर सकें और चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके। उन्होंने पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर पीएसी, पुलिस बल और होमगार्ड को चुनाव में ठहरने वाले स्थानों का भी निरीक्षण किया।

अपर पुलिस महानिदेशक ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को चुनाव के संबंध में सभी तैयारियों को समय से पूरा कर लिए जाने के निर्देश दिए। समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि सीआरपीएफ, पुलिस, पीएसी व होमगार्ड, पीआरडी जवानों के रुकने की व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया जाये। रुकने वाले स्थान पर साफ-सफाई, शौचालय,स्नानागार तथा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता मानक के अनुरूप कराई जाए, यदि कहीं इसकी व्यवस्था नहीं है तो इसे तत्काल पूरा कर लें। पोलिंग बूथों का राजपत्रित अधिकारी प्रभावी रुप से भौतिक सत्यापन करें तथा आने वाली कमियों को तत्काल दूर कर लिया जाये साथ ही प्रत्येक पोलिंग बूथ पर शौचायलय और मतदान के दिन शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाये। मतदान को प्रभावित करने वाले अराजकतत्वों की पहचान कर उन्हे पाबंद किया जाये, साथ ही हिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों का सत्यापन किया जाए। शस्त्र धारकों से जल्द से जल्द शस्त्र जमा करा लिए जाएं। उन्होने निर्देशित किया कि अवैध शराब का निष्कर्षण व बिक्री करने वालों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए ताकि चुनाव के दौरान इसके प्रभाव को रोका जा सके। उन्होंने अवैध शस्त्र बनने वाली अवैध असलहा फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किए जाने और अवैध शस्त्र की बिक्री करने वाले अभियुक्तों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। चुनाव में मानक के अनुरूप तैनात होने वाले फोर्स के व्यवस्थापन को देख लिया जाए यदि अतिरिक्त फोर्स की आवश्यक हो तो संबंधित से पत्राचार कर अतिरिक्त फोर्स की मांग कर ली जाए।

- अपर पुलिस महानिदेशक ने चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की

एडीजी ने अराजकतत्वों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा लोगों को लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़ कर शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए व्यापक मतदान जागरुकता अभियान चलाया जाए। उन्होने रमजान व होली के त्यौहार के दृष्टिगत मस्जिदों एवं मन्दिरों के पास आवश्यक पुलिस बल तैनात किये जाने के निर्देश दिये साथ ही सूचना तंत्र को विकसित करने व पुराने विवादों यथा- शरीर, जमीन, जातीय विवादों इत्यादि का चिन्हाकन कर क्षेत्र में बहुत ही सतर्कता के साथ ड्यूटी किये जाने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में बांदा परिक्षेत्र के डीआईजी अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, सीडीओ चित्रसेन सिंह, एसपी अपर्णा गुप्ता, रामप्रकाश, सत्यम आदि उपस्थित रहे।

एडीजी का स्वागत करतीं एसपी अपर्णा गुप्ता।

बैठक करते एडीजी भानु भास्कर। अमृत विचार

ग्रामीणों ने की पुल बनाए जाने की मांग

महोबा। तहसील कुलपहाड़ क्षेत्र के ग्राम रजपुरा के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दीपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गांव के एक बड़े नाले पर पुल बनाए जाने की मांग बुलंद करते हुए खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि पिछले 30 सालों से पुल निर्माण का आवाज उठाई जा रही है और जनप्रतिनियों से लेकर उच्चाधिकारियों को इस बावत अवगत कराते हुए ज्ञापन भी सौंपे गए हैं, लेकिन आज तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। बताया कि पुल निर्माण होने से लोगों को लंबी दूरी तय नहीं करना पड़ेगी साथ ही पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश भी कम समय में पहुंच सकेंगे।

बताया कि चुनाव के समय राजनेताओं द्वारा गांव का भ्रमण किया जाता है और पुल बनाए जाने की मांग पूरी करने की बात कही जाती है, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद उक्त मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

बैंक का ओटीपी, पासवर्ड किसी से भी साझा न करें

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,एफसी महोबा

- एनएसएस के बौद्धिक सत्र में यातायात नियमों की दी गईं जानकारी

अमृत विचार। वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को बौद्धिक सत्र के छठवें दिन मुख्य अतिथि सीओ सदर दीपक दुबे ने कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने साइबर क्राइम पर प्रकाश डाला । इस मौके पर यातायात प्रभारी द्वारा छात्र छात्राओं को यातायात नियमों से संबन्धित जानकारी भी दी।

महाविद्यालय के एनएसएस के बौद्धिक सत्र में सीओ ने कहा कि साइबर अपराध कोई भी आपराधिक गतिविधि है जिसमें कंप्यूटर, नेटवर्क या नेटवर्क डिवाइस शामिल होता है। जबकि अधिकांश साइबर अपराधी साइबर अपराधों का उपयोग लाभ कमाने के लिए करते हैं, कुछ साइबर अपराध कंप्यूटर या उपकरणों के विरुद्ध उन्हें सीधे नुकसान पहुंचाने या अक्षम करने के लिए किए जाते हैं। साइबर एक्सपर्ट फहीम अख्तर ने साइबर अपराध से बचने के छात्र-छात्राओं को टिप्स दिए। कहा कि जितना अधिक कोई आपके बारे में जानता है, उनके लिए आपके खातों तक पहुंच प्राप्त करना उतना ही आसान होता है। आप यह सुनिश्चित करके अपनी व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा कर सकते हैं कि आपकी सोशल मीडिया सेटिंग्स निजी हैं। किसी भी लिंक या मैजेस पर बिना देखे क्लिक न करें साथ ही अपने इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड का पासवर्ड किसी से साझा न करें।

यातायात प्रभारी सुनील कुमार ने कहा कि सड़क पर चलने वाले वाहन, पैदल यात्री अन्य सभी सड़क यातायात में सम्मिलित होते हैं। सड़क पर चलने वाले सभी पैदल यात्रियों, वाहन में सवार यात्रियों तथा वाहनों के लिये नियम बने हुए हैं, जिन्हें हम सकबो पालन करना चाहिए। युवाओं को दो पहिया वाहन चलाने में हेलमेट एवं चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। कहा कि यातायात नियम सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं और हादसों को कम करते हैं। नियमों का पालन करने से वाहन में बैठे यात्री सुरक्षित रहते हैं और नुकसान से बचाव होता है। इस अवसर पर जिला लेखा परीक्षा अधिकारी अशर्फी खान ने कहा कि लोकतंत्र की सुचिता एवं पवित्रता के लिए जन सामान्य का शिक्षित एवं जागरूक होना जरूरी है हमें मतदान में बढ़चढ करके हिस्सा लेना चाहिए। बौद्धिक सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. संतोष कुमार पांडे, डॉ. मधुबाला सरोजिनी, डा0 सोवित कुमार गुप्ता सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस ने गिरफ्तार किये चार वांछित अभियुक्त

महोबा। थाना कबरई, महोबकंठ और चरखारी पुलिस ने अपने चार वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

कबरई थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा उपनिरीक्षक रामकिशन यादव के नेतृत्व में गठित की गई पुलिस टीम ने वारंटी अरविंद (35) को मोहल्ला शास्त्रीय नगर कबरई से पकड़ा है। महोबकंठ थाना पुलिस ने उपनिरीक्षक महेंद्र वर्मा, कांस्टेबिल फूल सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मियों की टीम गठित की थी। टीम ने दुष्कर्म के अभियुक्त अकाश अहिरवार (19) को ग्राम घुटई तिराहे के पास से पकड़ा है। उधर चरखारी थानाध्यक्ष गणेश कुमार ने बताया कि उपनिरीक्षक राजेश कुमार वर्मा व अन्य सहयोगी पुलिस कर्मियों द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त पूरन सिंह (36) पुत्र कल्लू सिंह व संजय यादव (22) पुत्र हरदयाल यादव निवासीगण ग्राम टोला सोयम चरखारी को ग्राम सूपा तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया है।

सभी अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेशी के लिए भेजा गया है।

18 साल बाद मिला सेनानी का दर्जा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। आपतकाल के समय सरकार के गलत कार्यों का विरोध करने पर मीसा के तहत जेल जाने के बाद लोकतंत्र सेनानी का दर्जा न मिलने से आहत वृद्ध को वर्षों तक लगातार संघर्ष करने और कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद न्यायालय ने लोकतंत्र सेनानी मान लिया।

1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में इमरजेंसी लगा दी गई थी। उस समय सरकार का विरोध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल में डाल दिया जाता था। भटीपुरा निवासी रसीद मौलाना ने आपातकाल के समय भागवत गुप्ता, श्याम वाजपेई, हीरालाल साहू के साथ जेल गए थे। मुख्यमंत्री रहते मुलायम सिंह यादव ने 2006 में सपा सरकार में आपातकाल में जेल भेजे गए लोगों को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा दिया था। उन्हें मासिक पेंशन का भी प्रावधान किया था, लेकिन आपातकाल में जेल जाने के बाद भी रसीद मौलाना को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा न मिलने पर उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। 18 साल तक कड़े संघर्ष और कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद अब उन्हें 90 साल की उम्र में लोकतंत्र सेनानी का दर्जा दिए जाने के न्यायालय ने आदेश दिए हैं। अब अदालत ने जिला मजिस्ट्रेट महोबा को उचित प्रमात्र जारी करने और अधिनियम के तहत लोकतंत्र सेनानी मानते हुए तीन माह के अंदर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

घर पर अदालत का आदेश पढ़ते मौलाना।

- आपातकाल में जेल जाने वालों को कहते हैं लोकतंत्र सेनानी

सज गईं गन्ने के जूस की दुकानें

महोबा। गर्मी शुरू होते ही गन्ने का जूस लोगों के पसंदीदा पेय पदार्थ बन जाता है। गर्मी की दस्तक के साथ चौराहों पर ठेलियों और सड़क किनारे बनी दुकानों पर गन्ने की मशीन लगाकर लोग गन्ने का जूस बेचते हैं, जिससे गन्ने का जूस बेचने वाले इस कारोबार से अच्छा खासा मुनाफा कमा लेते है। वहीं कुछ किसान भी खेतों में गन्ने की खेती करने के बाद परिवार सहित आसपास के शहर और कस्बों में गन्ना मशीन लगाकर जूस निकालकर ज्यादा पैसा कमा लेते हैं, जिससे यह व्यापार गन्ना किसानों के लिए भी लाभदायक साबित हो रहा है।

अभियान | वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान की बैठक में लिया गया निर्णय

पेंशनर्स 12 अप्रैल को निकालेंगे रैली

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान की बैठक गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पेंशनर भवन में हुई, इसमें मतदाता जागरुकता संपर्क समाधान अभियान का शुभारंभ 12 अप्रैल को रैली निकाल कर किए का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिभूति दावों का समय पर निस्तारण न होने पर चिंता व्यक्त करते हुए अन्य समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान महोबा के महामंत्री बीके तिवारी ने बताया कि पूरे प्रदेश में पेंशनर संगठन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों,पेंशनरों को मताधिकार के प्रति जागरूक किया जाने के लिए पेंशनर मतदाता जागरुकता संपर्क समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। इसमें बीएलओ के माध्यम से 12डी फॉर्म भरवा कर निर्वाचन कार्यालय में जमा कराने का कार्य पूर्ण कराया जाएगा। बताया कि 12 अप्रैल से सैकड़ों की संख्या में पेंशनर शहर में रैली निकालकर कर लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने पेंशनरों को उनके मत का महत्व समझाते हुए मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

बैठक में राजस्व विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिकों के चिकित्सा प्रतिभूति के दावों का समय पर निस्तारण न होने पर चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी के संज्ञान में लाने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय पेंशनर भवन में रंग पंचमी पर होली मिलन का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में राम सजीवन गुप्ता, ओपी सिंह, लघु चंद नारायण अरजरिया, जगदीश कुमार, लक्ष्मी प्रसाद त्रिपाठी, अरुण खरे, रफीक मोहम्मद, नंदराम यादव, बसंत लाल गुप्ता, दलपत, राम गोपाल शर्मा, जय नारायण ने अपने विचार किया। अध्यक्षता संस्थान के सुनील शर्मा ने की।

बैठक में शामिल पेंशनर्स संस्थान के पदाधिकारी। अमृत विचार

पहलः लोकतंत्र में मतदान का महत्व कार्यक्रम कल

महोबा। लोकसभा चुनाव के लिए जहां एनएएस छात्र- छात्राओं द्वारा मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है, वहीं 23 मार्च को वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा. एलसी अनुरागी द्वारा आकाशवाणी छतरपुर से प्रातः 7:20 से लोकतंत्र में मतदान का महत्व कार्यक्रम का प्रसारण बुंदेली भाषा में किया जाएगा। डा. अनुरागी ने बताया कि बुंदेली भाषा में साहित्य सृजन से एक दिन बुंदेली भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित हो सकती है, इसलिए प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के जरिए लोकतंत्र मजबूत बनाने के लिए शत प्रतिशत मतदान करने की प्रेरणा मतदाताओं को दी जाएगी।

धड़ल्ले से हो रहा मौरंग का अवैध खनन

संवाददाता, जैतपुर महोबा

अमृत विचार। पनवाड़ी और जैतपुर ब्लाक क्षेत्र में धड़ल्ले से लाल मौरंग का अवैध खनन किया जा रहा है। बावजूद इसके अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। बालू के कारोबार से जुड़े कुछ लोगों के सत्ता पक्ष से जुड़े होने के कारण अधिकारी भी उनके खिलाफ कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं, जिसके चलते दिन दहाड़े जेसीबी से लाल मौरंग की खुदाई कर अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की है।

शिकायती पत्र में बताया कि विकासखंड जैतपुर के ग्राम बरखेड़ा, खीरी माता सलैया, ग्राम पंचायत मगरिया सहित कई स्थानों पर दिन रात खनन माफिया जेसीबी चलाकर प्रतिदिन लाखो रुपये की बालू बेच रहे हैं। इससे नदियों का सीना छलनी होता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बालू माफिया मालामाल होते जा रहे हैं। पंचायतों में कच्चे कार्य रोककर निर्माण में लोकल की बालू लगाई जा रही है। मिट्टीयुक्त बालू की पहले धुलाई करके इस साफ सुथरा किया जाता है ।

ग्राम मगरिया निवासी मलखान राजपूत, अनोज राजपूत ने दो माह पहले संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर कुलपहाड़ में शिकायती पत्र डीएम को सौंपा था। शिकायती पत्र में अवैध रुप से चल रहे खनन पर रोक लगाए जाने की मांग की थी, लेकिन सत्ता हनक के चलते शिकायतकर्ताओं की एक नहीं सुनी गई, जिससे धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहे हैं और अधिकारी देखते हुए भी खामोशी अख्तियार किए हैं।

अवैध रूप से ट्राली में भरा जा रहा मौरंग। अमृत विचार

- ग्रामीणों ने अधिकारियों से की अवैध खनन रुकवाने की मांग

फाग गीतों की परंपरा पर फिल्मी गीत भारी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- पहले ढोल, मंजीरा, झाल करताल पर होते थे गीत
- अब फाग गीतों के नाम पर फूहड़ गीतों का चलन बढ़ा

अमृत विचार। एक दौर था जब फगुआ गीत के आनंद में लोग वैमनस्यता और समस्याओं को भूल जाते थे। तब लोगों में आपसी प्रेम और लगाव काफी गहरा रहता था। कहीं किसी के मन में कोई मनमुटाव रहता भी था तो फाग उसे समाप्त कर देते थे।

सभी लोग एक दूसरे को गले लगाते थे। ढोल, मंजीरा, झाल, करताल की धुनों पर दुश्मन भी मित्र व बूढ़े जवां हो जाते थे। गांवों में ढोलक की थाप पर जोगीरा शा की आवाज सुनने को मिलती थी। आधुनिकता की दौड़ में शामिल होली के गीत अब गायब हो गए हैं। डीजे पर फूहड़ गीतों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। होलिका दहन के एक सप्ताह पहले व होलाष्टक शुरू हो जाता था। जो इस में वर्ष 17 मार्च रविवार से शुरू हो गया है। होली होलाष्टक से शुरू हो जाती है रंगभरी एकादशी तक तो माहौल बदल जाता था। हर तरफ फाग सुनाई देने लगता था। पौथिया निवासी राम लखन ने बताया कि इस बार दलहनी फसलें कई बार बारिश के पानी से सराबोर हुई हैं। ओलावृष्टि ने किसानों को तबाह कर दिया है। इसको लेकर जो भी फसलें बचीं हैं किसान दिन रात खेतों में थ्रेसरिंग में जुटा है। टोला खंगारन गांव के पवन सिंह परिहार ने बताया कि अब तो डीजे पर कानफोड़ू अश्लील गीतों के बढ़ते चलन के चलते अब के गीतों को सुनने का मन नहीं करता है। डिग्गी के रामनारायण ने बताया कि अब होली का रस बदला है। लोग भांग की जगह शराब पीकर हुड़दंग करते हैं। आपसी सौहार्द की जगह झगड़े बढ़ जाते हैं।

होलिका दहन का मुहूर्त सवा घंटे

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। होलिका दहन लिए रात को 1:14 घंटे का शुभ मुहूर्त बन रहा है। फाल्गुन पूर्णिमा को 24 मार्च रात 11:13 बजे से होलिका दहन किया जा सकेगा।

इस बार होलिका दहन पर सर्वार्थ सिद्ध और रवि योग बन रहा है। रंगों का पर्व होली 25 मार्च को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य दिनेश दुबे ने बताया कि पूर्णिमा 24 मार्च को सुबह 9:54 बजे से शुरू होगी, जो 25 मार्च दोपहर 12:29 बजे तक रहेगी। भद्रा का योग रात 10 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। पूर्णिमा में ही होलिका में अग्नि दी जाती है। इसलिए 24 मार्च की रात्रि में 11:13 बजे से 12:27 बजे तक के अंतराल में होलिका दहन करना फलदायी होगा। बताया कि होलिका दहन में किसी वृक्ष की शाखा को जमीन में रोपकर उसे चारों तरफ से लकड़ी व उपले से घेर कर निश्चित मुहूर्त में ही जलाना चाहिए।

रमेड़ी गौशाला स्थित होलिका दहन में एकत्र लकड़ियां। अमृत विचार

- 24 मार्च को रात्रि 11:13 से 12:27 बजे तक होलिका दहन

भारतीय नव संवत्सर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की पहली तिथि को शुरू होता है। इसके आगमन के पूर्व पुराने संवत्सर को विदाई देने और इसकी नकारात्मकता को समाप्त करने के लिए होलिका दहन किया जाता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए काले तिल के दाने, बीमारी से मुक्ति के लिए हरी इलायची व कपूर, धन लाभ के लिए चंदन की लकड़ी, रोजगार के लिए न पीली सरसों, वैवाहिक समस्याओं के समाधान व नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति के लिए काला सरसों व हवन सामग्री होलिका में डालना शुभ व फलदायी होता है।

सीएचसी गोहांड में भारी अव्यवस्था

राठ (हमीरपुर)। गोहांड कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति बहुत ही खराब है। अस्पताल का आलम यह है कि अधिकांश समय अस्पताल का स्टाफ नदारत रहता है। बताया जाता है कि अस्पताल के अधीक्षक समय से सीएचसी नहीं पहुंचते हैं। जिसके चलते मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अधीक्षक के सीएचसी में न रहने के चलते अस्पताल का स्टाफ भी गायब रहता है। स्टाफ के सीएचसी में न रहने या बंद होने की स्थिति में मरीज यहां - वहां इलाज के लिए भटकते हैं। गुरुवार को एक वायरल वीडियो पर गौर करें तो अस्पताल में न तो चिकित्सक रहते हैं और न ही स्टाफ। अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीज सारा दिन चिकित्सकों के इंतजार में बैठे रहते हैं। कुछ मरीजों ने बताया कि अस्पताल का स्टाफ अधिकांश गायब रहता है। अधीक्षक के कक्ष सारा दिन बंद रहता है। जब कोई अधिकारी जांच के लिए आता है तो सभी मौजूद मिलते हैं। जब सीएचसी के अधीक्षक अंजुल निरंजन से मिलने का प्रयास किया गया तो उनसे मुलाकात नहीं हो सकी।

सार-संक्षेप

डिवाइन वर्कशॉप में मौजूद छात्र- छात्राएं। अमृत विचार

भाईचारे के साथ मनाएं होली

हमीरपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित डिवाइन वर्कशॉप हरिओम शिक्षा निकेतन रमेड़ी में संपन्न हुआ। जिसमें युवा प्रकोष्ठ के जिला युवा संयोजक गौरीश राज द्वारा बाल संस्कार शाला तीसरी कक्षा में होली पर्व को सौहार्द पूर्वक मनाने एवं बुराइयों को त्याग कर अच्छाइयों को ग्रहण करने का संदेश दिया। बताया कि नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह बाल संस्कारशाला और युवा मंडल का संचालन किया जाएगा। जहां बच्चों और युवा भाई बहनों को योग, ध्यान सहित स्वाध्याय आदि विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियां कराई जाएगी। युवा सृजन सैनिक गोपाल एवं गौरिश पाल ने होली पर गीत के माध्यम से अपनी बात सभी बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुंचाई। विद्यालय की प्रिंसिपल एवं विद्यालय के अध्यापक छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी की। डिवाइन वर्कशॉप के माध्यम से बच्चों, युवाओं में संस्कार विकसित करना, लगातार गायत्री परिवार के तत्वावधान में संपन्न रहा है। इस अवसर पर गायत्री परिवार एवं विद्यालय परिवार का अमूल्य योगदान रहा।

सहुरापुर मार्ग पर पलटा मौरंग लदा ट्रक। अमृत विचार

मौरंग भरा ट्रक पलटा, फसल बर्बाद

पौथिया (हमीरपुर)। सहुरापुर गांव को जाने वाली सड़क पर आए दिन जाम लगने से स्कूली बच्चे हलाकान हो रहे हैं। राठ- हमीरपुर मार्ग सिकरी श्रमदान चौराहे से सहुरापुर गांव को जाने वाली करीब तीन किलोमीटर सड़क जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील है। बेतवा नदी से मौरंग खदान संचालित हैं। जहां सैकड़ों ट्रकों का आवागमन रहता है। ट्रक चालक ट्रकों में बाड़ी के ऊपर तक मौरंग लोड कर निकलते हैं। अगर चालकों को लोकेशन सही नहीं मिलता तो ट्रक चालक अपने ट्रक बैक कर वापस खदान ले जाते हैं। सड़क संकरी होने व जल्दबाजी के कारण मौरंग से लोड ट्रक पलट कर बोई हुई फसलों में पलट जाते हैं। इससे किसानों की फसल नष्ट हो जाती है। सड़क जाम होने पर साइकिल व पैदल जाने वाले स्कूली बच्चे घंटों जाम में फंसे रहते हैं। पौथिया गांव के किसान जगदीश सचान ने बताया कि उनके गेहूं के खेत में यह दूसरी बार ओवरलोड मौरंग लदा ट्रक पलटा है। इससे एक बिस्वा गेहूं की फसल नष्ट हो चुकी है। जिसका ट्रक वाले नुकसान भी नहीं देते हैं। रातों रात ट्रक लेकर रफूचक्कर हो जाते हैं। बताया कि जैसे ही लोकेशन बाज ट्रक चालकों को अधिकारियों के आने की जानकारी देते हैं। वैसे ही ओवरलोड ट्रक के चालक बैक गियर लगा लेते हैं और एक हाथ में फोन दूसरे हाथ में स्टेरिंग जल्दी जल्दी लिंक रोड जैसे सिकरी, कुंडौरा, कीरतपुर, सहजना मार्गों या फिर वापसी सहुरापुर खदान की ओर भागते हैं तभी जल्दबाजी में आए दिन ट्रक पलट रहे हैं और चालक घायल होते हैं। अगर कोई मीडिया कर्मी ट्रक चालकों से नाम पता पूछते हैं तो बताने में कतराते हैं। ग्रामीणों ने चल रहे ओवरलोड ट्रकों पर अंकुश लगाने की मांग जिलाधिकारी से की है।

आईपीएल के पहले ही सज गया सट्टा बाजार

सुमेरपुर (हमीरपुर)। आईपीएल की आहट होते ही ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले सक्रिय हो गए। सट्टा के शौकीनों से संपर्क करके अपनी योजनाओं से रूबरू कराकर अपने-अपने सेंटरों में आकर्षित करने की पुरजोर कोशिश करने लगे हैं। आईपीएल क्रिकेट का सीजन शुरू होते ही कस्बे में आधा दर्जन से ज्यादा सट्टा धारक सक्रिय हो गए हैं। फैक्ट्री एरिया से लेकर गल्ला मंडी तक इनकी दुकानें सज गई हैं जैसे ही 22 मार्च को आईपीएल आगाज होगा इनकी दुकानें गुलजार हो उठेंगी। सट्टा में रुचि रखने वाले कस्बे के कुछ युवाओं ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि कस्बे में आधा दर्जन से ज्यादा स्थानों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने की तैयारी की गई है।

कब्रिस्तान की अरबों रुपये कीमत की जमीन पर भूमाफिया की नजर

नगर पालिका के अफसर मामला अधिकार क्षेत्र से बाहर बताकर झाड़ रहे हैं पल्ला

संवाददाता मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे में सरकार द्वारा कब्रिस्तान के लिए सुरक्षित की गई अरबों रुपये की जमीन पर भूमाफिया नजरें गड़ाए बैठे हुए हैं और यह मौका पाकर अवैध तरीके से पक्का निर्माण करने से नहीं चूकते। जिसके चलते आए दिन विवाद की स्थिति बनी रहती है और कस्बे की शांति भंग होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि नगर पालिका इस मामले को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर का बता कर पल्ला झाड़ रही है।

कस्बे के हुसैनिया, हैदरिया, पूर्वी तरौस, उपरौस, रागौल, फत्तेपुर सहित अन्य नयी बसी बस्तियों में सरकार द्वारा कब्रिस्तान के सुरक्षित भूमि की गई है। जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों का शव दफनाया जाता है। लेकिन इन विभिन्न मोहल्लों में कब्रिस्तान के नाम पर सुरक्षित अरबों रुपये की जमीन अब भूमाफिया की नजरों में चढ़ गई है। जिस पर मौका मिलते ही भूमाफिया अवैध अतिक्रमण कर पक्का मकान बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसी कमोबेश स्थिति वक्फबोर्ड की जमीनों की भी बनी हुई है। जिसके चलते कस्बे में आए दिन विवाद होते रहते हैं और कभी- कभी विवाद इतना बढ़ जाता है कि मारपीट भी हो जाती है।

कब्रिस्तान में हुआ निर्माण और कूड़े का ढेर। अमृत विचार

कस्बे के फत्तू बाबा स्थित कब्रिस्तान की जमीन पर नाले की ओर कुछ लोगों द्वारा निकास कर लेने और गंदगी करने के मामले को लेकर आए दिन ज्ञापन दिया जाता है। जबकि हैदरिया स्थित पठान बाबा के निकट स्थित कब्रिस्तान के चक में भी जमीनी विवाद कम नहीं है। जबकि तकिया मोहल्ले की कब्रिस्तान की जमीन में भी अवैध निर्माण को लेकर आए दिन मामले सामने आते रहते हैं। इतना ही उपरौस इमाम चौक की वक्फबोर्ड की जमीन का विवाद जगजाहिर है। जबकि बीते कुछ समय से चौधराना मस्जिद में लगी वक्फबोर्ड की करोड़ों रुपये की जमीन भी सुर्खियां बटोर रही है। इतना ही नहीं इसके अलावा कस्बे की लगभग सभी कब्रिस्तानों की जमीन पर अवैध निर्माण हो रहे हैं। बीते बुधवार को हुसैनिया मोहल्ले की कब्रिस्तान में बन रहे पक्के मकान का विरोध करने के बाद भी दो पक्षों में विवाद खड़ा हो गया था।

इस संबंध में अधिशासी अधिकारी सुशील कुमार दोहरे ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह वक्फबोर्ड की जमीन है जो नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर है इसलिए नगर पालिका इसमें कुछ नहीं कर सकती है।

खेल- खेल में बच्चे ने लगाई फांसी, गई जान

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- माता- पिता व परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल

अमृत विचार। कस्बे के चैपरा रोड़ मुगलपुरा मोहल्ले में खेल- खेल में कक्षा 7वीं में पढ़ने वाले बच्चे ने फांसी लगा ली। परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मासूम बच्चे की मौत पर परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने शव का बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया।

जानकारी के अनुसार कस्बे के मुगलपुरा मोहल्ला निवासी धर्म सिंह यादव का 12 वर्षीय पुत्र तनुज कस्बे के औड़ेरा रोड़ स्थित एक स्कूल में कक्षा 7वीं कक्षा का छात्र था। अभी तीन दिन पहले ही स्कूल की परीक्षाएं समाप्त हुईं थी। बताया जाता है कि शाम करीब 7 बजे तनुज अपने घर के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान खेल- खेल में वहां लटक रही रस्सी का फंदा बनाकर गले में डाल लिया। सीढ़ियों के पास अचानक उसका पैर फिसल गया जिससे रस्सी गले में फंस गई। परिजनों ने जब तनुज को लटका देखा तो आनन- फानन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत पर मां और पिता समेत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

युवक ने खाया सल्फास, हालत बिगड़ी

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थाने के टोला रावत गांव में पारिवारिक कलह के चलते एक युवक ने सल्फास खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार टोला रावत गांव निवासी ओमप्रकाश (30) पुत्र बाबूराम ने गुरुवार की दोपहर करीब एक बजे पारिवारिक कलह के चलते सल्फास खा लिया।

हादसे में युवक की मौत, पत्नी घायल

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- राठ -उरई मार्ग पर गुरुजी नगर के पास की घटना

अमृत विचार। चिकासी थाने के पास एक तेज रफ्तार आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई। जबकि बाइक के पीछे बैठी उसकी पत्नी घायल हो गई।

जालौन जिले के डकोर थाना क्षेत्र के जैसारी कला गांव निवासी जीतेंद्र कुमार पुत्र श्यामलाल अपने गांव के हरीराम पुत्र मोहन लाल व प्रेमवती पत्नी हरिराम के साथ बाइक से राठ कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव गया था। बुधवार की शाम करीब 6 बजे वापस लौटते समय राठ- उरई मार्ग पर चिकासी के पास गुरुजी नगर के नजदीक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार हरिराम की मौके पर ही मौत हो गई तथा उसके साथ उसकी पत्नी प्रेमवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

सीएचसी में खड़े मृतक के परिजन।

जिसे इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि हरीराम के पास लगभग 12 बीघा जमीन थी। जिस पर खेती किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी प्रेमवती के अलावा दो पुत्र रविंद्र और प्रवेंद्र के अलावा पुत्री अंकिता को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। चिकासी थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा कार्रवाई की जा रही है। बताया ट्रक की तलाश की जा रही है।

प्रशासनिक न्यायाधीश करेंगे अधिवक्ताओं से वार्ता

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन व प्रोग्रेसिव एवं प्रैक्टिसिंग डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन द्वारा परिवार न्यायालय में नियुक्त पीठासीन अधिकारी आराधना रानी के विरुद्ध अधिवक्ताओं द्वारा की गई हड़ताल 31वें गुरुवार के दिन भी जारी रही। धरना की अध्यक्षता प्रोग्रेसिव बार के अध्यक्ष राजेन्द्र वीर सिंह चौहान तथा संचालन भगवानदास दीक्षित द्वारा किया गया। धरने की शुरुआत क्रमिक अनशन में बैठे अधिवक्ताओं आशीष त्रिपाठी, धर्मेन्द्र मोहन सिंह, शादाब खान, हिमांशु श्रीवास्तव, महेन्द्र सिंह का माल्यार्पण कर किया गया।

वकीलों को संबोधित करते भगवानदास दीक्षित। अमृत विचार

प्रोग्रेसिव बार के अध्यक्ष राजेन्द्र वीर सिंह चौहान ने बताया कि उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश ने अधिवक्तागणों को सुलहवार्ता के लिए आमंत्रित किया है। जिसमें हमारा प्रतिनिधि मंडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष फूल सिंह कुशवाहा, महामंत्री देवी प्रसाद शुक्ला, ओमप्रकाश द्विवेदी, गोविन्दराम द्विवेदी, जनमेजय सिंह, लोक भूषण राजपूत सुलह वार्ता के लिए प्रयागराज रवाना हो चुके हैं। धरने को भगवानदास दीक्षित, चन्द्रभूषण पाल, रामदत्त पाठक, अनिल शुक्ला, धर्मेन्द्र दत्त बाजपेयी, वीरेन्द्र यादव, सुरेशचन्द्र शर्मा, हरपाल सिंह सेंगर, हिमांशु श्रीवास्तव, महेश प्रसाद गुप्ता, शैलेन्द्र सचान सहित कई अधिवक्ताओं ने अपने विचारों से सभा को संबोधित किया। मंच के माध्यम से कराया गया कि शिवसेना उत्तर प्रदेश की राज्य उप प्रमुख, बुंदेलखंड प्रभारी महंत रतन ब्रह्मचारी द्वारा राज्यपाल व शासन को पत्र भेजकर पीठासीन अधिकारी कु.आराधना रानी को हटाये जाने की मांग की है। जिसकी प्रतियां उच्च न्यायालय को भी प्रेषित की हैं। इनके समर्थन से अधिवक्तागणों में एक अलग उत्साह देखने में आया है। महंत रतन ब्रह्मचारी ने यह भी कहा कि यदि अधिवक्ताओं की मांग पूरी नहीं होती है तो शिवसेना यूबीटी अधिवक्ताओं के साथ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन, प्रशासन सहित उच्च न्यायालय प्रयागराज की होगी। बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

- शिवसेना उप्र उप प्रमुख महंत रतन ब्रह्मचारी ने आंदोलन को दिया समर्थन

प्रतियोगिता | राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन

100 मीटर में सबसे तेज दौड़े गोपाल और आशा

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। गुरुवार को कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत प्राचार्य और मुख्य अतिथि डॉ. चन्दन पांडेय ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। उसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी ।

बीते साल के चैंपियन छात्र गुलाम हैदर और छात्रा रागनी ने मशाल दौड़ लगाकर प्रतियोगिता शुरू की। प्राचार्य ने खेलों के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक कुशल खिलाड़ी के अंदर धैर्य और अनुशासन होता है जो उसके व्यक्तित्व को सुंदर बनाता है। खेलकूद से मानव के व्यक्तित्व का विकास होता है।

प्रतियोगिता में स्थान पाने वाली छात्रा को किया सम्मानित। अमृत विचार

प्रतियोगिता में हार- जीत से ज्यादा प्रतिभाग करने का महत्व होता है। पहले दिन सबसे पहले छात्र एवं छात्रा वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र वर्ग में गोपाल दीक्षित प्रथम, सुरेश द्वितीय, हेमंत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मी. बालिका वर्ग में आशा प्रथम, आकांक्षा द्वितीय व आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में छात्र वर्ग में गुलाम हैदर प्रथम, गोपाल दीक्षित द्वितीय और संजय कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में उपस्थित अतिथि। अमृत विचार

गोला फेंक छात्रा वर्ग में रूबी प्रथम, रीना द्वितीय व रागिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मी बालक वर्ग में अमित कुमार प्रथम, संजय कुमार द्वितीय, हेमंत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तवा फेंक छात्रा वर्ग में रागिनी प्रथम, पूर्णिमा द्वितीय, रीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन महाविद्यालय की क्रीड़ा प्रभारी डॉ.स्नेहलता ने किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा परिषद के खेल शिक्षक दीपक कुमार, रामनरेश, मनोज, सुनीता और शशिबाला ने अपना सहयोग किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश निगम, इकरार हुसैन, मोहम्मद अशरफ, नदीमुद्दीन के अलावा सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

साइबर अपराधियों से सचेत रहें युवा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। ब्रहमानंद महाविद्यालय द्वारा कुर्रा गांव में आयोजित एनएसएस शिविर में गुरुवार को छात्र- छात्राओं को साइबर क्राइम, सड़क सुरक्षा एवं यातायात विषय पर जानकारी दी गई।

शिविर का शुभारंभ क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार पांडे एवं हरे कृष्णा यादव ने स्वामी ब्रह्मानंद और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान दिनेश कुमार पांडे ने छात्र- छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल का युग है। साइबर अपराधी जरा सी गलती पर आपको चूना लगा देंगे। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को साइबर अपराधियों से सचेत होने की जरूरत है। हरे कृष्ण यादव ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़कर विद्यार्थी समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्यों से अवगत होते हैं। उनमें राष्ट्र सेवा की भावना जागृत होती है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों को सामाजिक संदर्भ में बहुत कुछ सीखने को मिलता है। डा.हल्के प्रसाद ने कहा कि एनएसएस कैंप में विद्यार्थियों को विचारों के आदान प्रदान के साथ ही आपसी भाईचारे की प्रेरणा मिलती है। डा.सरजू नारायण ने कहा कि स्वयंसेवकों ने राष्ट्र से सामाजिक बुराइयों को मिटाने में अहम योगदान दिया है। इस दौरान डॉ.दशरथ सिंह, डॉ.ऋषि शर्मा, डा.दुर्गेश पटेल आदि ने अटल भूजल योजना पर अपने विचार व्यक्त किए। नवीन कुमार, नीलम राजपूत, रिया गुप्ता, प्रिंस कुमार, कामेश राजपूत, प्रदीप कुमार, नेहा राजपूत, मोनिका राजपूत, कुमकुम, प्रियंका, जयंती राजपूत, प्रिंस राजपूत, आशीष सोनी, जीतेंद्र कुमार, खुशी गुप्ता, स्वतंत्र राजपूत, पूजा, नैंसी, जगदीश, नीतेश, अरविंद, अभिषेक, महेश, मुस्कान आदि उपस्थित रहे।

अटल भूजल योजना के तहत जागरुकता रैली निकालते स्वयंसेवी। अमृत विचार

- अटल भूजल योजना के तहत रैली निकाल किया जागरूक

लोगों को समझाया मतदान का महत्व, वोट देने की अपील

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम पंचायत अतरैया व मुंडेरा में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी (स्वीप) के तहत रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। प्रभारी बीडीओ शांतुन कुमार सिनसिनवार ने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान के लिए शपथ दिलाई।

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम अतरैया व मुंडेरा में मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी स्वीप कार्यक्रम के तहत रैली का आयोजन हुआ। रैली का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर शांतुन कुमार सिनसिनवार करके साथ में गांव भ्रमण किया। उन्होंने मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली में शामिल

मुंडेरा गांव में मतदाता जागरुकता रैली निकालते बच्चे। अमृत विचार

● अतरैया व मुंडेरा में चलाया गया जागरुकता अभियान

बच्चों ने मतदान बढ़ाने के लिए नारे लिखी तख्तियां लेकर घूमे और गलियों में नारे लगाए। जिसमें अपना कर्तव्य निभाएंगे, पहले मतदान कराएंगे। आओ मिलकर अलख जगाएं, शत प्रतिशत मतदान कराएं के नारे लगाएं। डिप्टी कलेक्टर गांव का भ्रमण कर मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद लोगों को शपथ दिलाई। रैली में पंचायत के सभी विद्यालयों के छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एडीओ आईएसबी जगदंबा प्रसाद, प्रधानाध्यापक रामप्रकाश, पवन कुमार पाल, प्रदीप सिंह, सुरेश कुमार, रंजीत यादव सहित रसोईया आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं समूह की महिलाएं मौजूद रही।

रैली निकाली, मतदाताओं को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। मुख्यालय स्थित मां गौरा महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हो गया। मुख्य अतिथि डॉ.शबा मैडम ने छात्र-छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया तथा शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम अधिकारी शुभम दक्ष ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। साथ ही सातों दिनों की आख्या प्रस्तुत की। इसमें बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति जागरुकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर प्रतियोगिता, योग शिविर, मतदाता जागरूकता रैली व शपथ

मतदान के लिए शपथ दिलाते प्राचार्य डॉ.एसके पांडेय। अमृत विचार

आदि कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. एसके पांडेय ने अन्त में सभी का आभार प्रकट किया। वहीं इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता रैली भी निकाली। जिसमें हर्षित कुमार, ऋषि शिवेंद्र बाबू अमन, रोहित, पीएष वर्मा, आदित्य, सत्यम, अभिषेक, राजेन्द्र, मनीष, नेहा, मुस्कान प्रीति, संध्या, महक, पूजा, आकांक्षा, सोनम, रमशा खान, सपना, उजमा उत्की, नैनसी नाही, ज्योति आदि छात्र। छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। छात्र-छात्राओं ने लोकतन्त्र को मजबूत बनाने के लिए शत प्रतिशत मनदान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.दयाराम गौतम, आशीष चकवती, मीना विवारी आदि मौजूद थे।

रिवाज: बिदोखर में 15 दिन तक खेली जाती है होली

संवाददाता, सुमेरपुर(हमीरपुर)

● परंपरा का निर्वाह श्रद्धा एवं उत्साह से करते हैं ग्रामीण

अमृत विचार। बरसाना की तर्ज पर क्षेत्र के ग्राम बिदोखर में एक पखवाड़ा तक होली पर्व मनाने की परंपरा आज भी कायम है। इस परंपरा का निर्वहन आज भी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ ग्रामीण करते हैं।

बुंदेलखंड में होली के विविध रंग रूप हैं। यहां अलग-अलग ढंग से होली मनाने की परंपरा गांव गांव में विद्यमान है। होलिका दहन के बाद दो दिन रंग खेलने की परंपरा प्रत्येक गांव और कस्बे में है। इसके इतर बिदोखर की होली के अलग रंग हैं। दो पंचायतों के संयुक्त ग्राम बिदोखर की फाग पूरे क्षेत्र में मशहूर है। दोनों पंचायतों के लोग एकत्र होकर द्वितीया को सामूहिक फाग निकालते हैं। रंगों से सराबोर फाग गायक कवि इसुरी एवं जितेंद्र रचित फागों की धुनों में नाचते गाते पूरे गांव में भ्रमण करके देर रात फाग का समापन करते हैं। इस फाग को देखने के लिए आसपास के गांवों के लोगों की भीड़ भी उमड़ती है। इसके बाद रंग पंचमी से मठ मंदिरों की होली का शुभारंभ होता है और यह सिलसिला चैत्र मास की अमावस्या को जाकर थमता है। बिदोखर निवासी हरिहर किशोर पाठक, रामसिंह पुजारी, शिवनाथ सविता, लाला भैया पाल, राजा भैया कुशवाहा, शंकर लाल अनुरागी आदि ने बताया कि यह परंपरा सदियों से यहां कायम है और इनका निर्वहन आज भी बड़े उत्साह के साथ किया जाता है। यहां की होली देखने के लिए दूर- दूर से लोग आज भी आते हैं।

एक नजर

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

बांदा : जनपद महोबा के खन्ना थानांतर्गत अटघार गांव निवासी संतोष उर्फ करिया (35) पुत्र मइयादीन ने मंगलवार को खैराडा और इचैली स्टेशन के बीच ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। हाथ में संतोष गुदा हुआ था। खबर पाकर मौके पर पहुंचे मटौंध थाने के एसआई सुभाष वर्मा ने परिजनों को सूचना दी। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बड़े भाई आल्हा ने बताया कि मृतक भूसा बेचने का काम करता था। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शस्त्र जमा करने में जुटे लोग

कुरारा (हमीरपुर)। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगते ही शस्त्रधारकों ने थाना परिसर में आकर शास्त्रों को जमा करना शुरू कर दिए हैं। थाना क्षेत्र के ग्रामों व कस्बा में कुल 699 शास्त्र धारक हैं। जिसमें 78 शस्त्र थाना क्षेत्र के बाहर है। अधिसूचना जारी होते ही जिम्मेदार शस्त्र धारकों ने थाने पहुंच अपने शस्त्रों को जमा करवाने शुरू कर दिए हैं। थाने के दीवान शैलेन्द्र ने बताया कि गुरुवार तक 68 शस्त्र जमा करवाये जा चुके है। रोजाना अभी भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

फसल में हिस्सा नहीं देने का लगाया आरोप

उरई (जालौन)। शहर कोतवाली उरई क्षेत्र के ग्राम रगेदा निवासी रामबाबू चौधरी ने अपर पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कहां कि साझे की जमीन पर पड़ोसी हिस्सा नहीं दे रहा। पीड़ित ने खचेरे पुत्र खिमोला निवासी नसीरपुर थाना आटा के खिलाफ शिकायत की है।

मनरेगा लोकपाल बने डॉ. वीरेंद्र सिंह चंदेल

हमीरपुर। शासन के ग्राम्य विकास अनुभाग ने पिछले 15 मार्च को फिर से डॉ. वीरेंद्र सिंह चंदेल को मनरेगा लोकपाल नियुक्त किया है। उन्होंने जनपद के सभी ग्रामवासियों को सूचित किया है कि उनकी ग्राम पंचायत में हो रहे मनरेगा कार्यों में यदि कोई अनियमितता हो या किसी श्रमिक को उसके परिवार को पैसे का भुगतान न हो रहा हो अथवा श्रमिक को रोजगार न मिल रहा हो तो लोकपाल मनरेगा, विकास भवन में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिससे सरकार की मंशानुरूप मनरेगा से हो रहे काम की गुणवत्ता में सुधार व पारदर्शिता आ सके। इसके साथ ही 9415442094 व 7275554039 नंबरों पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते है।

घटिया निर्माण कार्य पर ग्रामीणों ने किया हंगामा

ग्रामीणों ने वीडियो वायरल कर जांच कराने की मांग की

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। धमना से बरदा गांव तक बनी नवनिर्मित पूरी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार ने इस सड़क को मानकों को ताक पर रखकर बना डाला। सड़क का आलम यह हो गया कि बनते ही उखड़ने लगी है। जब ग्रामीणों को घटिया और गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण होने की जानकारी हुई तो आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताते हुए नवनिर्मित घटिया सड़क को हाथ से उखाड़ते हुए गुणवत्ता विहीन घटिया सड़क का वीडियो वायरल कर दिया।

सड़क की गिट्टी दिखाता ग्रामीण।

तहसील क्षेत्र के धमना और बरदा गांव के निवासी ग्रामीण दुष्यंत, धीरेंद्र, लालाराम, कल्लू, रितेश, गजेंद्र व चंद्रभान आदि ने बताया कि

● मंडी समिति ने बनाई थी करीब चार किमी सड़क

मंडी समिति के द्वारा बनाई गई यह सड़क पूरी तरह से गुणवत्ता विहीन मनाई है। ठेकेदार ने मानकों को ताक पर रखकर सड़क बना डाली। बताया कि सड़क निर्माण में बेहद ही घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि धमना गांव से बरदा गांव तक चार किमी तक सड़क बनाई गई है। वायरल वीडियो में ग्रामीण घटिया सड़क को अपने हाथ से ही उखाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए सड़क निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

बीमार महिला की मौत पर मायके पक्ष ने किया हंगामा

संवाददाता, मुस्करा (हमीरपुर)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बसवारी गांव में बीमार महिला की मौत पर मायके पक्ष वालों ने जमकर हंगामा काटा। पोस्टमार्टम के लिए जा रहे शव को पुलिस से छुड़ा कर सड़क पर जाम लगाने की कोशिश की।

रश्मि।

जनपद महोबा के थाना चरखारी के गुड़ा गांव निवासी भगत सिंह राजपूत ने बताया कि उसने पुत्री रश्मि (35) का विवाह आठ वर्ष पूर्व बसवारी निवासी उपेंद्र राजपूत पुत्र शिवपाल से किया था। बताया रश्मि पिछले कुछ सालों से बीमार चल रही थी। उसकी दोनों किडनी खराब हो गई थी। जिसके चलते उसका लंबे अर्से से इलाज चल रहा था। कहा ससुराल पक्ष ने इलाज में लापरवाही की और सही से इलाज नहीं करवाया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। तो वहीं मृतका की मां ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों का व्यवहार पहले से ही ठीक नहीं था। आए दिन गाली गलौज करते रहते थे। जिसके चलते पुत्री के साथ दुर्व्यवहार कर इलाज नहीं कराने से उसकी मौत हुई है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में थी तभी मायके पक्ष के लोगों ने शव को पुलिस से छीन कर सड़क पर रखकर जाम लगाने की कोशिश की और हाई वोल्टेज ड्रामा किया। पुलिस ने किसी तरह मायके पक्ष के लोगों को समझा बुझाकर शांत करा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पूर्व चुनाव के लंबित वादों को निस्तारित करें

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

● डीएम व एसपी ने नवीन गल्ला मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा, दिए निर्देश

● निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आचार संहिता का पालन सख्ती से करवाने को कहा

अमृत विचार: जिलाधिकारी राहुल पांडेय व पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं उप जिलाधिकारियों की बैठक ली। विगत चुनावों के लंबित वादों की समीक्षा की। साथ ही प्रभावी कार्रवाई करते हुए तथा शीघ्र डिस्पोजल कराए जाने के निर्देश दिए। वहीं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के निर्देशों के अनुपालन में शस्त्रों को तत्काल जमा करने की कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि एक्सेंप्शन चाहने वालों की सूची तैयार कर उनको स्त्रीलिंग कमेटी की समक्ष प्रस्तुत करें। आगामी पर्व होली को देखते क्षेत्राधिकारियों से शांति कमेटी के बैठक आयोजित करें एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखें।

उधर दोनों अधिकारियों ने अधीनस्थों के साथ सुमेरपुर स्थित नवीन गल्ला मंडी परिसर का

नवीन गल्ला मंडी का निरीक्षण करते डीएम राहुल पांडेय व एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा। अमृत विचार

निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। यहां चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक मायाराम वर्मा, एडीएम अरुण कुमार मिश्रा, एडीएम नमामि गंगे सुरेश कुमार, एडीएम न्यायिक डॉ.नागेंद्र नाथ, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, सीओ सदर राजेश कमल सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जलभराव से निजात दिलाने की मांग

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के वार्ड तीन टेनरी मोहल्ले के लोगों ने रास्ते में जलभराव की समस्या को कस्बा में आए भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को शिकायती पत्र देकर समस्या समाधान कराए जाने की मांग की। कस्बे के वार्ड तीन निवासी लोगों ने भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को शिकायती पत्र देकर बताया कि तालाब के किनारे से बस्ती के अंदर गई रास्ता खराब है और हमेशा इसमें जलभराव बना रहता है। जिससे बच्चों को विद्यालय आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। जलभराव रहने से मच्छर जनित बीमारियां फैलती है। लोग परेशान रहते हैं। तालाब के पानी का निकास की व्यवस्था न होने के कारण रास्ते में पानी भर जाता है। मोहल्ला निवासी शिवकुमार, संजीव कुमार, शारदा, राजाबाबू, कमलेश, रामदयाल, कालका, मोनू, बीरेंद्र, अजय स्वामी, विनय कुमार वर्मा, नफीस अहमद आदि ने सांसद से समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की है।

सार-संक्षेप

लहरा गांव में निकाली गई मतदाता जागरुकता रैली। अमृत विचार

रैली निकालकर ग्रामीणों को किया जागरूक

कुरारा (हमीरपुर)। विकासखंड क्षेत्र के लहरा और रिठारी गांव में बीडीओ की अध्यक्षता में मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरुकता रैली निकालकर लोगों को मतदान करने के प्रति जागरूक किया गया। क्षेत्र के लहरा और रिठारी गांव में लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए खंड विकास अधिकारी बिपिन गुप्ता की अध्यक्षता में विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ गांव में मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को आने वाले लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए जागरूक किया। वही उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा लोग अपने मत का प्रयोग करे। मतदाता जागरुकता रैली में लोकतंत्र सेनानी त्रिमोहन दीक्षित, ग्राम प्रधान इं .चंद्रेश सिंह गौर, कोटेदार रामकरण, इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अनीता वर्मा, रचना प्रकाश, संगीता, अंजली श्रीवास्तव, समूह की महिलाएं तथा आशा कार्यकत्री मौजूद थीं।

चौपाल में समस्याएं सुनते अधिकारी। अमृत विचार

वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत करें

सरीला (हमीरपुर)। उपजिलाधिकारी राठ की अध्यक्षता में लोकसभा निर्वाचन शांतिपूर्ण मतदान को लेकर जिगनी गांव के प्राथमिक विद्यालय में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्व एवं पुलिस से संबंधित समस्याओं को सुनकर कुछ समस्याओं का निस्तारण किया गया एवं शेष निस्तारण के लिए आश्वासन दिया। इसके बाद मतदाता जागरुकता रैली निकालकर पूरे गांव में भ्रमण किया। इस मौके पर थानाध्यक्ष भरत कुमार सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

राहुल गांधी से अमेठी से चुनाव लड़ने की अपील

मौदहा (हमीरपुर)। कांग्रेस नेताओं ने एक बैठक कर राहुल गांधी से अमेठी सीट से लड़ने की अपील। उनका कहना है कि पूरे प्रदेश के कांग्रेसी अपने इस लोकप्रिय नेता के लिए पूरी ताकत से लगने का संकल्प लिया है। मौदहा स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ शाहिद अली, राजू शफकत उल्लाह, हाजी शमसुद्दीन, शहजादा चिश्ती गांधी, विवेक चंद्र, दुर्गा देवी सहित विभिन्न मोर्चा के जिम्मेदार और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य थे। इन सबने एक स्वर से प्रस्ताव पास कर राहुल गांधी को अमेठी सीट से लड़ने का आवाहन किया है। इन्होंने कहा है कि इससे पूरे प्रदेश में न सिर्फ कांग्रेसी बल्कि के इंडिया गठबंधन की जीत का रास्ता साफ होगा। कहा इस बार कांग्रेसी अपने नेता को विजय श्री दिलाकर पूर्व के इतिहास का पन्ना पलट देंगे।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

सरीला (हमीरपुर)। जलालपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र के धरौंधा कुपरा मोड़ से एक किलो 137 ग्राम गांजा के साथ संजय सिंह निवासी कुपरा को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ब्रजमोहन ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध नारकोटिक्स अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है। इसके विरूद्ध एससी एसटी व पॉक्सो एक्ट सहित 27 मामले दर्ज हैं।

कामयाबी | तीन इकाइयों में शगुफ्ता, शुभी और नंदिनी बनीं नायिका

एनएसएस शिविर की महानायिका चुनीं गईं रिचा

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार: राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम, द्वितीय और तृतीय इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर समापन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर महानायिका और नायिका के रूप में चयनित हुईं छात्राओं को सम्मानित किया गया। शिविर के दौरान छात्राओं द्वारा किए गए समाजिक कार्यों को जमकर सराहा गया। इस मौके पर सात दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की गई।

महिला विद्यालय एनएसएस प्रथम, द्वितीय और तृतीय इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर गुरुवार को खत्म हो गया। इसके पूर्व जिला अस्पताल फिजियोथेरेपिस्ट डा.निशांत मौर्य समेत महाविद्यालय प्राचार्य डा.दीपाली गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर शुभारंभ किया। समापन मौकेपर पर विशेष

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करतीं छात्राएं। अमृत विचार

शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर रिचा रैकवार महानायिका और प्रथम इकाई से शगुफ्ता कुरैशी, द्वितीय इकाई से शुभी गुप्ता और तृतीय इकाई से नंदिनी नायिका चुनीं गईं।

महानायिका और नायिका के रूप में चयनित हुईं छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रथम इकाई कार्यक्रम अधिकारी डा.सबीहा रहमानी ने स्वयंसेवी छात्राओं के कार्यों की सराहना करते हुए लगन के साथ आगामी एनएसएस शिविर में सहभागिता पर जोर दिया। द्वितीय इकाई कार्यक्रम अधिकारी डा.अंकिता तिवारी ने शिविर की आख्या प्रस्तुत की। डा.ज्योति मिश्रा ने बताया कि पिछले एक सप्ताह तक स्वयंसेवी छात्राओं ने दरी मोहाल, बारी मोहाल तथा अहीर मोहाल करते हुए लोकतंत्र, मतदान, महिला सशक्तिकरण, मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान, स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य आदि विषयों पर लोगों को जागरूक किया। समापन मौके पर महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस मौके पर डा.जितेंद्र शर्मा, डा.जय कुमार चैरसिया, डा.जय प्रकाश सिंह, डा.शशिभूषण मिश्र, डा.जयंती सिंह, डा.विनय पटेल, डा.मोहम्मद अफजल, डा.वीरेंद्र प्रताप चैरसिया, डा.नीतू सिंह, डा.संदीप सामंत सिंह, डा.सचिन मिश्रा, डा.रामनरेश पाल, राशिदा खातून, डा.नीलमणि त्रिपाठी, डा.आदित्य प्रताप सिंह और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

चारा डाल रहे वृद्ध को भैंस ने पटका, हो गई मौत

सरीला (हमीरपुर)। जरिया थानाक्षेत्र के कस्बा निवासी एक वृद्ध गुरुवार सुबह मवेशियों को चारा डालते समय उसे भैंस ने पटक दिया। परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी लेकर आए। जहां से चिकित्सकों ने उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। जहां ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है।

कस्बा निवासी कीर्तन सिंह (80) सुबह करीब नौ बजे मवेशियों को चारा डालने गया था। तभी एक भैंस ने उसे उठाकर पटक दिया। शोर सुनकर परिजन सहित कई लोग मौके पर आ गए। जिन्होंने घायल वृद्ध को सरीला सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सक ने हेड इंजरी होने के चलते गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर कर दिया। जहां ले जाते समय बीच रास्ते में घायल वृद्ध की मौत हो गई। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी है।

लू से बचाने की तैयारी में जुटा प्रशासन

इटावा। जन सामान्य को हीटवेव (लू) से बचाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन किया गया। प्रभारी अधिकारी दैवीय आपदा मलखान सिंह ने सभी विभागों के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों की कार्य योजना बनाकर समय से पूर्ण कर लें, जिससे जनपद में संभावित हीटवेव (लू) की तैयारी विभागवार शत प्रतिशत पूर्ण हो सके।

RAVI CHILDREN'S ACADEMY
Situation Vacant
Apply offline for the following posts....

S.No	Post	Qualification
1	Principal	Post Graduate with B.Ed. , Min. 5 Years' Experience of teaching as P.G.T, Knowledge of Administration & Child pedagogy
2	Sport Teacher/ P.T.I	M.P.Ed., Achievement & Certificates in the field of Sport / Game at District/ State/ National level
3	Hindi/ Sanskrit (P.G.T)	Post Graduate with B.Ed. in relevant subject / Acharya (Sanskrit), C.T.E.T
4	Geography (P.G.T)	Post Graduate with B.Ed. in relevant subject, C.T.E.T
5	History (P.G.T)	Post Graduate with B.Ed. in relevant subject, C.T.E.T
6	Primary Teacher (Play Group)	Graduate & N.T.T.+ D.El.Ed.
7	Lab. Asst.	B.Sc.(Physics, Chemistry, Biology)
8	Office Asst. (Computer Operator)	B.Com with O- Level, Tally, Erp (Preference to Female Candidate)
9	Receptionist	Female (graduation with good communication skill in English)
10	Aaya	High School with interest in child care

Note: Apply offline with detailed resume and relevant supportive documents till **Friday, 5 April 2024**
Date of interview: **Sunday, 7 April 2024**
Address: Ravi Children's Academy, Near Dukh Haran Nath Temple, Patel Nagar, Gonda- 271001
Contact No – 9450944999

बंदूक के बल पर हो रहा खनन

कार्यालय संवाददाता उरई

किसानों द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराई गई फोटो।

● किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट से की शिकायत, मारकर मौरंग में दबा देने की धमकी का आरोप

अमृत विचार। जालौन के मौरंग खनन माफिया पर्यावरण और सरकार के नियम और कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। नदियों और नदी किनारे के खेतों का सीना चीरकर अवैध मौरंग का खनन खुलेआम कर रहे हैं। अवैध खनन से परेशान किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मामले की शिकायत की है।

दरअसल केंद्र और प्रदेश सरकार ने अवैध खनन रोकने के लिए सेटेलाइट से खनन की निगरानी करने की घोषणा की थी, मगर जालौन में धरातल पर प्रधानमंत्री की यह घोषणा हवा हवाई साबित हो रही है। इतना ही नहीं खनन पट्टे के आसपास के किसानों की जमीनों से बंदूक की नोक पर अवैध खनन कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला थाना डकोर के ग्राम खरका का सामने आया है।

दर्जनों युवकों ने सिटी मजिस्ट्रेट को एक शिकायती पत्र दिया, और सबूत के तौर में सिटी मजिस्ट्रेट को एक पेन ड्राइव भी दी, जिसमें अवैध खनन, पोक लैंड मशीन से 20 फिट से लेकर 30 फिट गहराई से करते दिखाई दे रहा हैं। साथ ही बेतवा नदी की जलधारा रोक कर खनन करते भी पेनड्राइव में देखा जा सकता है। ग्रामीण किसानों ने बताया कि अगर इस अवैध खनन को रोका नहीं गया तो पानी जमीन की गहराई में चला जायेगा, जिससे आने वाले समय में पानी का शंकट पैदा हो सकता है। खरका गांव के लोगों ने बताया कि किसानों की जमीनों में जबरिया खुदाई करते हैं। खुदाई को रोकते हैं तो खदान संचालक और सुरक्षा में तैनात बंदूक धारी रोकने या कहीं शिकायत करने पर गाली गलौच कर जान से मारकर मौरंग में दाब देने तथा फर्जी मुकदमें जेल भिजवाने की धमकी देते हैं। उच्च स्तरीय जांच कराकर खनन संचालक और उनके बंदूक धारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

मस्जिदों में नमाजियों और रोजदारों की उमड़ रही भीड़

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। इस्लामी साल का ये नवां महीना है जिसे रमज़ान-उल-मुबारक के नाम से जाना जाता है। पवित्र रमजान माह में धर्म नगरी कालपी की मस्जिदों में नमाज तथा तराबीह पढ़ने वाले नमाजियों, रोजदारों तथा बच्चों की पांचों वक्त भीड़ होने से इबादत गाहों में रौनक है। इस्लामिक विद्वानों के मुताबिक रमजान शरीफ़ में हर-हर घड़ी रहमत भरी होती है। दारूल उलूम गौसिया मजीदिया के नाज़िमे आला हाफिज इरशाद अशरफी ने बताया कि ये महीना रमज़ान-उल-मुबारक बड़ी ही शान बरकत, मगफिरत वाला महीना होता है, जिसमे अल्लाह अपने बन्दों से खुश होता है और उनपर अपनी रहमतों और बरकतों की बारिश करता है। हाफिज इरशाद ने कहा कि रोज़ेदार का ईमान अपने परवरदिगार पर कितना पुख्ता होता है कि उसके सामने खाना, पानी, शर्बत तरह-तरह के लज़ीज खाने मौजूद रहते है मगर वो रोज़ेदार उन खाने व पानी को हाथ नही लगाता है कि वो उसे खा पी ले तो क्या होगा मगर अल्लाह तो देख रहा है वो सब जानने वाला है। रोज़ेदार का ये पुख्ता ईमान से खुश होकर अल्लाह उसे अपनी तमाम नेमतों बरकतों से नवाजता है। मौलाना तारिक बरकाती ने बताया कि रमजान शरीफ का महीना बड़ा मुबारक महीना है हमें इसकी कद्र करनी चाहिए, रोजे रखकर नमाज पढ़कर कुरआन की तिलावत कर मुल्क की खुशहाली के लिए दुआएं कर रहे हैं।

बूथों पर जाकर देखी पानी की व्यवस्था

संवाददाता कालपी

बूथों का निरीक्षण करते एसडीएम हेमंत पटेल। अमृत विचार

अमृत विचार। कालपी उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने कालपी तहसील क्षेत्र के दर्जनों बूथों का निरीक्षण किया, जिसमें उन्हें अधिकांश जगह व्यवस्था ठीक मिली और जहां कहीं कुछ कमियां मिलीं, वहां व्यवस्था ठीक करने के निर्देश दिये।

पटेल गुरुवार को खड़गुई दिवारा, चकगहपुरा, मल्थुआ, खड़गुई मुस्तकिल एवं भिटारी आदि के पोलिंग बूथों का निरीक्षण करने पहुंचे जहाँ उन्होंने सबसे पहले पानी, बिजली और हवा की व्यवस्था परखी, इतना ही नहीं उन्होंने बूथ तक रास्ता किस प्रकार है पोलिंग पार्टियों के अलावा आम वोटर को वहां पहुंचने में कोई दिक्कत तो नहीं होगी इन सारे बिंदुओं पर गहनता से विचार किया। एस डी एम कालपी हेमंत ने बताया कि वैसे तो ज्या दा तर बूथ स्कूलों में ही हैं और स्कूलों के रास्ते वैसे भी ठीक ही होते हैं फिर भी कोई समस्या न रहे इसके मद्दे नजर निरीक्षण चल रहा है अधि कांश जगह तो सब ठीक ठाक है और जहाँ भी कोई समस्या है भी तो वहां थोड़ा बहुत जल भराव की मिली तो उसे संबंधित प्रधान को निर्देशित कर दिया गया है।

इस समय देश के महापर्व में निष्पक्ष चुनाव को सम्पादित कराने और मतदाता निडरता पूर्वक अपना मतदान करे प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट तौर पे कहा कि हमारा पूरा प्रयास है कि हमारे क्षेत्र में लोग पूरी तरह निडरता पूर्वक अपनी सूझ बूझ से अपनी पसंद के प्रत्याशी को वोट करें।

अबकी बार भाजपा चार सौ पार: भानुप्रताप वर्मा

भाजपा प्रत्याशी वर्मा ने समर्थकों के सुख-दुख साझा किए

संवाददाता कालपी

कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप वर्मा। अमृत विचार

● शेल्टर होम कालपी में कार्यकर्ताओं को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

अमृत विचार। भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप वर्मा ने जनसम्पर्क तेज किया है। गुरुवार को वर्मा कालपी कस्बे के अपने समर्थकों के घरों में पहुंचे, जिनमें ब्रह्मा यादव के परिवार में शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र मिश्रा के परिवार में उनके चचेरे भाई की मृत्यु की खबर सुनकर उनके घर गए, इसके बाद उन्होंने अभी हाल में भाजपा ज्वाइन करने वाले चेयरमैन कालपी अरविंद यादव के घर में जाकर कुशलक्षेम पूंछी। अंत में शेल्टर होम पहुंचे जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से भेंट की और संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अनुशासन में रहकर कार्य करना और प्रशासन का सहयोग करना है। किसी को आपस में लड़ना झगड़ना नहीं है, सभी लोग धैर्य रखें, अबकी बार भाजपा चार सौ पार के नारों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। इस मौक़े पर रविकांत द्विवेदी वरिष्ठ भाजपा नेता,पूर्व विधायक छोटे सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष अशोक बाजपेई,अमित पांडेय,संजय सविता, धर्मेन्द्र पाल, महर्षि सैनी, सौरभ गुप्ता,सुनील पटवा सभासद, हरीबाबू गुप्ता सभासद ,नवीन गुप्ता श्री कृष्ण गौतम, संदीप शर्मा, राजन सिंह विधानसभा विस्तारक कालपी दीपांशु,चेयरमैन कालपी अरविंद यादव सहित सैकड़ा भर लोग मौजूद रहे।

संविधान को बचाने के लिए भाजपा को हटाना है

कार्यालय संवाददाता, उरई

बैठक करते इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी नारायणदास अहिरवार। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर के इकलासपुरा रोड पर स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में गुरुवार को इंडिया गठबंधन की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर ने की। इस मौके पर इंडिया गठबंधन से जुड़े कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी के अलावा बड़ी संख्या में लैफ्ट के कार्यकर्ता मौजूद रहे। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए भाजपा सरकार को हटाने का काम सभी को मिलकर करना है। यह भी कहा केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बहुमत के साथ बनने से कोई नहीं रोक सकता है। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस बृजलाल खाबरी, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा, सपा प्रदेश सचिव प्रदीप दीक्षित, सपा पूर्व विधायक कप्तान सिंह राजपूत, राजू अहिरवार, सुरेंद्र सिंह सरसेला कांग्रेस, वीरेंद्र यादव सपकांग्रेस रेहान सिददीकी, जमालुद्दीन पप्पू सपा, हरीचंद यादव जालौन, प्रमोद राजपूत, चुन्ना हुसैन रिजवी, अशोक द्विवेदी, महिला जिलाध्यक्ष कुसुम सक्सेना, पूर्व जिलाध्यक्ष चौ. श्यामसुंदर, पूर्व जिलाध्यक्ष सपा वीरपाल सिंह यादव दादी, पूर्व विधायक शिवराम कुशवाहा, आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष विनय चौरसिया सहित बड़ी संख्या में गठबंधन के लोग मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

खाद्य विभाग की टीम ने दुकानों से लिये नमूने

उरई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर जालौन में प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर कार्रवाई की गयी। टीम ने प्रशान्त फूड प्रोडक्शन पुनीत गुप्ता ज्वालागंज जालौन के प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ सरसों के तेल का नमूना लिया। अरविन्द कुमार पुत्र कृष्ण गोपाल पुरानी नझाई से खाद्य पदार्थ नमकीन का नमूना संग्रहित किया गया, धोलागढ़ एंजेसी चौधरयाना जालौन से खाद्य पदार्थ नमकीन का नमूना संग्रहित किया गया, देवचन्द्र साहू पुत्र कामता प्रसाद मोहल्ला ज्वालागंज जालौन से खाद्य पदार्थ सरसों के तेल का नमूना संग्रहित किया गया।

गुमशुदा युवक का शव पक्के तालाब में मिला

जालौन। जालौन के मुरली मनोहर स्थित पक्के तालाब में एक किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए गोताखोरों की मदद से किशोर के शव को बाहर निकला। मृतक किशोर का नाम सोमिल बाथम, निवासी कछौरन बताया गया है। बताया कि मृतक सोमिल बाथम लगभग 4 दिन पहले से घर से गायब हो गया था। इस संबंध में मृतक के बाबा ठाकुरदास बाथम ने कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि पौत्र सोमिल बाथम छत्रसाल इंटर कॉलेज में कक्षा 9 में पढ़ता था। 17 मार्च को सोमिल घर से गया था लेकिन देर शाम तक नहीं लौटा।

मेले में प्रथम आए बेंदुल घोड़े के मालिक को पुरस्कृत करते अतिथि। अमृत विचार

दौड़ प्रतियोगिता में बेंदुल घोड़े ने मारी बाजी

माधौगढ़ जालौन। तहसील माधौगढ़ के अंतर्गत ग्राम सरावन में मेले का आयोजन किया गया। मेले झूले, नौटंकी, मेले में तरह-तरह के समान की दुकानें लगी। यहां प्रदुम सिंह जूदेव के द्वारा अश्व दौड़ प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें दो दिन से लगातार घोड़े की दौड़ एवं घोड़े का नृत्य देखने को मिल रहा है। मेले में प्रथम स्थान पर बेंदुल घोड़े के मालिक को पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री बृजेंद्र सिंह के प्रतिनिधि के तौर पर घुड़सवार राम सिंह तोमर को इनाम दिया। पूर्व मंत्री बृजेंद्र सिंह ने बताया कि घोड़ा को खिलाने पिलाने की कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। आज सरावन मेले में बेंदुल घोड़ा सुंदरता और दौड़ में अव्वल नंबर पर आया है। मेले में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बृजेंद्र सिंह, सुखनंदन सिंह, रणजीत सिंह सेंगर, दिनेश प्रताप गौर मौजूद रहे। कुंवर प्रदुम सिंह जूदेव सरावन ने कहा कि अब यह प्रतियोगिता हरवर्ष इसी तरह होती रहेगी। प्रतियोगिता का संचालन दीपू शाम ने किया। इस मौके पर कुमार अनिरुद्ध सिंह जूदेव सरावन, जिला पंचायत देवेंद्र कुमार सोनी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनीष कुमार नायक, नीतू राजा, अभय प्रताप सिंह, अयोध्या सिंह चौहान, रंजन सिंह गौर, नरेंद्र कुमार सोनी, प्रदुम सोनी आदि मौजूद रहे।

मूल्यांकन केंद्र का एमएलसी ने किया दौरा

उरई। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट की परीक्षा पुस्तिकाओं के मूल्यांकन केंद्रों का इलाहाबाद झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी बाबूलाल तिवारी ने दौरा किया। शिक्षकों से मिलकर उनके हाल चल पूंछे। तिवारी ने मूल्यांकन केंद्रों की सुविधाओं और व्यवस्था का जायजा लिया। शिक्षक एमएलसी ने मूल्यांकन केंद्रों में शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं, शिक्षकों को उपलब्ध हो रही है या नहीं, इसकी भी शिक्षकों से जानकारी ली। राजकीय इंटर कालेज उरई के मूल्यांकन केंद्र पहुंच कर शिक्षक विधायक ने मूल्यांकन की प्रगति की समीक्षा की।

डॉक्टर दंपति के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। माधवगढ़ में चिकित्सा अधीक्षक पद पर तैनात डॉ कुलदीप राजपूत व उनकी पत्नी डॉक्टर पूजा राजपूत और उनके तीन साथियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है। वादी संदेश सिंह भदौरिया पुत्र नरेंद्र सिंह भदौरिया निवासी अकबरपुरा ने आरोप लगाया है कि माधोगढ़ अस्पताल में उन्होंने नवजात को इलाज के लिए भर्ती कराया था। इस दौरान डॉक्टर कुलदीप राजपूत और उनकी पत्नी डॉक्टर पूजा राजपूत ने बच्चे के इलाज में घोर लापरवाही की, जिससे बच्चे की मौत हो गई। साथ ही चिकित्सालय में तैनात तीन अन्य कर्मचारियों को भी बच्चे की मौत का दोषी होने का अरोप लगाया है। अदालत ने सभी पांच आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत करने का आदेश दिया है, जिसके अनुपालन में आईपीसी की धारा 166 व 304 ए में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। वादी संदेश सिंह ने बताया कि घटना के समय थाना स्तर पर मुकदमा दर्ज करने का प्रयास किया था परंतु उक्त डॉक्टरों की पहुंच के आगे उनकी न चली, जिससे उन्हें न्यायालय की शरण में जाना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग में भी शिकायत की मगर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी, और अंत में न्यायालय ने पांच लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत करने का आदेश दिया। पूर्व में भी उक्त डॉक्टर के खिलाफ कई आरोप लगाए जा चुके हैं, जिनमें उनके सहकर्मियों द्वारा गाली गलौज और मारपीट के आरोप शामिल है। हर बार विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा शिकाय को रफा-दफा कर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानी इतनी है कि तमाम सीनियर डॉक्टर होने के बावजूद कई जूनियर डॉक्टर को अधीक्षक बनाया गया है।

लाइनमैन को लगा करंट, हो गई मौत

उरई। खंबे पर चढ़कर लाइन सही कर रहे लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार सिरसा कलार थाना क्षेत्र के न्यामत पुर चौकी के पास लाइनमैन मुहम्मद अली बक्स फाल्ट सही कर रहा था, तभी करंट लगने से लाइनमैन गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना पर सिरसा कलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची, एंबुलेंस से घायल लाइनमैन को अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने लाइनमैन को मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। कुछ परिजन पहले घटना स्थल पहुंचे और जानकारी मिलने पर अस्पताल गए। परिजनों का आरोप है कि जब वह खंभे पर चढ़कर काम कर रहे थे तो उस दौरान लाइन कैसे चालू कर दी गई, परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया।

संदिग्ध व्यक्ति को देखते ही पुलिस को सूचना दें, तुरंत होगी कार्रवाई

संवाददाता कालपी

बैंक का निरीक्षण करने पहुंचे प्रभारी निरीक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार। निरीक्षक कालपी कामता प्रसाद और अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मो अशरफ ने कालपी शहर की विभिन्न बैंकों का निरीक्षण किया और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। कहा कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति कहीं भी खड़ा दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, पुलिस आपकी सेवा में तत्पर है।

गुरुवार को अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मो. अशरफ मय हमराहियों के बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक आदि में पहुंचे और वहां आने जाने वालों को चेक किया, रजिस्टर में आगंतुकों के हस्ताक्षर चेक किये। बाहर अनावश्यक खड़े लोगों से जानकारी ली, अंदर इंतजार कर रहे लोगों से सवाल जबाव किये और बैंक में लगे सुरक्षा कर्मियों से अपने हुनर को साझा किया। उन्होंने कहा कि होली एक बड़ा त्योहार तो है ही फिर लोकसभा चुनाव तो महापर्व है इसी को लेकर चेकिंग अभियान अब लगातार जारी रहेगा बस आम जनमानस का सहयोग चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हर बैंक में हिदायत दे दी गई है कि जितना जरूरी अंदर परिसर के कैमरों का चालू रखना है उतना ही आवश्यक बाहर लगे कैमरों को भी चालू रखना है ताकि हर आने जाने वाले पर पूरी निगरानी रखी जा सके बाकी जगह जगह कैमरे निगरानी कर रहे हैं यदि कोई भी कही भी शरारत करते पाया गया तो उसकी खैर नहीं होगी इसलिए हिल मिल कर होली का त्यौहार मनाएं और निष्पक्ष चुनाव कराने में पुलिस का सहयोग करें।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सूचित हो कि मै **अरूण विक्रम सिंह पुत्र अरिमर्दन सिंह, निवासी– 235, सुन्दर नगर कालोनी, शहर व जिला–फतेहपुर,** मेरी पुत्री का नाम अनुषा विक्रम सिंह था जो कि अब परिवर्तित होकर अलंकृता विक्रम सिंह हो गया है तथा उससे संम्बन्धित पैन, आधार और बैंक खाते में अलंकृता विक्रम सिंह नाम दर्ज है। अतः अब उसे अनुषा विक्रम सिंह के स्थान पर अलंकृता विक्रम सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय तथा मेरी पुत्री की माता का नाम पूनम परिहार है।

सूचना

सूच्य हो कि मेरे स्व . पति धीरेंद्र बहादुर सिंह पुत्र सूर्य बक्स के बीमा पॉलिसी संख्या– 214947401 में मेरा नाम शिवदेवी दर्ज है , जबकि मेरा नाम ममता सिंह भी है। दोनो नाम मेरे अर्थात एक ही महिला के है। **शिवदेवी उर्फ ममता सिंह पत्नी स्व. धीरेंद्र बहादुर सिंह निवासिनी – ग्राम– गोकना, पो .– कोटिया चित्रा, ऊंचाहार – रायबरेली।**

सूचना

सूचित हो कि मैं जहीर पुत्र समीउल्ला मैने अपने पुत्र आशिक खान के खराब चाल–चलन से काफी परेशान हूँ। वह अपराधिक कृत्य का युवक है। उसके कृत्यों से परिवार के लोगों को प्रताड़ना उठाना पड़ रहा है। ऐसे में मैं अपने पुत्र आशिक खान को अपनी समस्त चल और अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। परिवार के लोगों से कोई लेना देना नहीं है। **–जाहिर खान पुत्र समीउल्ला खान, निवासी– ग्राम–यादवपुर सबलापुर कोतवाली देहात बहराइच**

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी महराजगंज के आदेश दिनांक 14.03.2024 के अनुपालन में ग्राम चितवनियां विकास क्षेत्र शिवगढ़, परगना कुम्हरावां, तहसील महराजगंज जनपद रायबरेली स्थित गाटा संख्या 1478 दर्ज तालाब पर लगे 101 यूकोलिप्टस के पेड़ों की नीलामी दिनांक 28.03.2024 को सार्वजनिक खुली बोली के द्वारा अपराह्न 1 बजे पंचायत भवन चितवनियां में सम्पन्न की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नियत तिथि, समय व स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं।

नीलामी अधिकारी, तहसीलदार महराजगंज, रायबरेली

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं **शिवकुमार पुत्र रघुवीर, निवासी–मदईखेड़ा, परगना– सरेनी, तहसील–लालगंज, जिला रायबरेली** अपने पुत्र राकेश और राजेश के गलत आचरण से परेशान हूं। दोनों पुत्रों को अपनी समस्त चल – अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनके कृत्यों से मेरा कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपनी पुत्री क का नाम SNEHA GARG से बदलकर AKSHARA GARG रख लिया। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। AKSHARA GARG D/O-MANOJ KUMAR GARG Add: B-1/37 opp-ROADWAYS- DEPO, VIBHUTI KHAND GOMTI NAGAR LUCKNOW-226010 (UP)

जेल का निरीक्षण | जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने जेल की व्यवस्था देखी

बंदी मांग करें, न्यायमित्र की सुविधा मिलेगी

कार्यालय संवाददाता उरई

जिला कारागार का साप्ताहिक निरीक्षण करते जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव।

अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार रावत ने जिला कारागार उरई का साप्ताहिक भ्रमण कर जिला कारागार में लोक अदालत का आयोजन किया। उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण किया और वहां निरूद्ध बन्दियों से जानकारी ली।

निरीक्षण में सचिव/अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार रावत ने बन्दियों के मुकदमों की पैरवी, उनको दी जाने वाली विधिक सहायता, सलाह और महिला बन्दी व उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा व खान-पान इत्यादि के बारे में जाना-परखा। उन्होंने कई बन्दियों से अलग-अलग जानकारी ली एवं जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कोई भी ऐसा बन्दी जिसका निजी अधिवक्ता न हो अथवा विधिवत ढंग से न्यायालयों में पैरवी न हो पा रही हो, को विधिक सहायता दिलाये जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि किसी विचाराधीन बन्दी को पैरवी हेतु सरकारी खर्चे पर अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो सम्बन्धित न्यायालय में बन्दी की ओर से प्रार्थनापत्र दिलवाया जाना सुनिश्चित करें ताकि न्यायमित्र की सुविधा उपलब्ध हो सके।

इसीप्रकार जो बन्दी दोषसिद्ध हो चुके हैं, की अपील न हो पाने की स्थिति में नियमानुसार जेल अपील करायी जाये। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आवश्यक समन्वय बनाकर ऐसे प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाये ताकि अपील की मियाद समाप्त न होने पाये। जेल अपील कराये जाने में यदि कोई विधिक समस्या आ रही है तो उसको जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संज्ञान में लाते हुये द्वारा उचित माध्यम माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से यथा आवश्यक पत्राचार किया जाये।

इसके उपरान्त जिला कारागार उरई में जेल लोक अदालत का भी आयोजन किया गया जिसमें पीठासीन अधिकारी मोहित निर्वाल, अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोंच द्वारा कुल नियत 16 मामलों में से 12 का निस्तारण कर निर्धन एवं असहाय, जमानतगीर दाखिल करने में अक्षम बन्दियों को माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार रिहाई आदेश पारित कर राहत प्रदान की गयी।इस अवसर पर जेल अधीक्षक नीरज देव, कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल बर्मन, कारापाल प्रदीप कुमार, उप कारापाल तारकेश्वर सिंह, अमर सिंह एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के कनिष्ठ लिपिक शुभम् शुक्ला भी उपस्थित रहे।

वैकल्पिक फोटो पहचानपत्र से भी कर सकेंगे मतदान

कार्यालय संवाददाता उरई

● मतदान से पांच दिन पूर्व मिलेगी मतदाता पर्ची

अमृत विचार। मतदाता फोटो पहचान पत्र के बिना भी वैकल्पिक फोटो पहचानपत्र से मतदान किया जा सकेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। इसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों, डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र, राज्य सरकार, लोक उपक्रम पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदाता सूचना पर्ची बीएलओ के माध्यम से मतदान तिथि से कम से कम 05 दिन पूर्व वितरित करने के निर्देश दिये गये हैं।

एक नजर

योगी ने की आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव के जल्द स्वस्थ्य होने की प्रार्थना

अमृत विचार, लखनऊ : आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव के जल्द स्वस्थ होने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने एक संदेश में कहा कि सद्गुरु जग्गी वासुदेव को सर्जरी से शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की हार्दिक शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को भारत रत्न बिस्मिल्लाह खां को उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां ने शहनाई वादन को साधना एवं आराधना के रूप में आत्मसात किया।

इस सत्र में शुरू होंगे तीन नए एटीएस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जौनपुर में दो और अयोध्या में एक नए आश्रम पद्धति विद्यालय में होंगे दाखिले
- उपनिदेशक और जिला समाज कल्याण अधिकारी ने तीनों का किया निरीक्षण
- छात्रों का होगा दाखिला, आउटसोर्स से रखे जाएंगे 70 शिक्षक

अमृत विचार : नए शैक्षणिक सत्र से तीन नए आश्रम पद्धति विद्यालय शुरू हो जाएंगे। आश्रम पद्धति विद्यालय (एटीएस) का संचालन होने से जरूरतमंद बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। विद्यालय के लिए 70 शिक्षक आउटसोर्स से रखे जाएंगे।

प्रदेश के 75 जिलों में 94 आश्रम पद्धति विद्यालयों का अभी संचालन हो रहा है। इनका संचालन समाज कल्याण विभाग के अधीन होता है। इनमें लगभग 32 हजार छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। पिछले माह नए आश्रम पद्धति विद्यालय के लिए बजट स्वीकृत हुआ था। जौनपुर में दो और अयोध्या में एक विद्यालय का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उपनिदेशक समाज कल्याण और जिला समाज कल्याण अधिकारी ने तीनों विद्यालयों का निरीक्षण कर रिपोर्ट निदेशक को भेज दी है।

समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि विद्यालयों में छात्रों के दाखिले के लिए शीघ्र आवेदन कराए जाएंगे। साथ ही 70 शिक्षकों को आउटसोर्स के माध्यम से रखा जाएगा। जबकि स्थायी शिक्षकों की नियुक्त के लिए अध्याचन आयोग को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाएगा कि नए शैक्षणिक सत्र से विद्यालयों का संचालन शुरू हो जाए।

एटीएस में दाखिले के लिए तय की परीक्षा तिथि

अमृत विचार : आश्रम पद्धति विद्यालय में छात्र-छात्राओं के दाखिले के लिए 27 को होने वाली परीक्षा की तिथि बढ़ाकर 28 मार्च कर दी गई है। समाज कल्याण निदेश कुमार प्रशांत ने बताया कि 27 मार्च को बेसिक शिक्षा की परीक्षा होनी थी इसलिए तिथि एक दिन आगे बढ़ाई गई। उन्होंने बताया कि कक्षा छह के बच्चों के लिए किताब और ड्रेस खरीदने के लिए सभी जिलों को दो-दो लाख रुपये की धनराशि दी गई है।

होली पर अनाधिकृत वाहनों और वस्तुओं की होगी धर-पकड़

1 अप्रैल तक चलेगा अभियान, प्रतिबंधित व विस्फोटक सामग्री पर रहेगी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- होली पर यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए सभी बसों को सड़क पर उतारने के निर्देश

अमृत विचार : होली के पर्व पर सभी जिलों में अनाधिकृत वाहनों के रोकथाम के लिए संयुक्त चेकिंग अभियान गुरुवार से शुरु हो गया है। इतना ही नहीं सड़कों पर दौड़ी रहीं सभी बसों के भीतर भी गैरकानूनी वस्तुओं की चेकिंग के निर्देश हैं। यह अभियान 1 अप्रैल तक चलेगा। साथ ही यात्रियों की सुविधा को देखते हुए परिवहन निगम की सभी बसों को मेनटेंनेंस के साथ चलाने को कहा गया है।

चेकिंग अभियान के दौरान यह भी देखा जाएगा कि बसों में अवांछनीय, प्रतिबंधित व ज्वलन्तशील विस्फोटक सामग्री न ले जाई जा सके। परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने भी सभी संभागीय व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को गुरुवार को निर्देशित किया है कि, होली के अवसर पर उप्र. के अंदर आने वाली व यहां से अन्य राज्य में जाने वाली अथवा राज्य के विभिन्न स्थानों से बहुतायत में संचालित होने वाले अनाधिकृत वाहनों से जहां एक ओर निगम की आय प्रभावित होती है, वहीं दूसरी ओर व्यापक कर चोरी से शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ यात्री सुरक्षा मानकों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाता है।

वहीं, होली पर यात्रियों के भारी संख्या में आवाजाही की संभावनाओं को देखते हुए परिवहन निगम की सभी बसों को सड़क पर उतारने के निर्देश दे दिए गए हैं। इस क्रम में सभी क्षेत्रीय, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को शत-प्रतिशत बसों के संचालन के साथ-साथ बस अड्डों पर व्यापक यात्री सुविधा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

शत-प्रतिशत बसें होंगी ऑनरोड

उप्र. परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने गुरुवार को जारी एक सूचना में कहा कि 24 व 25 मार्च को मुख्य पर्व की तिथि से पूर्व व उसके बाद विभिन्न गन्तव्यों के लिए जनसामान्य का भारी संख्या में आवागमन देखते हुए यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से बसों को शत-प्रतिशत आनरोड करते हुए संचालन कराया जाएगा। इस कड़ी में प्रत्येक क्षेत्र सभी बसों की यांत्रिक एवं भौतिक दशा को मजबूत व ऑनरोड कराकर शत-प्रतिशत संचालन सुनिश्चित करेगा। सभी सक्षम चालक-परिचालक से संचालन का कार्य लिया जाएगा।

अतिरिक्त बैठने की भी व्यवस्था

एमडी ने कहा कि एसी बसों के संचालन को निर्धारित कर आनलाइन बुकिंग, आरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यात्रियों के बैठने की अतिरिक्त व्यवस्था के साथ-साथ सभी बस अड्डों पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, शौचालय एवं परिसर की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

अखिलेश का पल्लवी से समझौता टूटा, लोकदल से नाता जोड़ा

लोकदल के प्रमुख सुनील सिंह ने रालोद को बताया डुप्लीकेट पार्टी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोक दल ने सपा को दिया समर्थन

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के बीच जहां एक ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पल्लवी पटेल के कदमताल न करने की बात सामने आ गई वहीं, दूसरी ओर सपा को रालोद के जाने के बाद लोक दल का साथ मिल गया है। अपना दल कमेरावादी सपा से अलग होकर अपने प्रत्याशी उतार रही है। इसी पार्टी की नेता पल्लवी पटेल भी सपा उम्मीदवार के मुकाबले मैदान में उतरने को तैयार है।

लोक दल के प्रमुख सुनील सिंह ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन को समर्थन देने की घोषणा की। सुनील सिंह ने इस दौरान जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल को डुप्लीकेट पार्टी करार दिया। इस मौके पर सपा प्रमुख ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की असली पार्टी लोकदल सपा के साथ आ गई है। वहीं, अखिलेश यादव ने भी सुनील को धन्यवाद देते हुए कहा कि असली लोक दल सपा के साथ है।

बीते दिनों राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रमुख जयंत चौधरी ने सपा से गठबंधन तोड़कर भाजपा के साथ आए थे, अब अपना दल (कमेरावादी) ने भी सपा गठबंधन से अलग होकर अपना रास्ता चुन लिया है। इसकी औपचारिक घोषणा गुरुवार खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकार-वार्ता ने की।

सपा में खुले है वरूण गांधी के लिए दरवाजे : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीलीभीत लोकसभा सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार भले उतार दिया हो लेकिन वरूण गांधी के लिए रास्ते अब भी खोल रखे हैं। दरअसल, वरुण के सपा से चुनाव लड़ने की खबरों के बीच अखिलेश यादव ने बुधवार को पीलीभीत से भगवत सरन गंगवार को प्रत्याशी घोषित कर दिया। बावजूद इसके पार्टी की ओर से ऐसे संकेत मिले हैं कि वरूण आगे आएं तो सपा टिकट बदल देगी।

सपा का पीलीभीत से उम्मीदवार बनने के बाद भगवत सरन से जब मीडिया प्रतिनिधियों ने सवाल किया कि, अगर वरुण गांधी को भाजपा से टिकट नही मिला और उन्होंने सपा से टिकट मांगा तो वो क्या करेंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि अगर हाई कमान ने उन्हें टिकट दिया तो वो अपनी सीट खुशी-खुशी छोड़ देंगे।

हालांकि वरुण गांधी ने पीलीभीत से ही चुनाव लड़ेने की तैयारी कर ली है। अगर भाजपा से उनका टिकट कटा तो वह निर्दलीय भी मैदान में उतर सकते हैं।

भाजपा ने चंदा वसूली कर ली इसलिए विपक्षी पार्टियों के अकाउंट सीज हो रहे : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि, भाजपा चंदा वसूली और चंदा चोरी में बेनकाब हो चुकी है। अखिलेश का यह भी आरोप है कि भाजपा ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कम्पनी तक से चंदा वसूली की है। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि, चंदा वसूली की पोल खुल जाने से बौखलाई भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। सपा प्रमुख के मुताबिक, जनता को पता ही नहीं चला कि वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी चंदा वसूली कर ली गई। भाजपा विपक्षियों के अब कुछ एकाउण्ट भी सीज कर रही है क्योंकि उसकी चोरी उजागर हो गयी है। अखिलेश गुरुवार को सपा के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद मीडिया के सामने विचार प्रकट कर रहे थे।

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने तय किए यूपी के प्रत्याशियों के नाम

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की दिल्ली में गुरुवार को हुई बैठक में प्रदेश की 17 लोकसभा सीटों के प्रत्याशियों पर मंथन हुआ। पार्टी की ओर से प्रत्याशियों के नामों की औपचारिक घोषणा नहीं की गई। प्रत्याशियों की सूची जल्द जारी होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में ज्यादातर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि अमेठी सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी व रायबरेली सीट से प्रियंका गांधी के नाम पर सहमति बनी है। इसके अलावा वाराणसी से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, बाराबंकी से तनुज पुनिया, अमरोहा से दानिश अली अंसारी, कानपुर से आलोक मिश्रा, बासगांव से सदल प्रसाद सिंह, देवरिया से अखिलेश सिंह, झांसी से प्रदीप जैन आदित्य व सहारनपुर से इमरान मसूद के नाम तय किए गए हैं। मालूम हो कि दानिश अली अंसारी हाल ही में बसपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि पार्टी जल्द ही सूची की औपचारिक घोषणा करेगी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद पार्टी पर सूची शीघ्र जारी करने का दबाव बना हुआ है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों की ओर से केंद्रीय नेतृत्व को कहा गया है कि प्रत्याशियों की सूची शीघ्र जारी की जाए ताकि प्रत्याशी चुनाव की तैयारी समय से शुरू कर सकें।

गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर जनता दल लोकतांत्रिक की महिला प्रदेश अध्यक्ष परिणीता सिंह समेत पदाधिकारी महिलाएं और फिल्म अभिनेता समेत दर्जनों लोगों ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ली। अमृत विचार

रालोद में फिल्म अभिनेता समेत दर्जनों महिलाएं हुईं शामिल

अमृत विचार, लखनऊ : जनता दल लोकतांत्रिक की महिला प्रदेश अध्यक्ष परिणीता सिंह समेत पदाधिकारी महिलाएं और फिल्म अभिनेता आदि दर्जनों लोगों ने गुरुवार को राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष रामशीष राय और राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे की मौजूदगी में सभी ने लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 400 पार कराने का संकल्प लिया। पार्टी का गमछा व माला पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराने के बाद राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बताया कि रालोद की विचार धारा लोगों को दिल से जोड़ती है, पार्टी का जनाधार बढ़ता जा रहा है। उक्त क्रम में ही जनता दल लोकतांत्रिक की महिला पदाधिकारी बीना गुप्ता, सुशीला मदान, हरजीत भल्ला, चरणजीत भल्ला, मोना अरोडा, कुसुम यादव, फिल्म अभिनेता व समाज सेवक नितिन नाथ ने पार्टी की सदस्यता ली है। साथ ही मुस्लिम समाज के दर्जनों लोगों ने सदस्यता ग्रहण करते हुए पार्टी की विचारधारा में आस्था व्यक्त की। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह ज्वाइनिंग कमेंटी के रजनीकांत मिश्रा, वसीम हैदर, अम्बुज पटेल, बीएल प्रेमी, सम्राट सिंह चौहान व महेश पाल धनगर आदि तमाम लोग मौजूद रहें।

रोस्टर से चलेंगे बंद प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गांवों में 16-16 लाख रुपये से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बने अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र शोपीस बने हैं। करीब 55-50 केंद्रों में ज्यादातर संचालित नहीं हो पाएं हैं। इससे गांवों के साथ पर्यावरण को स्वच्छ रखने की कवायद अधूरी है।

केंद्र के साथ राज्य सरकार ने अधिकांश यूनिट निर्मित होने के बाद क्रियाशील न होने पर नाराजगी जताई है। निर्देश के क्रम में पंचायती राज विभाग रोस्टर बनाकर गांव-गांव अपशिष्ट प्लास्टिक एकत्र करेगा और बराबर यूनिट संचालित कर निस्तारण करेगा। साथ ही सफाई कर्मी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जो सप्ताह में लक्ष्य के अनुसार प्लास्टिक एकत्र कर कलेक्शन सेंटर पर पहुंचाएंगे और वहां से यूनिट पर भेजेंगे। इस कार्य का एक सफाई कर्मी व ग्राम पंचायत का रजिस्टर बनेगा। जिस पर उपस्थिति से लेकर पूरे कार्य का ब्योरा दर्ज किया जाएगा। विकास खंड पर प्लास्टिक कलेक्शन सेंटर बनाया जाएगा। निर्माण 15वें वित्त की टाइट ग्रांट से होगा।

सड़क निर्माण के लिए बेचनी है प्लास्टिक

इस योजना का मकसद गांवों घरों से फेंकी जाने वाली अपशिष्ट प्लास्टिक का निस्तारण कर गांवों को स्वच्छ रखना है। साथ ही प्लास्टिक का यूनिट में निस्तारण कर इसके दाने बनाकर सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग व ठेकेदारों को बिक्री करना है। इसका मिश्रण डामर में प्रयोग होता है। इससे बनी सड़कें ज्यादा टिकाऊ होती हैं। बिक्री से मिलने वाली धनराशि ग्राम पंचायत की आय है।

शाइस्ता और जैनब के छिपे होने के इनपुट पर आधी रात पड़ा छापा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आधा दर्जन थानों की पुलिस ने प्रयागराज के चकिया और हटवा क्षेत्र को घेरा

अमृत विचार : उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही फरार 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन और उसकी देवरानी जैनब उर्फ रूबी के शहर आने की सूचना पर बुधवार की देर रात सनसनी फैल गई। जानकारी मिलते ही आधा दर्जन थानों की फोर्स लेकर पहुंचे पुलिस अफसरों ने आधी रात प्रयागराज के चकिया और हटवा में छापा मारना शुरू कर दिया। इस दौरान चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। रास्तों से गुजरने वाली हर लग्जरी कार को रोककर चेकिंग की गई। रात 12:00 बजे शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन सुबह चार बजे तक चलता रहा।

माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन उमेश पाल हत्याकांड में नामजद अभियुक्त है। उधर उसके देवर अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा उर्फ रूबी की भी पुलिस तलाश कर रही है। दोनों उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही फरार हैं। प्रयागराज पुलिस के साथ ही एसटीएफ भी उनकी तलाश में लगी हुई है।

बुधवार रात 11:30 बजे के करीब मिले एक खुफिया इनपुट ने पुलिस अफसरों की नींद उड़ा दी। बताया गया कि शाइस्ता परवीन और जैनब किसी से मिलने शहर में पहुंची हैं। इसके बाद आधे घंटे के भीतर तमाम अफसर धूमनगंज पहुंच गए। यहां आधा दर्जन थानों की फोर्स भी बुला ली गई। रात करीब 12:00 बजे भारी पुलिस बल ने पहले हटवा गांव में छापा मारा। पुलिस फोर्स अतीक के करीबियों के घर के आसपास पहुंची और वहां रहने लोगों से पूछताछ की। गांव की ओर आने वाली हर लग्जरी कार को रोककर तलाशी ली गई। हटवा से होते हुए पुलिस फोर्स चकिया पहुंची। यहां भी सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

पुलिस फोर्स अतीक के मलबे में तब्दील हो चुके पैतृक मकान पर भी पहुंची और तलाशी ली। बताते चलें कि शाइस्ता परवीन पिछले साल 16 अप्रैल को आखिरी बार शहर में देखी गई थी। अतीक और अशरफ की हत्या के अगले दिन वह माफिया के करीबी जफरुल्लाह के खुल्दाबाद स्थित घर पर पहुंची थी।

वर्ग पहेली-17

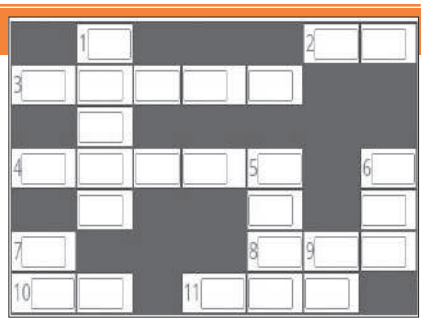

बाएं से दाएं

2.1. मानव मुख से निःसृत सार्थक शब्द, ध्वनि 2. बोलने या बातचीत करने की शक्ति, वाचा 3. मुंह के अंदर का वह लंबा चपटा मांस पिंड जिससे रसों का आस्वादन और उसकी सहायता से शब्दों का उच्चारण होता है, जिह्वा 4. विद्या और वाणी की अधिष्ठात्री देवी, सरस्वती।

4.1. अकथित, अनुक्त, अनभिव्यक्त 2. अवर्णित, अनुल्लिखित।

6.1. पेड़ की टहनी या बांस आदि का किसी लंबी वस्तु के दबाव आदि से झुकना या मुड़ना, लचना 2. नखरे-नज़ाकत से स्त्रियों की कमर का बल-खाना।

7. पिया जाने वाला पदार्थ, पेय पदार्थ

8.1. ढुलकने वाली वस्तु या चीज़, बेलन, बेलना 2. एक प्रकार का वाहन जिसका उपयोग भूमि समतल करने के लिए किया जाता है 3. बालों को घुंघराले करने का एक उपकरण।

9.1. बादलों का समूह, मेघमाला 2. (संगीत) मेघ राग की एक रागिनी।

ऊपर से नीचे

1. वह स्थान जहां दवाओं का निर्माण अथवा बिक्री होती है

3.1. मोहित करना, रिझाना 2. मन में अपने प्रति चाह उत्पन्न करना, ललचाना 3. बहकाना।

4.1. अकड़ने की क्रिया या भाव, ऐंठ, तनाव 2. घमंड, अहंकार, दर्प, हेकड़ी 3. ठंड आदि के कारण अंगों में होने वाली अकड़ाहट, कड़ापन, तनाव 4. स्वाभिमान, गर्व 5. ज़िद, हठ, ढिठाई 6. हिमाकत। (मु.)-जाना : ज़िद या हठ पर अड़ जाना, सूखकर कड़ा हो जाना। -दिखाना : अभिमान प्रदर्शित करना।

5.1. कार्य पूरा करने का साधन, अभीष्ट सिद्ध करने का साधन, प्रयास 2. उपाय, उद्योग, युक्ति, तरकीब 3. प्रबंध, इंतज़ाम 4. सुझाव।

7. पिटारी, छोटी पिटारी।

वर्ग पहेली -16 का हल

	1 सु				2 दू	ध
3 खु	र	खु	रा	ना		
	था					
4 आ	मि	ष	भो	5 जी		6 ध
	नी			वां		नु
7 मी				8 त	9 लु	आ
10 त	ली		11 अं	क	क	

सुडोकू -96

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			6		8	5		
	2		9			4		
				3				
6		7	8				3	
		2				7		9
	5				7			
		8		5	2			
		1					6	
		9	4		6			7

सुडोकू -95 का हल

3	8	4	1	9	2	7	5	6
5	9	7	3	6	8	4	2	1
2	6	1	7	4	5	3	9	8
6	7	2	4	8	1	9	3	5
9	4	5	2	3	6	8	1	7
1	3	8	5	7	9	6	4	2
8	5	9	6	2	3	1	7	4
7	1	3	8	5	4	2	6	9
4	2	6	9	1	7	5	8	3

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 मार्च, शुक्रवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-त्रयोदशी पूर्ण रात्रि।

आज का पंचांग

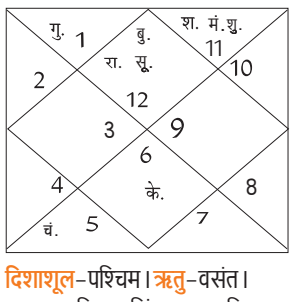

दिशाशूल-पश्चिम। ऋतु-वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मघा 23 मार्च 04.28 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष — आज आय के वैकल्पिक स्रोतों पर काम शुरू कर सकते हैं। महिलाओं को यात्रा आदि के दौरान कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों के ऊपर से काम का बोझ कम होगा। भाई-बहनों के मध्य प्रेम भाव बढ़ेगा।

वृष — आज व्यापार को गतिशील रखने के लिए बड़ा निवेश करना पड़ेगा। घर के लोगों से नाराजगी हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन समय पर कर लेना चाहिए। मित्रों के साथ अनबन होने की संभावना बन रही है।

मिथुन — आज स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा। व्यर्थ के कार्यों में आप धन खर्च करेंगे। दूसरे शहरों में रहने वाले लोग अपने शहरों की यात्रा कर सकते हैं। नई संपत्ति की खरीदी करने का विचार बना सकते हैं। लोग आपसे सलाह लेना पसंद करेंगे।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी जिसका परिणाम सार्थक ही होगा। आडंबर और दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। व्यवसाय में आपको प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी टक्कर मिलेगी।

सिंह — आज कारोबार में आपको बड़े अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। युवा अपने करियर को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। आप सबके साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे जिससे आप सबके चहेते बन जाएंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या — आज जीवनसाथी से कोई बात न छिपाएं। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। कानून विरुद्ध जाकर भी कोई काम करना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऑफिस कनिष्ठों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

तुला — आज तय समय पर अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। लोग आपसे सलाह लेने का प्रयास करेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। व्यापार में अचानक धन लाभ मिलेगा।

वृश्चिक — आज पुरानी संपत्ति के विक्रय के अचानक योग बन रहे हैं। समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। धन के लेनदेन में चूक हो सकती है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। व्यक्तिगत समस्याओं का असर आपके काम पर भी पड़ सकता है।

धनु — आज घर में मेहमान आ सकते हैं। मनोरंजन युक्त चर्चाओं का आनंद उठाएंगे। परिजन आपका सम्मान करेंगे। धर्म को लेकर मन में कुछ गलत बातें मन में आ सकती हैं। व्यापार में आप कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं।

मकर — आज दूसरों के कार्यों में अनर्गल हस्तक्षेप न करें। कोई महत्वपूर्ण कार्य स्थगित हो सकता है। अपनी क्षमताओं का दुरुपयोग न करें। वैवाहिक संबंधों को लेकर थोड़े भावुक रहेंगे। आपको लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए।

कुंभ — आज राजनीति से जुड़े लोगों को मीडिया में प्रसिद्धि मिल सकती है। समझदारी पूर्वक लिए गए निर्णय भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। यात्रा को लेकर अपनी योजना बदल सकते हैं।

मीन — आज कुछ लोग आपकी खुशियों और सफलता से ईर्ष्या करेंगे। रक्तचाप के रोगियों को थोड़ी भी असहजता महसूस हो तो कृपया तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। महिला वर्ग अपने काम को लेकर कुछ तनाव में हो सकता है।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
नजर के सामने — सुबह : 11.00
तकदीर का तमाशा — रात : 07.00

SONY PIX
टैक्सी ड्राइवर — सुबह : 09.55
स्पाइडर मैन 2 — रात : 09.00

SONY SMAX
पटेल की पंजाबी शादी — सुबह : 10.52
आशिकी — रात : 07.00

ZEE CINEMA
तरला — सुबह : 10.05
जब हैरी मेट सेजल — रात : 08.30

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात : 08.30 बजे

colors CINEPLEX
महान — सुबह : 10.30
दिल — रात : 07.04

जोक्स ऑफ द डे

पत्नी चिल्ला कर बोली- आज शाम को जल्दी घर आ जाना
पति- क्यों कुछ खास है क्या?
पत्नी- मायके से रिश्तेदार आ रहे हैं
पति- मेरा दिमाग मत खाओ, मैं व्यस्त हूं कौन-कौन आ रहा है?
पत्नी- मेरी दोनों छोटी बहनें आ रही हैं।
पति खुश होकर बोला- तुम्हारे रिश्तेदार मतलब मेरे रिश्तेदार, पक्का समय से आ जाऊंगा।

लड़का शादी के लिए लड़की देखने गया। उसने सोचा क्यों न लड़की से अंग्रेजी में बात करूं?
उसने लड़की से पूछा- इंग्लिश चलेगी न?
लड़की- जी प्याज और नमकीन साथ हो तो देशी भी चलेगी।

मूर्खस्तु परिहर्तव्य : प्रत्यक्षो द्विपद : पशु : ।
भिनत्ति वाक्यशूलेन अदृश्ययं कण्टकं यथा ॥

मूर्ख व्यक्ति को दो पैरों वाला पशु समझकर त्याग देना चाहिए, क्योंकि वह अपने शब्दों से शूल के समान उसी तरह भेदता रहता है, जैसे अदृश्य कांटा चुभ जाता है।

संपादकीय

केंद्र के फैसले पर रोक

केंद्र सरकार को उच्चतम न्यायालय से झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार की उस तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) पर रोक लगा दी है, जिसे आनलाइन कंटेट की निगरानी के लिए बनाया गया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड पर रोक लगाकर भाजपा समेत तमाम राजनीतिक दलों को झटका दिया था। गुरुवार को उच्चतम न्यायालय ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव का विश्लेषण करने को अनावश्यक बताते हुए एफसीयू से संबंधित केंद्र सरकार की एक दिन पहले की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ है। इस इकाई को 2023 में कानून में शामिल किया गया था। मगर इस यूनिट को कानून में शामिल करने की कोशिश विवादों के घेरे में रही है। सरकार ने एक दिन पूर्व ही अधिसूचना जारी कर इसे लागू किया था। कई पत्रकारों और विशेषज्ञों ने आशंका जताई कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार की आलोचना करने वाली मीडिया की स्वतंत्र रिपोर्टिंग को कुचलने की कोशिश है। बांबे हाईकोर्ट ने 11 मार्च को इस अधिसूचना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। याचिकाकर्ताओं कहना था कि सबके लिए एक स्वतंत्र एफसीयू रहनी चाहिए जबकि केंद्र सरकार इसे सिर्फ अपने लिए ला रही है, जो मनमाना है। क्या गलत है या क्या नहीं, यह तय करने के लिए एफसीयू केंद्र के फैसले पर निर्भर नहीं हो सकता। चुनाव के समय एफसीयू केंद्र के लिए एक हथियार बन जाएगा, जिससे वे तय करेंगे कि मतदाताओं को कौन सी जानकारी दी जाए। पीठ ने कहा मामला गंभीर संवैधानिक सवालों से जुड़ा है। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रश्न संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) पर मुख्य प्रश्नों से संबंधित हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार परिषद भी इंटरनेट के अधिकार को मौलिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने के उपकरण के रूप में मानता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक बांबे हाई कोर्ट सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में पेश संशोधनों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला नहीं सुना देता। अब लोकसभा चुनाव के समय आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और प्रमुख कर्मियों को चुनाव कार्य में व्यस्त कर दिया गया है। केंद्र के एक अलग तथ्य-जांच इकाई बनाने के प्रयास फिलहाल विफल हो गए हैं। महत्वपूर्ण है कि विचारों की आजादी लोकतंत्र का आधार है। देखना होगा कि सोशल मीडिया को जिम्मेदार व जवाबदेह बनाने की दिशा में कैसे जागरुकता बढ़ाई जाए।

मंदिर-मठों के बौद्धिक नवजागरण पर चिंतन

रणवीर सिंह फोगाट
इतिहासकार

इस मामले में भारत के सामान्य प्रवृत्ति के नेतागण और व्यक्ति अजीब प्रकृति के रहे हैं। सन् 1952 से पहले भी भारत में चुनाव हुए थे, लेकिन तब के नेता मठाधीशों से आशीर्वाद लेने नहीं गए थे। यह अलग बात है कि नए स्थापित किए जाने वाले मंदिर आजीविका के लिए निर्मित किए जाते हैं जिनमें निवास करने वाला पुजारी वर्ग आमजन के लिए सिर्फ कर्मकांड और पूजा-पाठ कर्म में सहायक होते हैं।

अधिकांश भारत मूर्तियों और मंदिरों में ही उलझा हुआ है। प्राचीन समय में मंदिरों का निर्माण नगर और गांव से बाहर किया जाता था और इन्हें या तो मठों के निकट या भीतर निर्मित किया जाता था या इन्हें नागर शैली में नगर से बाहर एक जल स्रोत के निकट के शांत और वनाच्छादित क्षेत्र में स्थापित किया जाता था ताकि ये एक इंस्टिट्यूशंस ऑफ आर्ट एंड नॉलेज की तरह से कार्य कर सकें। यहीं रहकर एकाग्रता से चिंतन, अध्ययन और अन्वेषण की प्रक्रिया पूरी होती थी।

कुछेक ऐसे ही देवालय-मठ इतने विशाल थे जिनकी व्यवस्था राजकोष से या इन्हें दान में दी गई भूमि से हुआ करती। इस भूमि पर कृषि कार्य करके फसल उगाकर अन्न पैदा किया जाता था और गोचारण में गाय रखने के अलावा अन्य भारवाहक पशु रखने की भी व्यवस्था हुआ करती। अनेक मठों में हाथी भी रखे जाते थे। छात्रों और अध्येताओं से शुल्क नहीं लिया जाता था। भारत की व्यवस्था ऐसी ही थी, लेकिन डेमोक्रेसी और इलेक्शन्स ने भारत के लोगों में एक आदत यह पैदा की कि, ज्ञान के इन पारंपरिक 'अस्थानों' (आस्था-स्थल अथवा संस्थान) को वास्तु कला और ज्ञान-सृजन की परिधि से निकाल कर सिर्फ दर्शनीय और कर्मकांड स्थल बना दिया गया। राजनेताओं की जमात सत्ता-सुख की प्राप्ति के लिए आशीर्वाद स्थल के रूप में इन्हें ऐसे इस्तेमाल करने लगी जैसे की यह इनका निजी अधिकार हो गया है।

एक मिनी विश्वविद्यालय के रूप में काम करने वाले प्राचीन समय में स्थापित मठों और ज्ञान-संस्थाओं का ह्रास चिंतित करता है, क्योंकि इन्हें अपेक्षाकृत कर्मकांड और पूजा-पाठ का स्थल समझा जाने लगा है। इसलिए कि हिम्मत करके कोई यह बताने वाला नहीं रहा कि सैकड़ों और हजार से अधिक साल से आबाद रहे मंदिर संस्थानों-मठों की स्थापना का वास्तविक उद्देश्य क्या था। इनका सही उद्देश्य नए ज्ञान का सृजन करना, ज्ञान को लिपिबद्ध करना स्मृति और श्रुति दोनों विधियों से और ज्ञान का प्रसार तर्क और न्याय के तत्वों का ध्यान रखना करना था। यूरोप में ईसाई मत में और इस्लाम में ऐसा हुआ तो परंतु काफी बाद में और चुनिंदा विधाओं में।

द्वारकाधीश मंदिर का पुनर्निर्माण भारत के राजकोष से तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की रहनुमाई में जब हुआ था तब जनभावनाओं का ऐसा सैलाब नहीं था जैसा अयोध्या में पुनर्निर्मित मंदिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के समय पर देखने में आया।

इनके मुकाबले में हिंदू ज्ञानकोष और वांग्मय में अत्यधिक विस्तार है जिसे यूरोपियन और अन्य अनेक भारत अध्येताओं ने स्वीकार किया है, सिवाय मैक्स म्युलर के जो पूरे भारत को ईसाईयत से सराबोर करना चाहते थे। भारत में जन्मे गौतम बुद्ध की शिक्षाओं को मानने वाले दक्षिण एशिया के देशों के राजनीतिज्ञ बौद्ध मठों में जाकर राजसत्ता प्राप्त करने के लिए आशीर्वाद लेते हुए कभी नहीं देखे जाते सिवा ऐसे अवसर के जब या तो राजा का अभिषेक होता है या फिर किसी उत्सव के समय।

इस मामले में भारत के सामान्य प्रवृत्ति के नेतागण और व्यक्ति अजीब प्रकृति के रहे हैं। सन् 1952 से पहले भी भारत में चुनाव हुए थे, लेकिन तब के नेता मठाधीशों से आशीर्वाद लेने नहीं गए थे। यह अलग बात है कि नए स्थापित किए जाने वाले मंदिर आजीविका के लिए निर्मित किए जाते हैं जिनमें निवास करने वाला पुजारी वर्ग आमजन के लिए सिर्फ कर्मकांड और पूजा-पाठ कर्म में सहायक होते हैं। यह भी विचित्र है कि इन कर्मकांडों में वैदिक और वैष्णव दोनों ही पद्धतियों से कार्य निष्पादन होता है। लोगों की आस्था अब मंदिरों-मठों में रहने वाले ज्ञानियों द्वारा ज्ञान सृजन, अन्वेषण और परंपरा से ज्ञान के आख्यान का मूल्य समझने की उतनी नहीं रही जितना कर्मकांड में दिखाई जाने वाली 'आस्था' के प्रति बढ़ गई प्रतीत होती है। आस्था भाव एक हद तक ही सही है, लेकिन मनुष्य को अगर यह पोंगापंथी बनाए और बारम्बार एक ही रिचुएल को करते रहने की उसके मन में आदत डाल दे तो इससे विचारों की उन्नति में बाधा उत्पन्न होती है। व्यक्ति में नया काम करने के लिए उत्साह नहीं रहता और वह डरपोक बनता है। 'धर्म', प्रकृति और मनुष्य समाज में जीने की एक तरह की अद्वितीय पद्धति है जिसका संप्रेषण भाव संस्कृतिनिष्ठ कार्य पद्धति में दिखाई देता है। पूजा-पाठ और कर्मकांड तो इस समग्र संस्कृति का एक छोटा सा अंश मात्र हैं। इसे ही प्रमुख बना देना अव्यावहारिक है। यह विचित्र ही नहीं, लेकिन सत्य बात है कि खेत या कहीं और श्रम करने वाला व्यक्ति पूजा-पाठ और कर्मकांड से अधिकतर दूर रहता है।

इतिहास बताता है कि धर्म के पारंपरिक स्वरूप के प्रति आस्था और भय का प्रभाव यूरोप के लोगों में भारत से भी अधिक बड़ा था, क्योंकि वहां के धर्माचार्यों ने इसे रहस्यमयी और क्रूर भी बनाया जैसा कि पूर्वी यूरोप के रोमानिया, बुल्गारिया और स्पेन के प्राचीन ईसाई मठों के इतिहास से मालूम होता है। हिंदुस्तान में 'धर्म' के प्रति, जैसा कि इसे प्रेक्षित किया जाता रहा, भय का भाव तो कभी था ही नहीं। 'निर्भय हो' कथन आचार्य वर्ग ने हमेशा प्रतिस्थापित और संप्रेषित किया। यह भाव तब पैदा हुआ जब विदेशी आक्रांताओं से मुकाबला करने और इन्हें देश की उत्तर-पश्चिमी सीमाओं से परे खदेड़ने में भारत बिल्कुल नाकामयाब हो गया। 'धर्म' के बारे में विवेचना, विमर्श और आलोचना की प्रवृत्ति को आघात पहुंचाया गया। आधुनिक भारत में क्षुद्र-प्रवृत्ति राजनीतिज्ञों ने मौके पर इस स्थिति का शोषण किया है। सरदार पटेल और नेहरू जैसे चंद राजनीतिज्ञ ही ऐसे हुए जिन्होंनें धर्म-संस्कृति से जुड़ी हुई संवेदना का शोषण करने की प्रवृत्ति से गुरेज किया।

द्वारकाधीश मंदिर का पुनर्निर्माण भारत के राजकोष से तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की रहनुमाई में जब हुआ था तब जनभावनाओं का ऐसा सैलाब नहीं था जैसा अयोध्या में पुनर्निर्मित मंदिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के समय पर देखने में आया। ऐसे अवसर दुर्लभ की श्रेणी में आते हैं और आपत्ति से परे। राजनीति करने वालों की आम प्रवृत्ति या आमजन की आम दिनों वाली प्रवृत्ति से विलग भाव से इसमें देखने की जरूरत है। निहितार्थ, फिर भी दूरगामी प्रभाव वाले तो हैं हीं। आमजन को इस प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। राजनीति करने वालों को भी चुनाव के दिनों में इस प्रवृत्ति के प्रदर्शन से तौबा करनी होगी। धर्माचार्यों और समाज के बौद्धिकों को वास्तविक ज्ञान प्रणाली से प्रशिक्षित बौद्धिक क्षमता के आधार पर बहुत सी बातों को नकारने की हिम्मत पैदा करनी होगी। हमारे ज्ञान ग्रंथों की व्यवस्था में ऐसे निर्देश नहीं है जिसके अंतर्गत आममन के भीतर धर्म-भीरू या देव-भीरू स्वभाव की उत्पत्ति की जाए। भारत में 'युगों' की बात भी बेमानी है, क्योंकि यह हमारे ही आचार्यों और गणितज्ञों -आर्यभट और भास्कर के अध्ययनों से मेल नहीं खाता। भारत में इन्हीं आचार्यों द्वारा काल गणना की सर्वमान्य वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार पुराणों में दी गई काल गणना, कथा-तत्व के नाते, सिर्फ एक 'फिक्शनल हिस्ट्री' है। क्या सतयुग में मनुष्य दुखी नहीं था? क्या सतयुग और त्रेतायुग में छल और हिंसा नहीं थी? पुराणों में अनेक कहानियां ऐसी हैं, जो मनुष्य मात्र में देवों और नरेशों के प्रति भय की उत्पत्ति करती हैं।

उपरोक्त के मद्देनजर हिंदुओं, पारसियों, मुसलमानों और बौद्धों के 'धर्म' पर मीमांसक ग्रंथ अब उपलब्ध हैं। कुछ रोज से मैं सन् 1832 में प्रकाशित किताब 'ऑब्ज़र्वेशंस ऑन द मुसलमान्स ऑफ इंडिया -ए डिस्क्रिप्टिव ऑफ देयर मैनर्स, कस्टम्स, हैबिट्स एंड रिलिजियस ओपिनियन्स' ध्यानपूर्वक देख रहा हूं। इसे मीर हसन अली की बेगम साहिबा ने दो खंडों में तकरीबन ग्यारह सौ प्रकाशित पन्नों में उपलब्ध करवाया। इसकी भूमिका भारत में दशकों तक निवास करने वाले अंग्रेज स्कॉलर-ब्यूरोक्रेट विलियम क्रूक ने लिखी। हमारे देश में मुसलमानों की संस्कृति की जो झलक इसमें से निकलती है उसके अनुसार बहुत सी रवायतों, परंपराओं और कार्य पद्धतियों में वैज्ञानिकता का पुट है। धर्मांधता और अंधविश्वास बाद में कैसे निर्मित हुए, यह विश्लेषण की विषय वस्तु है। ऐसी ही पुस्तक हिंदुओं के बारे में उपलब्ध हैं जिनमें वैज्ञानिक तत्वों की व्याख्या के बारे अब बात नहीं होती। आमजन के गाइड वही हैं, जो अल्प-बौद्धिक हैं और धर्म-संस्कृति के गलत आख्यान देते हैं।

प्रसंगवश

परमार्थ की ओट में स्वार्थ सिद्धि

चुनाव का चित्र अब स्पष्ट हो गया है। थोड़ा बहुत झोल-झक्कड़ है तो उसे भी समाप्त कर लिया जाएगा। प्यार मोहब्बत नाराजगी शुरु है। इधर से उधर, उधर से इधर आना-जाना भी चल रहा है। हर पार्टी ने कुछ नए जोड़े कुछ पुराने छोड़े। किसी का दिल जुड़ाया तो किसी का टूटा। कोई बल्ले-बल्ले उछल रहे हैं तो कोई छले जाने का दोष लगा रहे हैं। अपनी कमजोरी और खामियां कोई नहीं बता रहे। सब दूसरों में खोट निकाल रहे हैं। पांच सालों तक मटरगश्ती करने वाले नेताजी ने फिर से हाथ जोड़ना और दांत निपोरना शुरू कर दिया है। सांसदों का गोद लिया गांव आज भी बदहाल है, यह और बात है कि नेताजी सदा खुशहाल बने रहे। सीटी बज गई तो चुनावी दंगल के पहलवान ताल ठोंककर कूदने के लिए तत्पर हो गए। उतर अखाड़े कूदते, लेकर अपने दांव!/अपने-अपने पैंतरे, घोषित हुआ चुनाव!! केंद्रीय शासन पर काबिज भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए इंडिया महागठबंधन बनाने का बिगुल फूंका तो गया, मगर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उसमें छेदकर दिया और उसकी हवा फुस्स से निकाल दी।

डॉ. संजय पंकज
मुजफ्फरपुर

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपने लाल तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए हड़बड़ाए हुए थे। मामला यहीं से गड़बड़ हो गया। नीतीश बाबू को सत्ता की कुर्सी बड़ी प्यारी लगती है। उसे छोड़ना भी नहीं चाहते हैं। अपने बिगड़ते हुए माथे का भी उन्हें ख्याल नहीं है। क्या से क्या बोल जाते हैं यह भी उन्हें पता नहीं रहता है, लेकिन यह सब उनकी महत्वाकांक्षा को मजबूती ही देता है तभी तो कभी नहीं बीजेपी समझौता कर सकती है जैसी घोषणा के बावजूद बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व सारी पुरानी बातों को भूलकर उनके साथ चिपक जाता है।

अल्टू-पल्टू बनी रही पार्टियां और नीतीश जी का पलटू राम नाम रख दिया, जबकि नीतीश जी तो मुख्यमंत्री पद पर स्थिर हैं, आज भी बने हुए हैं। पार्टियों की नीतियों की दुहाई देने वाले बड़े-बड़े सूरमा सिद्धांतों को ताक पर रखकर घुटने टेक देने में तनिक भी हिचकते नहीं हैं। भारत जोड़ो यात्रा पर धूम धड़ाके के साथ निकलते रहे कांग्रेस के राजकुमार चाटुकारिता में बड़े-बड़े बोल और बयान देते रहे पाले-पोसे हुए तोते। प्रायोजित होती रही रैलियां। अधिकार और रोजगार की मांग पर बरसती रही लाठियां! परेशान होते रहे युवा और किसान! बदहाल रही जनता। परोसे जाते रहे भाषण और आश्वासन। बुला-बुलाकर विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को दिखलाया गया रुतबा, सुनाई गई विरुदावलियां। दुहाई दी गई भारत की महान जनता और संस्कृति की। सबने मूल समस्याओं को नजरअंदाज किया। धरती और प्रकृति जार-जार रो रही है और आकाश में नगाड़ों की धमक गूंज रही है। धरती के भगवान बेहाल हैं और आसमान में उड़ रहे हैं देवराज! सब अपनी-अपनी धुन में हैं। राजनीति में स्तर की बात सब करते हैं, मगर धज्जियां उड़ाते हुए जैसी भाषा और व्यवहार का प्रदर्शन होता है उसे क्या कहा जा सकता है? चुनावी समर में जिन वीर-बांकुरों की घोषणा हो गई वे उछल-उछलकर, मचल-मचल कर अपनी कर्मठता का बयान दे रहे हैं। अखाड़ा तैयार है। पहलवान ताल ठोंक रहे हैं। कई पहलवानों की लंगोट अदल-बदल गई है। राजनीति का सच तमाम नैतिकताओं के सच से सर्वथा अलग होता है। यहां के सारे कर्मकांड परमार्थ की ओट में स्वार्थ सिद्धि के लिए किए जाते हैं। सामाजिक समरसता के नाम पर दंगे कराए जाते हैं, निर्माण के नाम पर ध्वंस का नजारा खड़ा किया जाता है। ईश्वर, अवतार, स्वतंत्रता सेनानी सबके सब चुनावी वैतरणी की नाव पर चढ़ते उतरते रहेंगे जिसके सम्मोहन में जनता फंस जाए वैसा ही तुरुप का पत्ता फेंका जाएगा।

मुखौटों का बाजार सज गया है। नेताओं का करबद्ध पोस्टर अखबारों से लेकर दीवारों तक पर टंग गया है। मीडिया की दुकानदारी में एक दूसरे की टांग खिंचाई चल रही है। प्रायोजित तू-तू मैं-मैं चालू है। भोली-भाली जनता सचमुच लड़ रही है। अपने-अपने नेता के नाम पर बरसों की सामाजिकता को तोड़ रही है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव चुनाव सारी मर्यादाओं की धज्जियां देता है। देश का हर भाग उद्वेलित और आंदोलित हो गया है। जोड़-तोड़ का गणित बैठाया जा रहा है। कुबेर के खजाने खुल रहे हैं। यमराजों की लाठियां तेल पी रही हैं। नगाड़े बज रहे हैं, शोहदे उछल रहे हैं। कुछ रो रहे हैं तो कुछ ठहाकों में डूब गए हैं। देश की राजधानी में बैठने के लिए सब मचल रहे हैं। बहसें वादे नीतियां, सबकुछ है बकवास!/ सबकी है यह चाहना, दिल्ली हो आवास!!

पर्यावरण हितैषी व्यवहार से ही कम होगा वायु प्रदूषण

डॉ. मनमोहन प्रकाश
स्वतंत्र पत्रकार

वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जो नियम-कानून देश में मौजूद हैं उनका पालन भी सक्षम एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है।

स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग रिपोर्ट ने 2024 में एक बार फिर भारतीयों को प्रदूषण फैलाने वाली आदतों में सुधार करने पर सोचने-विचारने के लिए मजबूर किया है। वहीं केन्द्र व राज्य सरकारों को और कारगर नीतियां बनाने तथा उन्हें शक्ति से लागू करने पर ध्यान देने की ओर संकेत दिया है।

रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार तो विश्व के 50 सबसे वायु प्रदूषित शहरों में से 42 शहर भारत के हैं तथा भारत की राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की दृष्टि से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। इतना ही नहीं इस रिपोर्ट के आधार पर भारत की 96 प्रतिशत आबादी 'खराब एयर क्वालिटी वाले शहरों' में रह रही है। इस रिपोर्ट में प्रदूषित शहर उन्हें माना गया है, जहां 2.5 पीएम का औसत वार्षिक स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ज्यादा हैं। भारत में वायु प्रदूषण के लिए जो प्रमुख कारण दिखाई देते हैं उनमें सम्मिलित हैं। भारतीयों द्वारा पेट्रोल तथा डीजल से चलने वाले वाहनों का अधिक संख्या में इस्तेमाल करना, इसमें भी पुराने वाहनों की संख्या अच्छी खासी है। भारत सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई प्रयास किए हैं। जैसे नई स्क्रेप नीति लागू की है, ई-वाहनों के निर्माण तथा उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है, सीएनजी आधारित चार पहिया वाहनों का चलन बढ़ा है, ऑड-ईवन नंबर वाले फार्मूला भी विकल्प के रूप में उपयोग में लाया जाता है (दिल्ली)।

वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जो नियम-कानून देश में मौजूद हैं उनका पालन भी सक्षम एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है। वायु प्रदूषण को कम करने वाली स्वदेशी तकनीक पर शोध निरंतर जारी है। आने वाले कुछ वर्षों में इसका अच्छा असर दिखना तय है। विकासशील राष्ट्र होने के कारण भारत में निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से निकलने वाले धूल के कणों की अधिक मात्रा वायु में प्रवेश कर 'परक्यूलेट मैटर' को बढ़ा रही है, वायु प्रदूषण का कारण बन रही है। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत के अधिकांश शहर अपने यहां जनसंख्या के अनुपात में आधारभूत सुविधाओं में विकास करने के लिए सड़क, पुल, मेट्रो को विकसित करने, बढ़ाने में लगे हुए हैं, मल-जल निकासी में सुधार कर रहे हैं, पेयजल व्यवस्था को घर-घर तक पहुंचा रहे हैं, आवासीय एवं औद्योगिक भवन, कारखाने, रहवासी तथा औद्योगिक क्षेत्र में वृद्धि आदि करने के लिए संकल्पित हैं। शहरों में कचरे के निष्पादन हेतु चोरी छुपे उसे जलाना जारी है (यद्यपि नगरी प्रशासन द्वारा इस पर प्रतिबंध है, पुर्नचक्रीकरण पर बल दिया जा रहा है, कचरे से ईंधन गैस बनाने पर जोर है, व्यवस्था भी है और तकनीक भी भारत के पास है। इंदौर शहर इसका एक अच्छा उदाहरण है, किसानों द्वारा पराली का जलाना (पराली जलाना नहीं पड़े इसके लिए अल्टरनेटिव व्यवस्था उपलब्ध है, पर ऐसा लगता है वह किसान फ्रैंडली नहीं है, इसीलिए शायद सभी भारतीय किसानों द्वारा उस तकनीक को उपयोग में नहीं लाया जा रहा है।) भी वायु प्रदूषण को बढ़ा रहा है।

लकड़ी के लिए जंगल से पेड़-पौधों को चोरी-छुपे काटना जारी है। साथ ही जिस अनुपात में जंगलों से पेड़-पौधों की कटाई की जाती है, उस अनुपात में पेड़-पौधों लगाने की व्यवस्था माकूल दिखाई नहीं देती है। अभी भी जितना जंगल/वन क्षेत्र भारत के पास (कुल क्षेत्रफल के आधार पर) होना चाहिए, उपलब्ध नहीं है। कोयले से विद्युत उत्पादन, उद्योगों का संचालन और रेल परिवहन की निर्भरता धीरे-धीरे कम की जा रही है। बिजली उत्पादन के लिए भारत में सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार बहुत तेजी से हुआ है, आगामी कुछ वर्षों में इसका असर दिखना शुरू हो सकता है।

हर उद्योगों को चिमनी से निकलने वाले धुएं से वायु को प्रदूषित होने से रोकने वाली तकनीक का उपयोग करने हेतु संकल्प लेने की आवश्यकता है। मेरा तो यही मानना है कि भारत को स्विस रिपोर्ट के दबाव में अपने विकास कार्यों की रफ्तार को धीमी करने की आवश्यकता बिल्कुल नहीं है। हां वायु प्रदूषण को रोकने व कम करने के लिए प्रयास और तेज करने होंगे, डीजल-पेट्रोल की खपत को जितना कम किया जा सकता है कम करना होगा। ईंधन के ऐसे विकल्पों को बढ़ावा देना होगा, जो वायु को कम प्रदूषित करते हैं। साथ ही कुल क्षेत्रफल के अनुपात में आपेक्षित वन क्षेत्र के लक्ष्य को शीघ्र हासिल करना होगा। यह सब संभव है जनसहयोग से, सुविधा भोगी आदतों में बदलाव से, पर्यावरण हितैषी व्यवहार से, प्रदूषण को कम करने के लिए बने नियम-कानून के पालन से।

सोशल फोरम

परंपराओं को अद्यतन कीजिए

हम अपनी परंपराओं पर गर्व करते हैं और उनमें किसी भी परिवर्तन का पुरजोर विरोध करते हैं, लेकिन देखा जाए तो हमारी सारी परंपरा समय, स्थान, काल और जरूरत के आधार पर विकसित होती हैं और समयानुसार बदलती भी रहती हैं। एक ही धर्म में दो अलग स्थानों पर दो अलग-अलग परंपराएं विकसित हो सकती हैं।

तजिंदर सिंह
जमशेदपुर, झारखंड

हिमाचल के सिरमौर जिले में एक जनजाति है हाटी। इनके यहां एक परंपरा में एक घर में अगर दो या दो से अधिक भाई हैं तो उनकी एक ही पत्नी होती है। अब कहा जाता है कि ये इलाका इतना दुर्गम था कि स्त्रियों की सुरक्षा के लिए ऐसा किया जाता था। एक और कारण भी गिनाया जाता है कि इन गरीब लोगों के पास काश्त के लिए कम जमीन थी। इसलिए जमीन का और बंटवारा न हो इसके लिए ये प्रथा शुरू की गई। ये सामान्य विवाह व्यवस्था से अलग परंपरा विकसित हुई।

एक शव के दाह संस्कार के लिए 40 मन लकड़ी लगती है, लेकिन मैंने पढ़ा था कि किसी इलाके में लकड़ी की कमी के कारण उपलों से दाह संस्कार संपन्न किया जाता है। एक समय था कि शादियां तीन चार दिन तक चलती थीं और मृत्यु पर तेरह दिन तक शोक मनाया जाता था। आज शादियां एक ही रात में संपन्न होती हैं और तेरह दिन शोक मनाने का समय अब घटता जा रहा है।

किसी समय बाल विवाह बहुत प्रचलित थे। फिर लड़की की शादी की न्यूनतम उम्र 12 वर्ष निर्धारित की गई। 1930 के शारदा एक्ट में इसे 14 वर्ष किया गया और फिर 18 वर्ष। हर बार जब उम्र बढ़ाई गई तो कुछ लोगों ने इसे अपने धर्म और परंपरा में गैर जरूरी हस्तक्षेप कह इसका विरोध किया। विरोध इतना प्रबल था कि आजादी के बाद नेहरू जी को एक हिंदू कोड बिल को चार हिस्सों में बांट कर पास कराना पड़ा।

ऐसा दुनिया में कुछ भी नहीं जिसमें परिवर्तन न हुआ हो। ये जो हम सनातन, सनातन शब्द सब तरफ सुनते हैं तो सनातन भी उतना सनातन नहीं। सनातन यानी शाश्वत, आरंभ से बोलकर आज यहां कुछ भी नहीं है। सब कुछ यहां परिवर्तनशील है और लगातार बदल रहा है। इसलिए परंपराओं से बहुत ज्यादा मोह मत पालिए। हो सके तो बदलते समय के साथ परंपराओं को अद्यतन भी कीजिए। **-फेसबुक वॉल से**

आयरलैंड के प्रथम समलैंगिक प्रधानमंत्री

पड़ोसी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भांति भारतीय मूल के अशोक वराडकर आयरलैंड के प्रधानमंत्री थे। हाल ही में उन्होंने त्यागपत्र देकर सियासी बवंडर उठा दिया। पद छोड़ने का कारण उन्होंने दिया : "बेहतर व्यक्ति प्रधानमंत्री पद संभाले। सात साल तक पीएम रहने के बाद मेरी निजी अनुभूति है कि मैं सर्वाधिक श्रेष्ठ नेता नहीं हूं। आयरलैंड के लोग मुझसे बेहतर मुखिया बना सकते हैं।" यह 45 वर्षीय राजनेता सबसे कम उम्र (38) में प्रधानमंत्री निर्वाचित हो गए थे। वे आयरलैंड के प्रथम और दुनिया के पांचवें समलैंगिक प्रधानमंत्री हैं। यूरोप के सबसे रूढ़िवादी देश माने जाने वाले आयरलैंड में वराडकर उदारवाद का चेहरा बनकर उभरे थे।

के. विक्रम राव
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

आयरलैंड में 1993 तक समलैंगिकता को अपराध माना जाता था, किंतु 2013 में एक जनमत संग्रह करवाया जिसके बाद वहां 2015 के मई महीने में समलैंगिक शादी को मान्यता दी। इसके कुछ महीने पहले जनवरी 2015 में वराडकर खुलकर सामने आए और उन्होंने अपने समलैंगिक होने की बात सार्वजनिक तौर पर घोषित की। उस वक्त वो स्वास्थ्य मंत्री थे। उन्होंने कहा : "मैं गे हूं और ये कोई राज नहीं है। ये मेरी परिभाषा का हिस्सा नहीं है। न तो मैं आधा-भारतीय राजनेता हूं, न तो डॉक्टर राजनेता हूं और न ही गे राजनेता हूं। ये मेरे जीवन का हिस्सा है मेरे चरित्र का हिस्सा है।" वराडकर ने 2017 में पेशेवर आयरिश भाषा में एक कोर्स पूरा किया और अपने उपनाम, डी वरद के लिए एक आयरिश भाषा फॉर्म तैयार किया। उन्होंने कहा है : "आयरिश के प्रति मेरा दर्शन केवल इसे बोलना है। आयरिश बोलें! यह इसे पूर्ण करने के बारे में नहीं है। यह मजे करने और इसे बोलने का प्रयास करने के बारे में है।" वे दक्षिण भारत का उदाहरण देते हैं, जहां हिंदी भी तमिल के साथ बोली जाती है। डबलिन में जन्मे वरदकर बहुजातीय हैं। उनके पिता मुंबई से और मां डुंगरवन (काउंटी वॉटरफोर्ड) से हैं। उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन में चिकित्सा का अध्ययन किया और अस्पताल में डॉक्टर बने। किशोरावस्था से ही फाइन गेल पार्टी के सदस्य रहे। लियो वराडकर अशोक और मिरियम (नी हॉवेल) वराडकर के इकलौते बेटे हैं। उनके पिता का जन्म मुंबई में हुआ था। वह डॉक्टर के रूप में काम करने के लिए 1960 के दशक में यूनाइटेड किंगडम चले गए थे। इनकी मां अपने भावी पति से स्लॉ में नर्स के रूप में काम करने के दौरान मिलीं। उन्होंने यूके में शादी कर ली। वराडकर ने 2000 के दशक के अंत में एक मुखर मनमौजी व्यक्ति के रूप में उभरे। उनकी "असामान्य" टिप्पणियों के कारण इवनिंग हेराल्ड ने उन्हें "गलतियां करने वाला" बताया। आयरिश टाइम्स के स्तंभकार स्टीफन कोलिन्स ने 2017 में वराडकर को "जनता, विशेषकर युवा मतदाताओं के सामने ऐसे पेश किया, जैसे कि वह राजनेता नहीं हैं"।

पत्रिका आयरिश परीक्षक 2010 में वराडकर को "रूढ़िवादी" बताया, जबकि उसी वर्ष पत्रिका हॉट प्रेस ने उनकी नीतिगत स्थिति को "कट्टरपंथी अधिकार" के रूप में वर्णित किया। हालांकि उसी लेख में उन्होंने खुद को "केंद्र-दक्षिणपंथी" बताया। वराडकर की राजनीतिक उपलब्धियां कई हैं। जिस वक्त वे पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, ब्रिटेन ब्रेक्सिट लागू करने की तैयारी में था। आयरलैंड उसके साथ सीमापार व्यापार को लेकर चर्चा कर रहा था। वराडकर के नेतृत्व में आयरलैंड ने ब्रिटेन से बात की ताकि दोनों के बीच सीमा पार लोगों के आने-जाने को लेकर सख्त पाबंदियां न लगाई जाएं। इसके बाद जब 2020 में चुनाव हुआ वराडकर देश के नए डिप्टी प्रधानमंत्री चुने गए। देश इस समय कोविड महमारी से जूझ रहा था। कोविड के वक्त निभाई अहम जिम्मेदारी आयरलैंड अपने उस नेता को याद रखेगा।

परिवेश विज्ञान

परिवेश क्या है? परितः वेष्टनम्। जिस दृश्य और अदृश्य से हमारा जीवन चारों ओर से परिवेष्टित है, घिरा हुआ है, जिस ज्ञात और अज्ञात से हमारा जीवन चारों ओर से लिपटा हुआ है, वह अपनी समग्रता में हमारा परिवेश है। यह परिवेश हमारे बाहर ही नहीं है, यह समग्र परिवेश हम में ओतप्रोत है। हम में समाया हुआ है। हमारे शरीर में भी और मन में भी। इसीलिए परिवेश को जानना-समझना अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

यह अंतरिक्ष, यह अनंत ब्रह्मांड मंडल, यह विराट प्रकृति हमारे जीवन से विच्छिन्न नहीं है। विराट प्रकृति अलग है और मनुष्य जीवन अलग है। ऐसा सोचना गलत है, असत्य और अवैज्ञानिक है। सच्चाई यह है कि विराट प्रकृति ही मनुष्य जीवन में अभिव्यक्त होती है। मनुष्य की जो शक्ति है, वह प्रकृति की ही शक्ति है। मनुष्य प्रकृति की ही रचना है। उसका समस्त जीवन-व्यवहार अंततः प्रकृति का ही व्यापार है, अंततः शब्द को ध्यान में रखिए। आकाश में ग्रह-नक्षत्र चल रहे हैं, धरती पर ऋतुचक्र चल रहा है, हवा बह रही है, बीज से वृक्ष बन रहा है, मेघ वर्षा कर रहा है, समुद्र तरंगित हो रहा है। तितली उड़ रही है, वैसे ही मनुष्य जीवन भी चल रहा है। यह सच है कि अन्य प्राणियों की तरह मनुष्य भी एक प्राणी है, अन्य प्राणियों की तरह मनुष्य भी जन्म लेता है, मरता है, खाता-पीता-सोता है, मूल-प्रवृत्तियों से संचालित होता है, लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि मनुष्य शरीर, मन और मस्तिष्क की विशिष्टता के कारण अन्य प्राणियों से भिन्न भी है। जैसे चूहा बिल बनाता है, पक्षी नीड़ बनाता है, मकड़ी जाला बुनती है। उसी प्रकार मनुष्य भी अपने जीवन-परिवेश की रचना करता है विराट प्रकृति के अंतर्गत मानवीय परिवेश।

असीम अंतरिक्ष और अनंत ब्रह्मांड मंडल जीवन का विराट प्राकृतिक परिवेश है और इसका अध्ययन प्राकृतिक विज्ञान करते हैं। विराट प्रकृति के अंतर्गत मानवीय परिवेश मनुष्य की रचना है। मनुष्य की मूल प्रवृत्तियों की रचना है। इस परिवेश को समझने के लिए हम इसे भौतिक और मनोवैज्ञानिक दो वर्गों में वर्गीकृत कर सकते हैं। देह और मन।

अयोध्या मुद्दे से मिशन-80 को हकीकत में बदलने की तैयारी

40 साल पहले कांग्रेस के नाम 83 सीटें जीतने का करिश्मा

अब प्रदेश की सभी सीटें जीतने का भाजपा बना रही माहौल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: कांग्रेस के पक्ष में 40 साल पहले की सहानुभूति लहर से इसबार अयोध्या मुद्दे की बराबरी करना बड़ी चुनौती होगी। तब कांग्रेस ने देश की कुल 518 सीटों में 415 और उत्तर-प्रदेश (उत्तरांचल सहित) की कुल 85 मे से 83 लोकसभा सीटें जीतने का रिकार्ड बनाया। अब भाजपा और संघ अयोध्या मुद्दे से मिशनः 80 को हकीकत में बदलने का माहौल बनाने में जुटी हैं। मगर हर नारा हकीकत में बदले, यह मुमकिन नहीं।

देश के लिए 1984 का दौर बहुत कठिन था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर, 1984 को नई दिल्ली के सफदरगंज रोड स्थित उनके आवास पर सुबह 9:30 ताबड़तोड़ गोलियां दागकर हत्या कर दी गई थी, पूरे देश में गम और गुस्सा का माहौल था। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के दो महीने के भीतर ही 1984 का लोकसभा चुनाव हुआ। दिसंबर 1984 में लोकसभा की 542 में 515 सीटों पर ही चुनाव हुए थे। असम की 14 और पंजाब की 13 सीटों पर चुनाव एक साल बाद सितंबर 1985 में हुए। इन चुनावों में कांग्रेस को 542 में से 415 सीटों पर जीत मिली थी। इतिहास में पहली बार कांग्रेस को मिले वोटों का प्रतिशत 49.1 प्रतिशत पहुंचा। विपक्ष को जमानत बचानी मुश्किल हो गई, भाजपा दो सीटों पर सिमट गई, भाजपा के लगभग 50 फीसदी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। उसे प्राप्त वोटों का प्रतिशत 7.74 रहा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को इस चुनाव में 22 सीटों के साथ 5.87 फीसदी वोट मिले थे। भारतीय कम्युनिस्ट (भाकपा) 2.71 प्रतिशत वोट पाकर 6 सीटों पर जीती थी। 1984 के कांग्रेस के करिश्मे को आज तक कोई नहीं दोहरा पाया है।

लेकिन अगले पांच साल बाद से लेकर देश की राजनीति में इतने बदलाव आए कि अब 2024 के लोकसभा चुनाव में पांच सदी की प्रतीक्षा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर का उद्घाटन लहर बना रहा है। भाजपा और संघ इसे भारत की अस्मिता और गौरव से जोड़कर पूरे देश में मतों का ध्रुवीकरण करने की कोशिश में जुटे हैं।

सवाल उठता है कि क्या भाजपा उप्र. की सभी 80 सीटें जीतने के संकल्प को पूरा कर पाएगी? चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा नीत राजग तब की सहानुभूति लहर से इतर मनमोहन सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की मदद से 2014 में उप्र. 73 सीटें हासिल कर चुकी है। यही नहीं, 2019 में कांग्रेस को 1984 में मिले मत प्रतिशत को भी पीछे छोड़ चुकी है। ऐसे में मिशन 80 कठिन जरूर है, पर नामुमकिन कतई नहीं है।

रालोद और सुभासपा भी है अब एनडीए का हिस्सा

समाजवादी पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पांच सीटें हासिल की थीं। तब बसपा और रालोद के साथ गठबंधन था। पश्चिम में सपा की मददगार रही रालोद एनडीए का हिस्सा हो गया है। बसपा फिलहाल अकेले चुनाव लड़ रही है। 2019 के बाद से पूर्वांचल में सपा की मजबूत मददगार रही सुभासपा भी एनडीए का हिस्सा बन गई है। नोनिया चौहान बिरादरी में पकड़ रखने वाले दारा सिंह चौहान फिर भाजपा में लौट आए हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान दारा सिंह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे।

बसपा का एकला चलो कहीं फायदा तो कहीं नुकसान

राजग व इंडिया गठबंधन की आमने-सामने की लड़ाई में बसपा का अकेले मैदान में होना कई जगह लड़ाई को त्रिकोणीय बनाएगा। बसपा के टिकटों के लिहाज से इस त्रिकोण का ज्यादा लाभ एनडीए के खाते में जा सकता है।

कांग्रेस परिवार से प्रत्याशी आए तो मजबूत किलेबंदी

अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस इस बार भी कड़ी टक्कर दे सकती है, यदि गांधी परिवार से प्रत्याशी आए। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को पांच, बसपा को 10 और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी परंपरागत सीट अमेठी तक केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी से हार गए थे। सिर्फ रायबरेली से सोनिया गांधी एक मात्रा कांग्रेस से जीत सकीं थी। पिछले विधानसभा चुनाव तक इन जिलों में कांग्रेस के भी विधायक हुआ करते थे। वर्तमान में पार्टी का एक भी विधायक नहीं है। ऐसे में सपा से गठबंधन के बाद कांग्रेस को अमेठी और रायबरेली में भी सपा के विधायकों से बड़ी उम्मीद रही होगी। मगर, भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में सपा के असरदार माने जाने वाले दो विधायकों-पूर्व मंत्री मनोज पांडेय और राकेश प्रताप सिंह को अपने पाले में लाकर तहलका मचा दिया। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की पत्नी महाराजी प्रजापति वोट देने ही नहीं पहुंचीं। ऐसे में कांग्रेस के लिए अब अमेठी और रायबरेली से गांधी परिवार को उतारना किसी चुनौती से कम भी नहीं है।

हिंदू मतों के ध्रुवीकरण पर टिकी भाजपा की आस

चुनाव मैदान में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भावनाओं का उभार साफ दिख रहा है। ज्ञानवापी और मथुरा का प्रचार भी खूब हो रहा है। सीएए से ध्रुवीकरण करने की पूरी कोशिश दिख रही है। साथ ही सरकारी धन खर्च करके मोदी की गांरटी रथ के जरिए लाभार्थियों से सीधा संवाद करके गरीब-पिछड़ों को जमकर साधा गया। साथ ही इसबार विपक्ष में कांग्रेस-सपा का 2019 के मुकाबले सपा-बसपा-रालोद गठबंधन से कमजोर हालत में दिख रहा है। ऐसे में 80 में 80 न सही, लेकिन 1984 में जिस तरह 85 में 83 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, उस तरह का परिणाम नजर आए तो चौंकना भी नहीं चाहिए।

राजीव गांधी ने ही दिखाई थी सियासत को रामपथ की राह

- 1989 के लोकसभा चुनाव का अभियान अयोध्या से शुरू किया था और मुद्दा बनाया था रामराज्य

इंदुभूषण पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार : राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर अयोध्या कोई पहली बार अब वोट की सियासत के केंद्र में नहीं आई है। इससे पहले भी राम की अयोध्या ने इस तरह के सियासी मेले और झमेले देखे हैं। आज भले ही भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की पटकथा अयोध्या से लिखने के प्रयास में दिख रही हो, लेकिन देश की सियासत को रामपथ की राह दिखाने का काम राजीव गांधी ने किया था। 1989 के लोकसभा चुनाव के अभियान की शुरुआत उन्होंने न सिर्फ अयोध्या से की थी, बल्कि रामराज्य को उस चुनाव का मुद्दा भी बना दिया था। यह अलग बात है कि कांग्रेस इस मामले में चूक गई और उसे बहुमत नहीं मिला। केंद्र में बीपी सिंह की भाजपा और कुछ अन्य दलों की समर्पित सरकार बन गई। दरअसल देश के सियासी एजेंडे में राम मंदिर और अयोध्या खुल करके आया वर्ष 1986 में जब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की वीर बहादुर सिंह सरकार थी। इसी साल फैजाबाद (अब अयोध्या) के जिलाधिकारी और एसएसपी के बयान और सहमति के आधार पर तत्कालीन जिला जज की अदालत ने विवादित रामजन्मभूमि का ताला खोल दिया था। लोकसभा का 1989 का चुनाव आया तो कांग्रेस ने अयोध्या से ही चुनाव अभियान की शुरुआत की। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की कैंटोनमेंट मैदान में पहली चुनावी रैली हुई। यहीं से राजीव गांधी ने अपने भाषण में देश में रामराज्य लाने की बात कही और मन्दिर/मस्जिद विवाद के मामले में कहा कि इसको सभी पक्षों की सहमति से हल करने का प्रयास किया जाएगा। एक तरफ जहां कांग्रेस ने यह दांव खेला वहीं दूसरी तरफ पहले से ही रामजन्मभूमि का मुक्ति का आंदोलन चला रही भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस ने कांग्रेस से इस मुद्दे को छीन लेने के लिए प्रस्तावित राम मंदिर के शिलान्यास की घोषणा कर दी। 1989 लोकसभा का आम चुनाव 22 व 26 नवंबर को होना था। इससे पहले 9 नवंबर 1989 को विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में रामजन्मभूमि मन्दिर का शिलान्यास कर दिया। जिसमें तमाम राजनीतिक हस्तियों सहित हजारों की तादात में साधु-संत शामिल हुए और राम मंदिर की नींव की पहली ईंट विहिप से जुड़े तबके एक दलित युवक कामेश्वर चौपाल के हाथों रखवाई गई। इसके पीछे भाजपा और विहिप की मंशा कांग्रेस के परंपरागत दलित वोट को छीन लेना भी था। और चुनाव परिणाम जब आये तो ऐसा दिखा भी। कांग्रेस सबसे बड़ा दल जरूर बनी लेकिन बहुमत से बहुत दूर रही। तब दूसरी सबसे बड़ी पार्टी जनता दल जो राष्ट्रीय मोर्चा का नेतृत्व करती थी, उसे अवसर दिया गया और वीपी सिंह देश के प्रधानमंत्री बन गए। तब उनके नेतृत्व की सरकार को भारतीय जनता पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों ने बाहर से समर्थन दिया था। कांग्रेस के रणनीतिकारों में शुमार रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी आत्मकथा में बताया है कि दरअसल, 1989 के चुनाव अभियान की शुरुआत कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के नागौर से करना तय किया था। कारण यह था कि 1949 में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गांधी जयंती के मौके पर इसी नागौर से ही पंचायती राज व्यवस्था लागू की थी। कांग्रेस पार्टी ने 1989 के चुनाव का मुख्य मुद्दा भी पंचायत राज ही तय कर रखा था। लेकिन हुआ ठीक इसके उलट। न तो पंचायत राज के मुद्दे को लेकर कांग्रेस चुनाव में आगे आई और न ही चुनाव अभियान का श्रीगणेश नागौर से किया गया। मणिशंकर अय्यर अपनी आत्मकथा में आगे कहते हैं कि राजीव गांधी की फैजाबाद की पहली चुनावी रैली के भाषण का जो नोट्स था उसमें भी राम मंदिर या रामराज्य का बिंदु नहीं था। उनका कहना था कि राजीव गांधी के कुछ करीबी सलाहकार और खासकर शीला दीक्षित की राय पर अयोध्या से चुनाव अभियान का श्रीगणेश करने और पंचायती राज की जगह रामराज्य को मुख्य मुद्दा बनाया गया। मणिशंकर अय्यर कहते हैं कि काश ऐसा न हुआ होता तो 1989 में कांग्रेस भले ही सरकार न बना पाती लेकिन सीटें इतनी कम न होतीं।

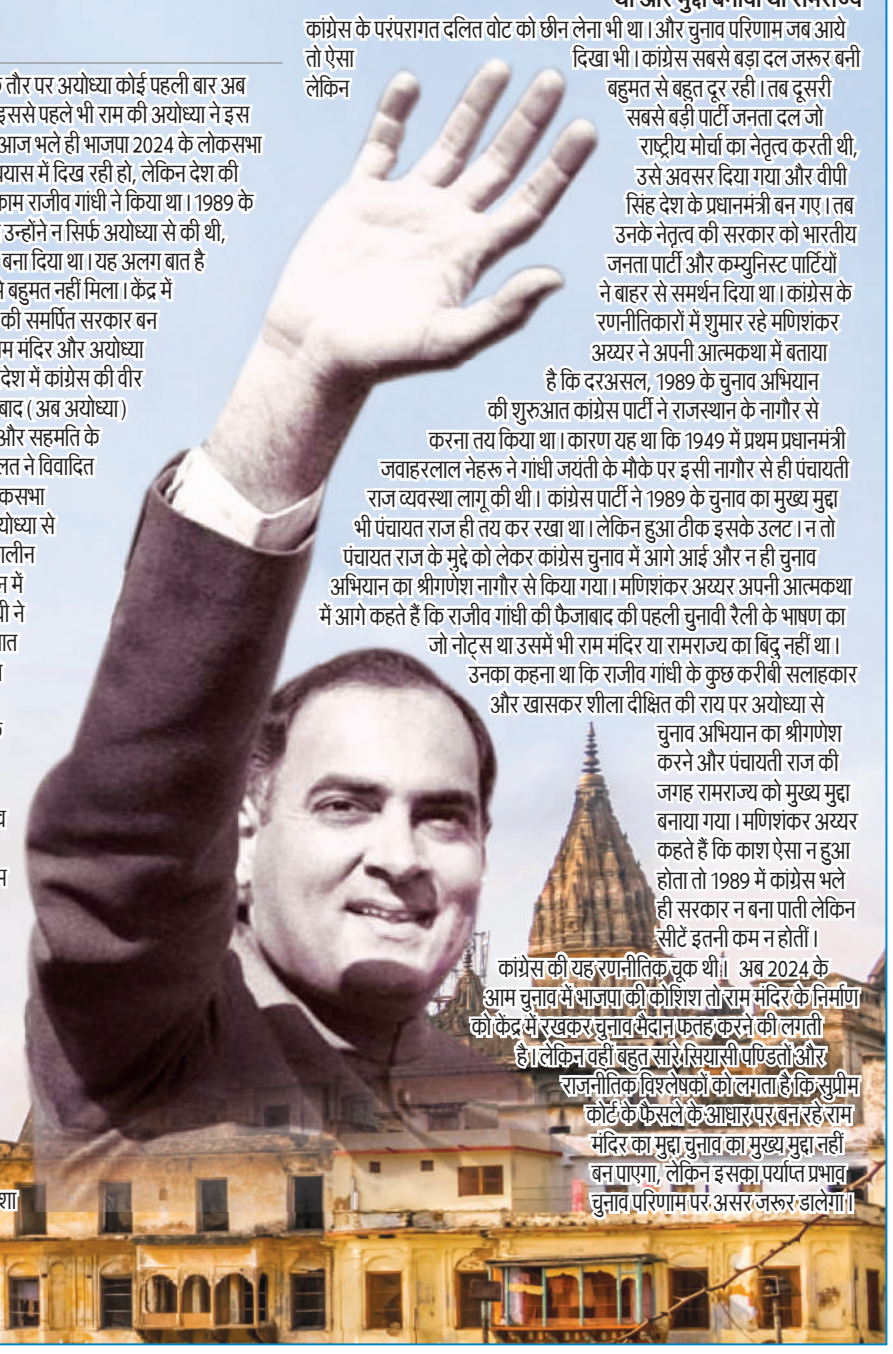

कांग्रेस की यह रणनीतिक चूक थी। अब 2024 के आम चुनाव में भाजपा की कोशिश तो राम मंदिर के निर्माण को केंद्र में रखकर चुनाव मैदान फतह करने की लगती है। लेकिन वहीं बहुत सारे सियासी पण्डितों और राजनीतिक विश्लेषकों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर बन रहे राम मंदिर का मुद्दा चुनाव का मुख्य मुद्दा नहीं बन पाएगा, लेकिन इसका पर्याप्त प्रभाव चुनाव परिणाम पर असर जरूर डालेगा।

चुनाव कमाल का...

- देश में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सांसदों की संख्या हर चुनाव के बाद बढ़ती ही जा रही है। नेशनल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2004 में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सांसदों की संख्या 128 थी जो वर्ष 2009 में 162 और 2014 में 185 और वर्ष 2019 में बढ़कर 233 हो गई। जहाँ एक ओर वर्ष 2009 में गंभीर आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या 76 थी, वहीं 2019 में यह बढ़कर 159 हो गई। इस प्रकार 2009-19 के बीच गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सांसदों की संख्या में कुल 109 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट में गंभीर आपराधिक मामलों में बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, महिलाओं के विरुद्ध अपराध आदि को शामिल किया गया है।

मैं वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करूंगा। इसके लिए काफी उत्साहित हूं। लोकतंत्र के पर्व में सभी को अपने मतदान का उपयोग करना चाहिए। लेकिन सोच समझकर ही मतदान करूंगा। मतदान के द्वारा ही हम अपने मन के प्रत्याशी का चयन कर सकते हैं। शिक्षा और बेरोजगारी पर जो बात करेगा, उसे ही मतदान करेंगे।

अभिमन्यु सोनी पुत्र दीपक सोनी
गुदड़ी मोहल्ला, विधानसभा क्षेत्र सदर बहराइच।

होली के रंग में भंग डाल सकती है चुनाव की आचार संहिता

- नेताजी को महंगी पड़ सकती है होली की दावत
- हिदायतः चुनावी गतिविधियों पर रखे पैनी नजर

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: सावधान हो जाइए। होली है, लेकिन आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। नेताजी को इस बार दावत देना महंगी पड़ सकता है। यह वोट के लिए प्रलोभन और उकसाने के दायरे में होगा। कार्रवाई हो सकती है। आयोग से ऐसी गतिविधियों पर नजर रखने के आदेश हैं। तीसरी नजर देख रही है। जिले में निगरानी टीमें सक्रिय हैं। हिदायत है ऐसी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए।

लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। सियासी दलों में मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की होड़ लग गई है। ऐन-केन प्रकारेण चुनाव फतह की रणनीति है। वोट के लिए अंदरखाने में तरह-तरह की रणनीति बनाए जाने की खबर है। चुनाव के ठीक पहले होली पड़ गई। गिफ्ट और दावत देकर मतदाताओं को पक्ष में करने का प्रयास हो सकता है। चुनाव से इतर होली पर जश्न मनाने, नेताजी के साथ दावत उड़ाने की परंपरा पुरानी है, लेकिन इस बार ये महंगा पड़ सकता है। आयोग की जारी गाइडलाइन के अनुसार चुनाव के दौरान किसी भी मतदाता को रुपये, शराब या उपहार सहित दूसरे प्रलोभन के जरिए वोट लेने की कोशिश, पक्ष या विपक्ष में मतदान करने के लिए उकसाना या प्रेरित करना, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। इसके लिए दंड भी भुगतना पड़ सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि जिले में धारा 144 लागू है। आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। ऐसे में किसी भी मतदाता को वोट के लिए प्रलोभन देना दंडनीय अपराध है। होली में शराब, पैसा या गिफ्ट देना इसके दायरे में होगा। निगरानी टीमें लगाई गई है। पकड़े जाने पर विधिक कार्रवाई होगी।

गतिविधियों पर नजर रखेंगी 15 टीमें

जिला प्रशासन ने आदर्श आचार संहिता के पालन के लिए विधानसभा वार 15 टीमें लगाई है। इनको सक्रिय कर दिया गया है। यह होली के दौरान ऐसी गतिविधियों पर नजर रखेंगी। जिला निवार्चन अधिकारी नितीश कुमार ने शिकायत पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया है।

उल्लंघन पर हो सकती है 1 साल की सजा

आदर्श आचार संहिता के दौरान पक्ष या विपक्ष में वोट करने या न करने के लिए प्रलोभन देकर उकसाना या प्रेरित करना, मतदाता को रुपये, शराब या उपहार का प्रलोभन देना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत अपराध है। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 171 के तहत एक वर्ष की जेल हो सकती है।

कंट्रोल रूम में करें शिकायत

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कोई भी व्यक्ति जिला प्रशासन से बनाए गए कंट्रोल रूम के फोन नंबर-05278-297499 पर शिकायत कर सकता है। कार्रवाई होगी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के 10 नाम तय

- राजगढ़ से दिग्विजय सिंह, हरिद्वार से हरीश रावत, गुड़गांव से राज बब्बर, जालंधर व श्रीगंगानगर से चन्नी की उम्मीदवारी पर विचार

ब्यूरो, नई दिल्ली अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के नामांकन शुरू होने के दूसरे दिन भी भाजपा एवं कांग्रेस कई उम्मीदवारों पर देर शाम तक मंथन करती रही। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय चुनाव समिति का ठप्पा लगने के बाद सूची जारी होगी। इसी तरह गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी से विचार विमर्श कर उत्तर प्रदेश के 10 नाम तय कर दिए, घोषणा बाद में होगी। मध्य प्रदेश से दिग्विजय सिंह, उत्तराखंड से हरीश रावत, जालंधर से चरणजीत सिंह चन्नी व हरियाणा से राज बब्बर की उम्मीदवारी पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक कानपुर से आलोक मिश्रा, झांसी से प्रदीप जैन, बाराबंकी से तनुज पूनिया, बनारस से अजय राय, फतेहपुर सीकरी से रामनिवास सिकरवार, देवरिया से अखिलेश प्रताप सिंह, बांसगांव से सजल प्रसाद, सहारनपुर से ईमरान मसूद की दावेदारी को केंद्रीय चुनाव समिति ने अंतिम रूप दे दिया है। उत्तर प्रदेश की अमेठी एवं रायबरेली सीट पर सबसे ज्यादा परेशानी आ रही है। वहां के लोगों ने केंद्रीय चुनाव समिति के समक्ष प्रियंका गांधी को किसी एक सीट से उम्मीदवार बनाने की मांग की है। जबकि प्रियंका ने चुनाव लड़ने से परहेज कर देशव्यापी चुनाव अभियान में मुख्य भूमिका निभाने का फैसला लिया है।

लखनऊ की पूर्वी सीट पर रस्साकशी

- किसका होगा टिकट और कितनों का गिरेगा विकेट
- चुनावी पिच पर भाजपा और सपा के पदाधिकारियों ने शुरू की भागदौड़
- आशुतोष टंडन गोपाल की मृत्यु के बाद पूर्व विधानसभा की सीट है रिक्त

आशुतोष टंडन

राजीव शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार: लोकसभा के साथ ही विधानसभा के उपचुनाव की रणभेरी भी बज चुकी है। पूर्व विधानसभा रिक्त है और भाजपा के कई पदाधिकारी इस सीट पर भाग्य आजमा कर विधानसभा पहुंचने की जुगत में है। हालांकि अभी भाजपा, कांग्रेस, बसपा व इंडिया गठबंधन के किसी दल ने अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

लखनऊ पूर्व की विधानसभा सीट आशुतोष टंडन गोपाल की मृत्यु के बाद खाली हो गई थी। इस सीट पर भी 20 मई को मतदान होना है। इस विधानसभा का अभी तीन वर्ष का कार्यकाल शेष है। उपचुनाव को लेकर भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी टिकट की दौड़ में शामिल हो गए हैं। उपचुनाव के लिए पार्टियां जल्द ही उम्मीदवार घोषित कर सकती है। सत्ताधारी दल भाजपा की ओर से कई नेता टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। पूर्व मंत्री कलराज मिश्र के पुत्र अमित मिश्र, ओपी श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, सुनील मिश्रा, संजय सिंह और अमित टंडन आदि के नाम चल रहे हैं।

कुछ महिला पदाधिकारी भी इस दौड़ में शामिल हैं। हालांकि अभी तक किसी का नाम फाइनल नहीं हुआ है मगर लोग दिल्ली दरबार तक दौड़ लगा रहे हैं। पार्टी उपचुनाव हर कीमत पर जीतना चाहती है इसलिए चेहरा भी सोच समझकर चुना जाएगा। सूत्रों की मानें तो प्रत्याशी चयन में महानगर भाजपा के पदाधिकारियों से भी राय ली जा सकती है। चेहरे तय करने से पहले मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय सांसद से भी सलाह ली जाएगी। अभी तक पैनल में किसी का नाम नहीं भेजा गया है। माना जा रहा है कि होली के बाद इस पर कवायद शुरू होगी। इस सीट के लिए अभी कांग्रेस और बसपा ने अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। जबकि समाजवादी पार्टी से टिकट के लिए आशुतोष वर्मा, रमेश श्रीवास्तव और अनुराग भदौरिया का नाम चल रहा है।

नगाड़ा बजवाया और घोड़ा दौड़ाया तो पड़ेगा भारी

गोंडा, अमृत विचार। अभी तक नगाड़ा बजवाना, घोड़े से प्रचार करना खर्च में शामिल नहीं था। अक्सर प्रत्याशी जब नामांकन करने जाते थे तो उनके साथ नगाड़ा या अन्य बजाने का साधन रहता था। किसी का यदि चुनाव चिह्न होता था तो भी उम्मीदवार खर्च से बच जाते थे। लेकिन आयोग ने नगाड़ा या ढोल बजवाने पर 500 रुपए का खर्च उम्मीदवार के खर्च में जुड़ेगा। इसी तरह घोड़े का प्रयोग करने पर या उससे प्रचार करने पर भी घोड़े का भी 1100 रुपए का खर्च जुड़ेगा। चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशी अक्सर भ्रमण के दौरान वोट मांगते समय छोटे बच्चों को पुचकारते व दुलारते दिख जाते हैं। कभी उन्हें टाफी, चाकलेट या अन्य वस्तुएं देते दिख जाते थे। इससे प्रचार में उन्हें बल भी मिलता था, लेकिन अब ऐसा नहीं कर सकेंगे। ऐसा करेंगे तो बाल संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा।

सपा के सामने राजा भैया का विजय रथ रोकने की चुनौती

4 बार से हैं सांसद, पिछले दो चुनावों में बड़े अंतर से मिली है जीत

उमानाथ तिवारी , गोंडा

अमृत विचार: 18 वें लोकसभा चुनाव के लिये भाजपा ने गोंडा संसदीय सीट पर अपना पत्ता खोल दिया है। एक बार फिर से वर्तमान सांसद कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया पर भरोसा जताया है। कीर्तिवर्धन सिंह इसके पहले वर्ष 2014 व वर्ष 2019 में पार्टी प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल कर चुके हैं। इस बार वह हैट्रिक पर हैं और चुनाव जीतने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। उनके पास राम मंदिर निर्माण के साथ मोदी की गारंटी भी है। जिसके दम पर वह पूरे आत्मविश्वास में हैं।

राजा भैया के साथ गौरा विधायक प्रभात वर्मा, मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी, सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह व मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री भी लगातार मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के सामने भाजपा के विजय रथ को रोकने की बड़ी चुनौती है। सपा ने इस बार यहां से नए चेहरे श्रेया वर्मा पर दांव लगाया है। श्रेया खुद भले ही राजनीति में नई हों लेकिन राजनीति से उनका पुराना तालुल्क रहा है। श्रेया के बाबा स्व बेनी प्रसाद वर्मा समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं और उनकी गिनती प्रदेश के बड़े नेताओं में की जाती रही है। स्व बेनी प्रसाद वर्ष 2009 में गोंडा संसदीय सीट से कांग्रेस पार्टी के सांसद रह चुके हैं।

श्रेया की जीत का गणित सजातीय मतदाताओं की बड़ी तादात व बाबा के नाम पर टिका है। श्रेया के साथ सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव प्रतिभा सिंह, पूर्व विधायक नंदिता शुक्ला, पूर्व मंत्री स्व पंडित सिंह के भतीजे व सदर सीट से सपा प्रत्याशी रहे सूरज सिंह पूरे दमखम के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हैं। घर घर पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं। सहयोगी दल कांग्रेस भी सपा प्रत्याशी के पक्ष में जोर लगा रही है। सपा की श्रेया वर्मा के सामने भाजपा के विजय रथ को रोकने की बड़ी चुनौती है। उनकी यह चुनौती राम मंदिर निर्माण और मोदी की गारंटी के सामने कितना असर दिखा पाती है यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा।

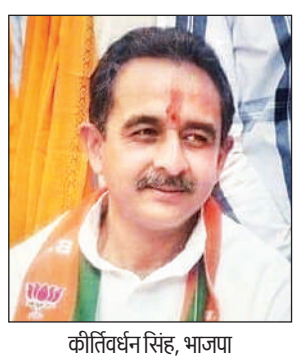

कीर्तिवर्धन सिंह, भाजपा

श्रेया वर्मा, सपा

पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन

2019 का चुनाव परिणाम

प्रत्याशी	दल	वोट
कीर्तिवर्धन सिंह	बीजेपी	5,08,190
पंडित सिंह	सपा	3,41,830
कृष्णा पटेल	कांग्रेस	25,686

2014 चुनाव परिणाम

प्रत्याशी	दल	वोट
कीर्ति वर्धन सिंह	बीजेपी	359643
नंदिता शुक्ला	सपा	199227
अकबर अहमद डंपी	बसपा	116178
बेनी प्रसाद वर्मा	कांग्रेस	102254

महासमर-2024

कब कौन बना सांसद

वर्ष	सांसद	पार्टी
1951	चौधरी हैदर हुसैन	कांग्रेस
1957	दिनेश प्रताप सिंह	कांग्रेस
1962	राम रतन गुप्ता	कांग्रेस
1967	सुचेता कृपलानी	कांग्रेस
1971	कुंवर आनंद सिंह	कांग्रेस
1977	सत्यदेव सिंह	जनता पार्टी
1980	कुंवर आनंद सिंह	कांग्रेस
1984	कुंवर आनंद सिंह	कांग्रेस
1989	कुंवर आनंद सिंह	कांग्रेस
1991	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
1996	केतकी सिंह	भाजपा
1998	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
1999	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
2004	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
2009	बेनी प्रसाद वर्मा	कांग्रेस
2014	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा
2019	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा

एक करोड़ मतदाता बढ़े मगर घट गए पोलिंग बूथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। बीते 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में प्रदेश में करीब एक करोड़ प्रदेश में बढ़ी है, मगर पोलिंग बूथों की संख्या घट गई है। इससे राज्य निर्वाचन आयोग के दावे, कि किसी भी मतदाता को वोट देने के लिए दो किमी से ज्यादा की दूरी नही तय करनी पड़ेगी और एक बूथ पर औसतन 944 मतदाताओं को वोट डालने का प्रबन्ध किया गया है, सवाल उठने लगे हैं। अधिक मतदान कराने के लिए निर्वाचन आयोग समेत सभी राजनैतिक प्रयास रहते हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग मतदाताओं की सुविधाओं को निष्पक्ष मतदान कराने के लिए नियम व निर्देश तैयार करता है। उक्त क्रम में ही दस्तक दे चुके लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने 15 करोड़ 34 लाख मतदाताओं के लिए एक लाख 62 हजार 41 बूथ बनाने का निर्णय लिया है, जबकि गत 2019 के चुनाव में 14 करोड़ 58 लाख 58 हजार 553 मतदाताओं के लिए एक लाख 63 हजार 448 पोलिंग बूथ बनाये गये थे। जोकि इस बार बनने वाले पोलिंग बूथों से 1407 ज्यादा हैं। निर्वाचन आयोग की यह चुनौती प्रथम चरण के 19 अप्रैल को संपन्न होने वाले मतदान के दिन साबित होंगे। बुधवार से प्रदेश के नौ जिलों में एक करोड़ 43 लाख 39 हजार 21 मतदाताओं के लिए सात हजार 693 मतदान केन्द्रों पर 14 हजार 842 पोलिंग बूथ बनाने की तैयारी हो चुकी है। जबकि ईसीआई के आंकड़ों के अनुसार गत लोकसभा चुनाव में डेढ़ करोड़ मतदाताओं के लिए 16,581 मतदान स्थल बनाए गए थे।

दिव्यांग बढ़े, किन्नर मतदाताओं की संख्या घटी

अमृत विचार। इस बार लोकसभा चुनाव में किन्नर मतदाताओं की संख्या घटी है, मगर दिव्यांग मतदाताओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 8374 किन्नर मतदाताओं की संख्या इस बार 6,638 रह गई है। वहीं दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 12,51,827 पहुंच गई है, जो कि गत चुनाव में 7,86,542 थी। हालांकि निर्वाचन आयोग ने 85 साल से ज्यादा उम्र और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांगता रखने वाले मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा भी प्रदान की गई है।

नई दिल्ली में हैट्रिक का रिकॉर्ड जगमोहन के नाम

● देश के सर्वाधिक अति विशिष्ट संसदीय क्षेत्र नई दिल्ली सीट पर अटल, आडवाणी के बाद सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी मैदान में

● ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

देश की सबसे वीवीआईपी संसदीय क्षेत्र नई दिल्ली को सुचेता कृपलानी के बाद भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है। यहां से दो बार अटल बिहारी वाजपेई, दो बार लाल कृष्ण आडवाणी संसद पहुंचे। लेकिन हैट्रिक लगाने का श्रेय वाजपेई सरकार के सबसे विवादित एवं

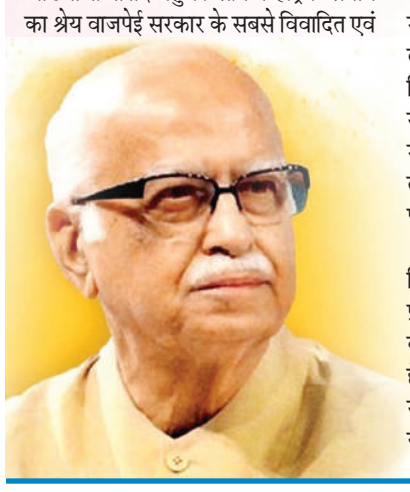

ईमानदार मंत्री जगमोहन के नाम जाता है। उन्होंने 1996, 1998 और 1999 में लगातार जीत हासिल की और आखरी बार मजदूर नेता ललित माकन के भतीजे व कांग्रेस के युवा उम्मीदवार अजय माखन से चुनाव हार गए थे।

कहां जा रहा था कि जगमोहन के बाद आर्य समाज की समर्पित कार्यकर्ता व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी 2024 में हैट्रिक लगाएंगी लेकिन भाजपा हाई कमान ने उनका टिकट काट दिया और पार्टी की हाई प्रोफाइल नेता स्वर्गीय सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज को मैदान में उतारा है। यदि बांसुरी चुनाव जीत गईं तो वे तीसरी महिला होंगी जो नई दिल्ली से संसद पहुंचेंगी।

नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत अति विशिष्ट लोग जैसे राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री भारत के मुख्य न्यायाधीश व कई बड़े नेता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसी संसदीय क्षेत्र में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, विदेश एवं गृह

मंत्रालय हैं। कांग्रेस की सुचेता कृपलानी के बाद इस सीट से लगातार भाजपा के अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गज चुनाव जीते रहे हैं। यहां तक कि आडवाणी को पराजित करने के लिए 1991 में कांग्रेस ने फिल्म अभिनेता राजेश खन्ना को उम्मीदवार बनाया था। यह देख आडवाणी ने नई दिल्ली के अलावा गांधीनगर से भी चुनाव लड़ा और राजेश खन्ना को मात्र 17 हजार वोटो से पराजित कर पाए थे। बाद में आडवाणी ने नई दिल्ली सीट से इस्तीफा देकर गांधीनगर की सदस्यता ग्रहण की थी।

जिससे नई दिल्ली के मतदाता नाराज हो गए और उन्होंने 1992 के उपचुनाव में राजेश खन्ना को जिता दिया। हालांकि भाजपा ने खन्ना के खिलाफ पहली बार फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को मैदान में उतारा था, लेकिन आडवाणी से नाराज मतदाताओं ने राजेश खन्ना को विजयी बनाया था। 1996 में भाजपा ने इस सीट से जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एवं राज्यसभा सदस्य जगमोहन को पहली बार लोकसभा का उम्मीदवार बनाया। वैष्णव देवी में जगमोहन के शानदार कार्यों को देख मतदाताओं ने राजेश खन्ना को 58 हजार वोटो से पराजित किया था। उसके बाद इस सीट से जगमोहन लगातार तीन बार विजयी हुए। चौथी बार कांग्रेस के अजय माकन (सीएनजी मैन) से वे चुनाव इसलिए हार गए क्योंकि दिल्ली में सीएनजी लाने का श्रेय जनता ने तत्कालीन परिवहन मंत्री माकन को दिया था।

अजय माकन भी नई दिल्ली से हैट्रिक लगाने में विफल रहे क्योंकि 2014 के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मीनाक्षी लेखी से वे पराजित हो गए थे। इसी तरह मीनाक्षी भी हैट्रिक लगाने से इसलिए वंचित रह गई क्योंकि बांसुरी स्वराज को बीजेपी ने इस बार उम्मीदवार बनाया है। हालांकि बांसुरी का बीजेपी कार्यकर्ता के रूप में ज्यादा योगदान नहीं है। उनकी पहचान उनकी मां सुषमा स्वराज की वजह से है और यदि वह चुनाव जीतती हैं तो नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से संसद पहुंचने वाली वे तीसरी महिला होंगी।

नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से हैट्रिक का रिकॉर्ड जगमोहन के नाम

वर्ष	विजयी सांसद	पार्टी
1952	सुचेता कृपलानी	किसान मजदूर प्रजा पार्टी
1957	सुचेता कृपलानी	कांग्रेस
1977	अटल बिहारी वाजपेई	भाजपा
1980	अटल बिहारी वाजपेई	भाजपा
1989	लालकृष्ण आडवाणी	भाजपा
1991	लालकृष्ण आडवाणी	भाजपा
1992	राजेश खन्ना	कांग्रेस
1996	जगमोहन	भाजपा
1998	जगमोहन	भाजपा
1999	जगमोहन	भाजपा
2004	अजय माकन	कांग्रेस
2009	अजय माकन	कांग्रेस
2014	मीनाक्षी लेखी	भाजपा
2019	मीनाक्षी लेखी	भाजपा

चुनाव कमाल का...

- 21 मई 1991 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की वोटिंग के पहले दौर के ठीक एक दिन बाद हत्या कर दी गई। इसके बाद जून के मध्य तक चुनाव को स्थगित कर दिया गया। पंजाब में लोकसभा चुनाव बाद में कराए गए, जबकि जम्मू-कश्मीर में आम चुनाव हुए ही नहीं।
- जून में चुनाव संपन्न हुआ जिसमें कांग्रेस को सबसे ज्यादा 232 सीटें मिलीं। भारतीय जनता पार्टी 120 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। जनता दल को सिर्फ 59 सीटें मिलीं। 21 जून 1991 को कांग्रेस के पी.वी. नरसिंहराव ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
- 1996 में 11वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। 161 सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 140 सीटें मिली और पार्टी दक्षिण में भी पिछड़ गई।
- अटल बिहारी वाजपेयी ने 16 मई को प्रधानमंत्री का पद संभाला लेकिन बहुमत साबित न कर पाने के कारण 13 दिन ही प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठ पाए।
- 1996 में जनता दल के नेता एचडी देवेगौडा ने एक जून को संयुक्त मोर्चा गठबंधन सरकार का गठन किया, लेकिन उनकी सरकार भी 18 महीने ही चली।
- देवेगौड़ा के कार्यकाल में ही विदेश मंत्री रहे इन्द्र कुमार गुजराल ने अगले प्रधानमंत्री के रूप में 1997 में पदभार संभाला। कांग्रेस इस सरकार को बाहर से समर्थन दे रही थी।

चुनावी तीर

पूरे देश की निगाहें उत्तर प्रदेश पर हैं। भाजपा की साजिश और षड्यंत्र से हमें सतर्क रहना है। हमें ज्यादा से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के साथ-साथ बूथ की सुरक्षा को लेकर भी सावधान रहना है। भाजपा चंदा वसूली और चंदा चोरी के मामले में बेनकाब हो चुकी है। भाजपा हारेगी तो नौजवानों को नौकरी मिलेगी, किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलेगा।

- अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

1952 को छोड़कर पहली बार आप इतना लंबा चुनाव देख रहे हैं। आजादी के बाद पहले चुनाव में बहुत सी चीजों को समायोजित करना था, लेकिन अब तकनीक के साथ यह अवधि कम होनी चाहिए थी। लंबी अवधि के चलते एक चरण में मतदान चलता है और दूसरे चरण में चुनाव प्रचार चल रहा होता है। इससे सत्ता दल को फायदा और विपक्ष को नुकसान होता है।

-सीताराम येचुरी, महासचिव, माकपा

हैवीवेट प्रत्याशियों की तलाश में उलझी हाई प्रोफाइल प्रयागराज सीट

1996 में भाजपा का खाता खोलने के साथ ही डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने लगाई थी यहां से जीत की हैट्रिक तो बीते तीन दशक से जीत के लिए तरस रही है कांग्रेस

● पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, वीपी सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा और जनेश्वर मिश्र के अलावा अमिताभ बच्चन भी यहां से संसद पहुंचे

● मनोज त्रिपाठी, कानपुर

अमृत विचार: संगम नगरी प्रयागराज में लोकसभा चुनाव के लिए छठे चरण में 25 मई को 18,07,886 मतदाता अपना नया सांसद चुनेंगे। 2019 के पिछले चुनाव की तुलना में इस बार यहां 1,14,439 मतदाता बढ़ गए हैं। हाई प्रोफाइल गिने जाने वाले प्रयागराज लोकसभा क्षेत्र में कुल पांच विधान सभा सीटें मेजा, करछना, बारा, कोरांव और प्रयागराज दक्षिणी शामिल है। इनमें बारा और कोरांव एससी सुरक्षित सीट हैं। वर्तमान में तीन विधानसभा सीटों करछना, कोरांव और प्रयागराज दक्षिण में भाजपा तो मेजा में समाजवादी पार्टी और बारा में अपना दल का कब्जा है। वर्तमान में यहां से भाजपा की रीता बहुगुणा जोशी सांसद हैं। उन्होंने 2019 के चिनाव में सपा के राजेंद्र सिंह पटेल को 1,83,876 मतों से पराजित किया था। रीता बुहगुणा को 4,93,204 और राजेंद्र सिंह को 3,09,328 वोट मिले थे। लेकिन भाजपा ने इस बार रीता बहुगुणा जोशी की प्रत्याशिता को जहां होल्ड पर रखा है, वहीं सपा से गठबंधन के बाद हिस्से में आई इस सीट पर कांग्रेस किसी हैवीवेट प्रत्याशी की तलाश में है।

प्रयागराज वह लोकसभा क्षेत्र है, जहां से वर्ष 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निधन के बाद हुए चुनाव में कांग्रेस से सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को हराकर जीत हासिल की थी। इस लोकसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से कांग्रेस का ही कब्जा रहा। सबसे पहले 1952 में कांग्रेस के श्रीप्रकाश सांसद चुने गए। 1957 तथा 1962 के लोकसभा चुनाव में यहां से पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री, 1967 में उनके पुत्र हरिकृष्ण शास्त्री, 1971 में हेमवती नंदन बहुगुणा कांग्रेस से चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे। लेकिन 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर उतरे छोटे लोहिया के नाम से विख्यात समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र ने इतिहास बदल दिया। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार कमला बहुगुणा को हरा दिया। हालांकि अगले ही चुनाव 1980 में पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जीत हासिल करके कांग्रेस की वापसी करा दी। 1984 में यहां से सांसद चुने गए अमिताभ बच्चन ने जब बोफोर्स कांड में नाम आने पर संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और 1988 में उपचुनाव हुआ तो विश्वनाथ प्रताप सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की। 1989 में जनता दल से जनेश्वर मिश्र दूसरी बार और साल 1991 में हुए चुनाव में सरोज दुबे ने जीत हासिल की। प्रयागराज में भाजपा को पहली जीत 1996 में डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने दिलाई। इसके बाद वर्ष 1998 और 1999 में भी डॉ. जोशी ने जीत हासिल करके हैट्रिक लगाई। लेकिन 2004 के चुनाव में सपा ने इस सीट पर अपना खाता खोला। सपा प्रत्याशी रेवती रमण सिंह ने लगातार दो चुनावों 2004 और 2009 में जीत हासिल की। लेकिन 2014 की मोदी लहर में भाजपा के श्यामाचरण गुप्ता ने सपा से यह सीट छीन ली। 2019 में भाजपा ने कांग्रेस से आईं रीता बहुगुणा जोशी को टिकट दिया और वह विजयी रहीं।

अभी किसी दल ने नहीं खोले पत्ते, एक दूसरे के प्रत्याशी का इंतजार

प्रयागराज सीट पर भाजपा ने अभी अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, हालांकि पार्टी का संसदीय बोर्ड प्रत्याशी के नाम को लेकर मंथन कर चुका है। निवर्तमान सांसद रीता बहुगुणा जोशी के साथ नंद गोपाल नंदी और उनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता नंदी का नाम दावेदार के रूप में सबसे आगे है। नंदी प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि उनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता नंदी वर्तमान में प्रयागराज की महापौर हैं। उधर, सपा-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के हिस्से में आयी है। माना जा रहा है कि कांग्रेस यहां से एक बार फिर किसी दमदार बाहरी प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। पार्टी 1984 के बाद से प्रयागराज में जीत के लिए तरस रही है। कांग्रेस ने पिछले चार चुनावों में इस सीट पर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देकर आजमाया, लेकिन कोई भी प्रत्याशी अपनी जमानत तक नहीं बचा पाया। 2014 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े बसपा से आए नंद गोपाल गुप्ता ने एक लाख से अधिक वोट पाए लेकिन जमानत नहीं बची और चौथे स्थान पर पिछड़ गए थे। 2019 में भाजपा से आए योगेश शुक्ला को कांग्रेस ने टिकट दिया पर उन्हें 31956 ही वोट मिले। 2009 में श्याम कृष्ण पांडेय को 33027 और 2004 में सत्य प्रकाश मालवीय को 40545 वोट मिले थे। इन चारों चुनाव में कांग्रेस तीसरे या चौथे स्थान पर रही और जमानत नहीं बचा सकी। इस बीच सपा के कद्दावर नेता रेवती रमण सिंह कांग्रेस और बसपा दोनों के संपर्क में हैं। वह अपने पुत्र उज्ज्वल रमण के टिकट के लिए प्रयासरत हैं। रेवती रमण प्रयागराज से दो बार सांसद और करछना से आठ बार विधायक रहे हैं। लेकिन कांग्रेस की ही तरह बसपा ने भी अभी इस सीट पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

जातीय समीकरणों के लिहाज से गठबंधन प्रत्याशी को मौका

प्रयागराज लोकसभा सीट पर ब्राह्मण और ओबीसी मतदाता जीत की पटकथा लिखते रहे हैं। लेकिन मोदी लहर के बाद यह समीकरण टूट सा चुका है। एक अनुमान के मुताबिक इस सीट पर 2.40 लाख ब्राह्मण, करीब सवा दो लाख कुर्मी, दो लाख मुस्लिम, डेढ़ लाख से अधिक वैश्य और सवा लाख से ज्यादा यादव वोटर हैं। राजपूत और भूमिहार मतदाता एक लाख से ऊपर गिने जाते हैं। इसी तरह 85 हजार मौर्य और कुशवाहा, एक लाख कोल, सवा लाख निषाद-बिंद, 1.15 लाख विश्वकर्मा और प्रजापति मतदाताओं के साथ 40 से 45 हजार पाल बिरादरी का वोट माना जाता है।

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस	अपना दल
2022 विस	35.3	37.4	10.0	3.3	9.7
2019 लोस	56.1	35.2	--	3.6	--
2017 विस	43.1	25.7	17.1	5.3	--
2014 लोस	35.2	28.2	18.2	11.5	--

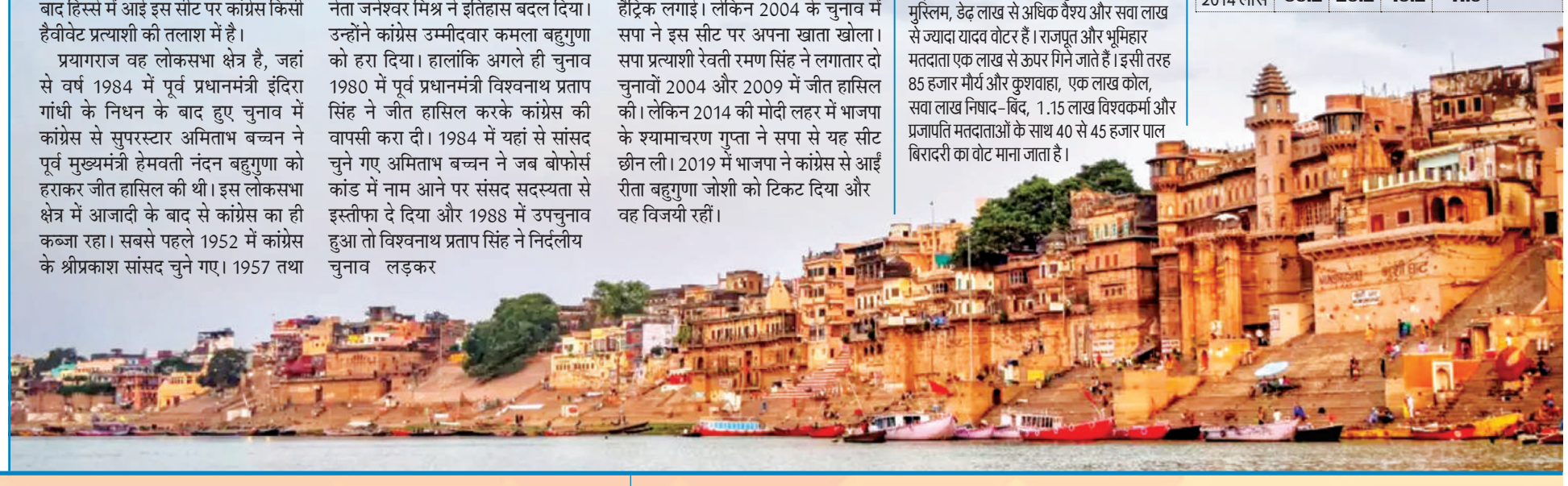

अखिलेश का पल्लवी से समझौता टूटा, सुनील सिंह से नाता जोड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के बीच जहां एक ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पल्लवी पटेल के कदमताल न करने की बात सामने आ गई वहीं, दूसरी ओर सपा को रालोद के जाने के बाद लोक दल का साथ मिल गया है। अपना दल कमेरावादी सपा से अलग होकर अपने प्रत्याशी उतार रही है। इसी पार्टी की नेता पल्लवी पटेल भी सपा उम्मीदवार के मुकाबले मैदान में उतरने को तैयार है।

लोक दल के प्रमुख सुनील सिंह ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन को समर्थन देने की घोषणा की। सुनील सिंह ने इस दौरान जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल को डुप्लीकेट पार्टी करार दिया। इस मौके पर सपा प्रमुख ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की असली पार्टी लोकदल सपा के साथ आ गई है। वहीं, अखिलेश यादव ने भी सुनील को धन्यवाद देते हुए कहा कि असली लोक दल सपा के साथ है।

बीते दिनों राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रमुख जयंत चौधरी ने सपा से गठबंधन तोड़कर भाजपा के साथ आए थे, अब अपना दल (कमेरावादी) ने भी सपा गठबंधन से अलग होकर अपना रास्ता चुन लिया है। इसकी औपचारिक घोषणा गुरुवार खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकार-वार्ता में की।

● सपा व अपना दल कमेरावादी का गठबंधन 2022 के विधानसभा चुनाव में था, 2024 के लिए कोई गठबंधन नहीं

भाजपा ने चंदा वसूली कर ली इसलिए विपक्षियों के अकाउंट सीज हो रहे

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि, भाजपा चंदा वसूली और चंदा चोरी में बेनकाब हो चुकी है। अखिलेश का यह भी आरोप है कि भाजपा ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कम्पनी तक से चंदा वसूली की है। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि, चंदा वसूली की पोल खुल जाने से बौखलाई भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। सपा प्रमुख के मुताबिक, जनता को पता ही नहीं चला कि वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी चंदा वसूली कर ली गई। भाजपा विपक्षियों के अब कुछ एकाउण्ट भी सीज कर रही है क्योंकि उसकी चोरी उजागर हो गयी है। अखिलेश गुरुवार को सपा के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद मीडिया के सामने विचार प्रकट कर रहे थे।

सपा में खुले है वरुण गांधी के लिए दरवाजे

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीलीभीत लोकसभा सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार भले उतार दिया हो लेकिन वरूण गांधी के लिए रास्ते अब भी खोल रखे हैं। दरअसल, वरुण के सपा से चुनाव लड़ने की खबरों के बीच अखिलेश यादव ने बुधवार को पीलीभीत से भगवत सरन गंगवार को प्रत्याशी घोषित कर दिया। बावजूद इसके पार्टी की ओर से ऐसे संकेत मिले हैं कि वरूण आगे आएं तो सपा टिकट बदल देगी। सपा का पीलीभीत से उम्मीदवार बनने के बाद भगवत सरन से जब मीडिया प्रतिनिधियों ने सवाल किया कि, अगर वरुण गांधी को भाजपा से टिकट नही मिला और उन्होंने सपा से टिकट मांगा तो वो क्या करेंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि अगर हाई कमान ने उन्हें टिकट दिया तो वो अपनी सीट खुशी-खुशी छोड़ देंगे।हालांकि वरुण गांधी ने पीलीभीत से ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। अगर भाजपा से उनका टिकट कटा तो वह निर्दलीय भी मैदान में उतर सकते हैं।

स्थानीय विजेता तो दूर, कल्याण भी नहीं तोड़ पाए महादीपक का रिकॉर्ड

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : राजनीति में धुरंधर परिणाम आए। बदलाव भी हुए। सबने अपने अपने रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया, लेकिन मोदी की सुनामी रही हो या पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की खुद चुनाव मैदान में उतरें हुए हों, वे भी वर्ष 1977 का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए। उस समय सत्ता विरोधी लहर के चलते मतदाताओं ने ऐसा मतदान किया कि अब तक रिकॉर्ड तोड़ना तो दूर कोई छू न सका।

वर्ष 1977 के इस चुनाव में बीएलडी से चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी महादीपक सिंह शाक्य ने 71.94 प्रतिशत वोट पाकर जीत हासिल की थी। कांग्रेस सरकार द्वारा देश में आपातकाल लगाने के बाद वर्ष 1977 में लोकसभा के लिए आम चुनाव हुए। इस आम चुनाव में देश में कांग्रेस विरोधी लहर चली। इस लहर से एटा लोकसभा सीट भी अछूती नहीं बची। इस चुनाव में एटा लोकसभा में कई रिकार्ड बने। इस चुनाव में हुआ 66.96 प्रतिशत मतदान एटा लोकसभा के रिकार्ड में दर्ज है। इस चुनाव में एक रिकार्ड ऐसा भी बना जो आज तक नहीं टूटा। इस चुनाव में बीएलडी से चुनाव मैदान में उतरे महादीपक सिंह शाक्य ने 71.94 प्रतिशत वोट पाकर जीत हासिल की। इसके बाद कई बार प्रत्याशियों ने अच्छे मत प्रतिशत से जीत हासिल की, लेकिन यह रिकार्ड नहीं टूटा। यहां तक की महादीपक सिंह शाक्य ने 1996 में व 1998 में भाजपा के टिकट से चुनाव जीता, लेकिन वह भी अपने 1977 के अपने रिकार्ड को नहीं तोड़ सके। 2004 के चुनाव में सपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह यादव, 2009 के चुनाव में सपा समर्थन से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, 2014 के चुनाव में भाजपा से राजवीर सिंह ने अच्छे वोट प्रतिशत प्राप्त कर जीत हासिल की, लेकिन वह भी इस रिकार्ड को नहीं तोड़ सके। 2019 में देश भर में मोदी की सुनामी में भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह फिर से अच्छे वोटों से चुनाव जीतें है, लेकिन वे इस चुनाव में भी 1977 में बने रिकार्ड के आसपास तक नहीं पहुंच सके।

40% से अधिक वोट पाकर जीतने वाले प्रत्याशी

वर्ष	प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्रतिशत
1952	रोहन लाल चतुर्वेदी	कांग्रेस	40.52
1977	महादीपक सिंह शाक्य	बीएलडी	71.94
1996	महादीपक सिंह शाक्य	भाजपा	46.50
1998	महादीपक सिंह शाक्य	भाजपा	44.28
2004	देवेंद्र सिंह यादव	सपा	47.03
2009	कल्याण सिंह	सपा समर्थित	48.57
2014	राजवीर सिंह	भाजपा	51.28
2019	राजवीर सिंह	भाजपा	54.56

1977 के चुनाव में सत्ता विरोधी लहर के चलते मतदाताओं ने दिलाई थी ऐतिहासिक जीत, तब से लेकर अब तक टोकना तो दूर कोई छू भी न सका आंकड़ा

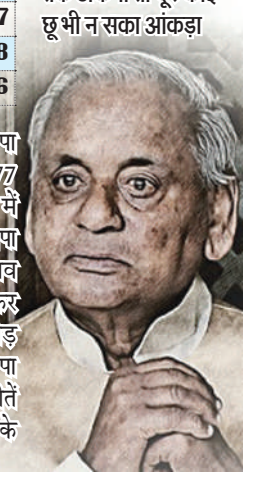

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	72,641.19	22,011.95
बढ़त	539.50	172.85
प्रतिशत में	0.75	0.79

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर, शुक्रवार, 22 मार्च 2024

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1015 फ्लैग 1120 डीएमओ 895 बोल्ड 1185, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 1010 फ्लैग 1130 बोल्ड 1180 डीएमओ 900।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-	
गेहूंदड़ा	2525-2550
आरआर 21	2700-2750
गेहूंफ़ारम	2800-2850
जौ	2000-2100
ज्वार	2600-4000
बाजरा	2125-2175
मकाई	2000-2200
दलहन (प्रति क्वि.)	
लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800-5900
अरहर	7500-8000
मसूर	5500-5600
मटर	3700-4000
उड़दहरा	10000-10200
उड़दकाला	6000-8000
मूंग	8500-8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहरफूल	14500-14700
अरहरस्पेशल1	12200-12300
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4950-5050
मसूरमलका	7000-7100
मसूरदाल	7100-7200
उड़ददाल	9000-12000
उड़द धोवा	10500-13000
मूँगदाल	8800-10300
मूँग धोवा	9800-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000-2300
बासमती नं.1	8500-10000
सेला	2500-3000
बासमती नं.2	6500-7500
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1490-1550
मैदा	1450-1500
सूजी	1500-1550
चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)	
शाहपसंद	1430-1475
तिलहन (प्रति क्वि.)	
लाही	4900-4950
अलसी	4500-4600 रुपये।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए फिक्की-आईबीए बैंकर की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

बैंकों के एनपीए में पिछले 6 माह में आई कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों (पीएसबी) की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में पिछले छह माह में कमी आई है। फिक्की-आईबीए बैंकर के बृहस्पतिवार को जारी सर्वेक्षण में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 प्रतिशत बैंकों का खराब ऋण घटा है। सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है।

उद्योग मंडल फिक्की-आईबीए बैंकर्स सर्वेक्षण का 18वां दौर जुलाई से दिसंबर, 2023 की अवधि में किया गया था। सर्वेक्षण में सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। संपत्ति के आकार के आधार पर वर्गीकृत ये बैंक कुल मिलाकर लगभग 77 प्रतिशत बैंकिंग उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिक्की-आईबीए बैंकर्स रिपोर्ट में शामिल आधे से अधिक बैंकों का मानना है कि अगले छह महीनों में सकल एनपीए 3-3.5 प्रतिशत के दायरे में रहेगा।

सर्वेक्षण में कहा गया, प्रतिक्रिया देने वाले सभी पीएसबी ने एनपीए के स्तर में कमी स्वीकार की है, जबकि भाग लेने वाले निजी क्षेत्र के बैंकों में से 67 प्रतिशत बैंकों ने एनपीए में कमी देखी है। किसी भी पीएसबी और विदेशी बैंक ने पिछले छह माह में एनपीए स्तर में वृद्धि नहीं देखी है, जबकि 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है। जिन क्षेत्रों में एनपीए का उच्चस्तर जारी है, उनमें से अधिकांश बैंकों ने खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों को चिह्नित किया है।

निजी क्षेत्र के 67 प्रतिशत बैंकों का खराब ऋण घट गया

बैंकों तक सबकी पहुंच आसान बनाने के लिए सरकार की ओर से दिशा-निर्देशों का मसौदा जारी

सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र तक पहुंच को सुगम करने से संबंधित दिशानिर्देशों के मसौदे पर लोगों से टिप्पणियां एवं सुझाव आमंत्रित किए हैं ताकि बैंकिंग सेवाओं को दिव्यांगों समेत सभी लोगों के लिए सुलभ बनाया जा सके। दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग के नियमों के मसौदे में बैंकिंग क्षेत्र के भीतर भौतिक बुनियादी ढांचे, स्वचालित मशीनों, डिजिटल मंच और प्रशिक्षण पहल के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है। इन दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि इसका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो बैंकों के भीतर विविध क्षमताओं वाले व्यक्तियों का स्वागत और समायोजन कर सके। इसके मुताबिक, बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी जानकारी या सेवा काउंटर सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ हों। इसमें व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं, छोटे कद के व्यक्तियों और देखने-सुनने में अक्षम लोगों के लिए प्रावधान शामिल हैं। निर्देशों में एटीएम और स्वयं-सहायता मशीनों के लिए पहुंच प्रावधानों का विवरण दिया गया है।

देश के नियोक्ताओं को नहीं मिल रहे एआई दक्ष कामगार

नई दिल्ली। देश में हर दस में से नौ से ज्यादा नियोक्ता नियुक्तियों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के कौशल को प्राथमिकता दे रहे हैं लेकिन 79 प्रतिशत नियोक्ताओं को अपनी जरूरत के मुताबिक एआई कौशल वाले लोग नहीं मिल पा रहे हैं जबकि एआई कौशल से काम करने वाले लोगों का वेतन 54 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ सकता है और एआई अपनाने में होती वृद्धि के साथ करियर में तेजी आ सकती है। एमेज़ॉन डॉटकॉम कंपनी एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) ने आज अपनी नई शोध जारी की है, जिसमें सामने आया है कि जब एआई का पूरा उपयोग होने लगेगा, तब एआई कौशल और विशेषज्ञता वाले लोगों के वेतन में 54 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि हो सकती है जबकि आईटी (65 प्रतिशत), शोध एवं विकास (62 प्रतिशत) में वेतन में सर्वाधिक वृद्धि होती है।

डिजिटलीकरण के जोखिमों के लिए मजबूत नियामकीय ढांचे की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने दी सलाह

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि वित्तीय सेवाओं के तेजी से डिजिटल होने और वित्तीय-प्रौद्योगिकी मंचों का प्रसार होने से ग्राहकों को दुरुपयोग और धोखाधड़ी से बचाने के लिए मजबूत नियामकीय ढांचे की जरूरत है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में स्वामीनाथन ने पेरिस में आयोजित 'ग्लोबल मनी वीक 2024' को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी ने वित्तीय सेवाओं में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिससे सेवाप्रदाताओं और ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन लेनदेन में तेजी से बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण में इस उछाल के साथ वित्तीय-प्रौद्योगिकी मंचों का प्रसार भी हुआ है। स्वामीनाथन ने कहा कि अक्सर नियामकीय दायरे के बाहर काम करते हुए और पारंपरिक बैंकों को प्रभावित करने वाली परंपरागत प्रणालियों से न बंधी हुई वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनियां वित्तीय उत्पादों की पेशकश में उल्लेखनीय तीव्रता और अनुकूलनशीलता दर्शाती प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा-विकास वास्तव में स्वागत योग्य हैं।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	75,100
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,400
गिन्नी (प्रति नग)	50,200-50,400
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	66,050
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,900
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90, 500
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	65,850
सोना जेवरात गिन्नी	64,850
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	74,900।

भारत का कोयला आयात अप्रैल-जनवरी अवधि में बढ़कर 21.22 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश में कोयला आयात सालाना आधार पर 1.65 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 21.22 करोड़ टन हो गया है।

अंतरव्यापारिक ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की इसी अवधि में भारत का कोयला आयात 20.87 करोड़ टन था। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा 13.64 करोड़ टन थी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान आयातित 13.69 करोड़ टन से थोड़ा कम है। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.73 करोड़ टन था, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 4.60 करोड़ टन से अधिक है। प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के माध्यम से जनवरी में कोयला आयात बढ़कर 1.98 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के समान महीने में 1.69 करोड़ टन से अधिक था। जनवरी, 2024 में कुल कोयला आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.21 करोड़ टन रहा है।

सेंट्रल बैंक के प्रबंध निदेशक एम वी राव आईबीए चेयरमैन बने

मुंबई। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एम वी राव को बृहस्पतिवार को भारतीय बैंक संघ (आईबीए) का चेयरमैन नियुक्त किया गया।

आईबीए की प्रबंध समिति ने बृहस्पतिवार को हुई अपनी बैठक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा, इंडियन बैंक के प्रबंध एवं सीईओ एस एल जैन और सिटी यूनियन बैंक के प्रबंध और सीईओ एन कामाकोडी को उपाध्यक्ष के रूप में चुना है।

सेंसेक्स 539 अंक चढ़कर 72,641 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- निफ्टी में भी 172 अंक की बढ़त रही, एनटीपीसी टॉप गेनर रहा

वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजारों के मानक सूचकांकों में बृहस्पतिवार को लगभग एक प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अनुमान जताया है कि इस साल ब्याज दर में तीन बार कटौती की जाएगी। इसके बाद वैश्विक बाजारों में तेजी आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 539.50 अंक यानी 0.75 प्रतिशत उछलकर 72,641.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 780.77 अंक तक उछलकर 72,882.46 अंक पर पहुंच गया था। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब सेंसेक्स लाभ में रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 172.85 अंक यानी 0.79 प्रतिशत चढ़कर 22,011.95 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो सबसे अधिक लाभ में रहीं। दूसरी तरफ भारती एयरटेल, मारुति सुजूकी, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा-घरेलू बाजारों को वैश्विक बाजारों के रुख से मजबूती मिली। फेडरल रिजर्व ने मुद्रास्फीति के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर रहने के बावजूद इस साल ब्याज दरों में तीन कटौती की राह पर चलने का संकेत दिया है।

एक नजर

एसएससी कांस्टेबल भर्ती की 30 को होगी दोबारा परीक्षा

नई दिल्ली। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, सचिवालय सुरक्षा बल में कांस्टेबल और असम राइफल्स में राइफलमैन की भर्ती के लिए 16,185 अभ्यर्थियों के वास्ते 30 मार्च को दोबारा परीक्षा आयोजित कराने का निर्णय लिया है। आयोग द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सचिवालय सुरक्षा बल (एसएसएफ) में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) और असम राइफल्स में राइफलमैन (सामान्य ड्यूटी) के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा 20 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की गई थी।

कैंसर, कफ सिरप समेत 23 दवाओं के नमूने फेल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बनीं दर्द निवारक कैंसर, एलर्जी, कफ सिरफ, बैक्टीरिया संक्रमण की 23 समेत देशभर की 58 दवाइयों के नमूने फेल हो गए। केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने आज यह जानकारी दी। संगठन ने 676 दवाइयों के नमूने फरवरी में लिए थे। सीडीएससीओ से मिली जानकारी के अनुसार बद्दी की नेक्सकेम बॉयोटेक कंपनी की दर्द की दवा एसेपिक, पांवटा की लेबोरेट फार्मा की संक्रमण की दवा एमोक्सिलिन, परवाणू की हनुचौंम लैबोरेटरी की कैल्शियम और विटामिन डी-3, बेहोशी की दवा व इंजेक्शन आदि मानकों पर खरी नहीं उतरी।

राष्ट्रीय

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव को नोटिस

सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने की टिप्पणी-दो सदस्यों पर हमला गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गौतमबुद्ध नगर जिला अदालत में वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया के साथ की गई कथित हाथापाई का बृहस्पतिवार को संज्ञान लिया और जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव को नोटिस जारी किया। वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने घटना पर स्वतः संज्ञान याचिका दर्ज करने का निर्देश दिया। घटना बुधवार को जिला अदालत में हुई जहां वकील हड़ताल पर थे।

सिंह ने शीर्ष अदालत को बताया कि वकीलों ने कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया और भाटिया का 'कॉलर बैंड' छीन लिया। एक महिला वकील भी पीठ के समक्ष पेश हुईं और दावा किया कि एक मामले में पेश होने के दौरान एक अलग अदालत में उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया था। पीठ ने कहा-ऐसा कोई कारण नहीं है कि यह न्यायालय रिकॉर्ड पर रखी गई बात को स्वीकार न करे। आमतौर पर, हम याचिका पर जोर देते हैं। लेकिन उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के दो सदस्यों पर हमला गंभीर है। हम रजिस्ट्रार को स्वतः संज्ञान रिट याचिका दर्ज करने का निर्देश देते हैं। पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं।

शीर्ष अदालत ने जिला न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज अगले आदेश तक सुरक्षित रहे और घटना पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। पीठ ने कहा कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों। शीर्ष अदालत ने कहा कि बार के सदस्यों की हड़ताल से उन वादियों पर असर पड़ता है जो न्याय प्रणाली में अहम हितधारक हैं। उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने भी भाटिया के साथ गौतमबुद्ध नगर जिला अदालत में एक वकील द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की निंदा की है।

एससीबीए ने न्यायालय को बताया कि उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन अदालत कक्ष के अंदर मौजूद एक वकील द्वारा किए गए इस गंभीर दुर्व्यवहार का संज्ञान लेता है और संबंधित वकील के ऐसे गैर-पेशेवर और गैर कानूनी कृत्य की कड़ी निंदा करता है जो संपूर्ण कानूनी बिरादरी को बदनाम करता है। एससीबीए ने कहा कि वह जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर की कार्यकारिणी समिति से उक्त वकील की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करता है।

वरिष्ठ वकील के साथ हाथापाई का मामला

पतंजलि आयुर्वेद ने अपने भ्रामक और झूठे विज्ञापन पर मांगी माफी

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन जारी करने के मामले में अदालत की अवमानना नोटिस का सामना कर रहे पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष बिना शर्त माफी की गुहार लगाई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने एलोपैथी दवा को बदनाम करने के लिए बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ याचिका दायर की थी। इस मामले में शीर्ष अदालत ने उन्हें 19 मार्च को फटकार लगाई थी और दो अप्रैल को रामदेव और बालकृष्ण को अदालत के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। उससे पहले शीर्ष अदालत के समक्ष एक हलफनामा दायर कर बालकृष्ण ने कहा है कि वह कानून के शासन का सर्वोच्च सम्मान करते हैं और उसका पालन करने के लिए बाध्य है।

आधार कार्ड निष्क्रिय किए जाने के आरोप पर केंद्र से जवाब-तलब

कोलकाता, एजेंसी

- कोर्ट ने 25 अप्रैल तक हलफनामा दाखिल करने का दिया निर्देश

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र को उस जनहित याचिका पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें संबंधित अधिकारियों द्वारा लोगों के आधार कार्ड निष्क्रिय करने का आरोप लगाया गया है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अशोक चक्रवर्ती ने जनहित याचिका के सुनवाई योग्य होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि याचिका में इस तरह की कार्रवाई से प्रभावित किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत मामले का हवाला नहीं दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने केंद्र को जनहित याचिका में लगाए गए आरोपों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में दावा किया गया है कि आधार अधिनियम की धारा 28ए के तहत प्रावधानों का उपयोग करके लोगों के आधार कार्ड मनमाने तरीके से निष्क्रिय किए जा रहे हैं। याचिकाकर्ता को भी अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हुए पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को की जाएगी। एएसजी ने कहा कि आधार अधिनियम की धारा 28ए केवल विदेशी नागरिकों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि कुछ विदेशी नागरिक भारत आकर सरकारी विभागों की मिलीभगत से अवैध रूप से आधार कार्ड प्राप्त कर रहे थे, जिससे समस्या पैदा हो गई।

यूनियन बैंक में धोखाधड़ी : सीबीआई ने स्वास्तिक कंपनी के परिसरों की ली तलाशी

नई दिल्ली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में 48.06 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने जयपुर में स्वास्तिक कॉपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के परिसरों में पांच स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बिजली वितरण ट्रांसफार्मर के निर्माण और मरम्मत के कारोबार में लगी कंपनी और उसके निदेशकों और गारंटरों पर कथित तौर पर बैंक को धोखा देने का मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने कहा कि सीबीआई ने प्राथमिकी में कंपनी के निदेशकों/गारंटर संदीप जैन और इंद्र जैन, पूर्व निदेशक/गारंटर नीलम जैन, गारंटर शरद कुमार बाकलीवाल और अन्य अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों को नामित किया है।

गैस रिसाव से आग लगी, तीन बच्चों सहित पांच की मौत

जयपुर, एजेंसी

- राजस्थान में हुई घटना में एक परिवार के लोग जल गए

जयपुर में बृहस्पतिवार को सुबह रसोई गैस सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण लगी आग में एक ही परिवार के पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। मरने वालों में युवा दंपत्ति व उसके तीन बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार घटना बृहस्पतिवार सुबह उस समय हुई जब राजेश यादव (25) सिलेंडर बदल रहा था। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी और अचानक आग भभक उठी। उन्होंने बताया कि किराए के कमरे में राजेश यादव, उनकी पत्नी रूबी (24), उनकी बेटियां ईशु (7) व खुशमनी (4) और बेटा दिलखुश (2) मौजूद थे और उनमें से कोई भी बाहर नहीं निकल सका। आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया और सभी लोग जिंदा जल गए। थानाधिकारी ने बताया कि इस मकान में 17-18 कमरे हैं। इनमें से एक कमरे में राजेश का परिवार पिछले चार महीने से रह रहा था। यह परिवार मूल रूप से मोतिहारी, बिहार का रहने वाला था। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि राजेश एक फैक्ट्री में काम करता था। उसने सुबह अपना सिलेंडर भरवाया था और उसे बदल रहा था तभी अचानक यह हादसा हुआ।

उत्तर-पूर्व दिल्ली में इमारत ढह जाने से दो लोगों की गई जान, एक अन्य घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली के वेलकम इलाके में एक इमारत ढह जाने से एक जींस कारखाने के दो कर्मचारियों की मौत हो गई, और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जींस कारखाने के तीनों कर्मचारी दो मंजिला इमारत के भूतल पर काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) जॉय टिर्की ने बताया-देर रात 2.16 बजे दो मंजिला इमारत के गिर जाने की सूचना मिली। यह एक पुरानी इमारत थी।'' उन्होंने कहा कि इस भवन की पहली मंजिल खाली थी और भूतल पर जींस का कपड़ा काटने का काम हो रहा था। एक अन्य अधिकारी ने कहा-मलबे में दबे तीन कर्मचारियों को बाहर निकाला गया और जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया।

आनंद ने खरगे को लिखा-जाति जनगणना सही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शर्मा ने पार्टी के रुख किया विरोध
- कहा-देश में इससे बेरोजगारी और असमानता खत्म नहीं होगी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने जाति जनगणना पर पार्टी के आधिकारिक रुख का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि समावेशी दृष्टिकोण रखने वाली इस पार्टी का अपने पुराने रुख से विचलित होना इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी की विरासत का अपमान है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे गए पत्र में यह भी कहा कि जाति जनगणना देश में व्याप्त असमानताओं और बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए रामबाण नहीं हो सकती।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य शर्मा ने जाति जनगणना के मुद्दे पर पार्टी से अलग रुख ऐसे समय अपनाया है जब लोकसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है और पार्टी ने इस चुनाव में जो पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' की बात की है उनमें से एक जाति जनगणना भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पिछले कई महीनों से जाति जनगणना और सामाजिक न्याय को विषय को जोर-शोर से उठा रहे हैं। शर्मा ने खरगे को लिखे लिखे पत्र में कहा-राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना चुनावी विमर्श में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने इसका समर्थन किया है। गठबंधन में वे दल भी शामिल हैं जिन्होंने लंबे समय से जाति आधारित राजनीति की है। हालांकि, सामाजिक न्याय पर कांग्रेस की नीति भारतीय समाज की जटिलताओं की परिपक्व समझ पर आधारित है।

तमिलनाडु में ईडी ने विजयभास्कर के आवास पर मारा छापा

पुडुकोट्टई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने गुरुवार को अलग-अलग धन शोधन मामलों में तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले के इलुप्पुर में वरिष्ठ अन्नाद्रमुक नेता एवं पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर के आवास तथा चेन्नई स्थित एक रियल एस्टेट समूह के परिसर की तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों के सिलसिले में लगभग 25 स्थानों की तलाशी ली। अन्नाद्रमुक शासन के दौरान 2011 से 2021 तक स्वास्थ्य विभाग संभालने वाले विजयभास्कर अधिक संपत्ति के मामले का सामना कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने ली थी 50 लाख की रिश्वत

नई दिल्ली, एजेंसी

- चीनी नागरिकों के वीजा मामले में ईडी ने दाखिल किए आरोप पत्र

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने एक कंपनी के चीनी कर्मचारियों को पुनः वीजा दिलाने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय से मंजूरी के लिए करीबी सहयोगी के माध्यम से 50 लाख रुपये की रिश्वत ली। यह कंपनी पंजाब में बिजली संयंत्र स्थापित कर रही थी।

ईडी ने दावा किया कि रिश्वत की यह रकम लेनदेन के जरिये एक कंपनी में निवेश की गयी, जहां कार्ति चिदंबरम निदेशक थे और उनका नियंत्रण था। कार्ति चिदंबरम (52) तमिलनाडु की शिवगंगा सीट से लोकसभा सदस्य हैं। एजेंसी इस मामले में कई बार उनका बयान दर्ज कर चुकी है। कार्ति ने कहा कि उनके वकील सुनवाई के दौरान अदालत में इन आरोपों का जवाब देंगे। संघीय एजेंसी ने कार्ति चिदंबरम, उनके द्वारा प्रवर्तित कंपनी एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, उनके कथित करीबी सहयोगी और अकाउंटेंट एस भास्कररमन, तलवंडी साबो पावर लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दाखिल एक आरोपपत्र में ये आरोप लगाए है।

चीनी कर्मचारी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड में तैनात थे। दिल्ली में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष अदालत ने 19 मार्च को अभियोजन की शिकायत का संज्ञान लिया। अदालत ने कार्ति चिदंबरम सहित आरोपपत्र में नामजद सभी आरोपियों को 15 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया है। अन्य आरोपियों में पद्म दुगर, विकास मखरिया, मंसूर सिद्दीकी और दुगर हाउसिंग लिमिटेड शामिल हैं। ईडी ने कहा कि जांच में पता चला कि कार्ति चिदंबरम ने पंजाब के मनसा में बिजली परियोजना स्थापित कर रही तलवंडी साबो पावर लिमिटेड नामक कंपनी द्वारा चीनी वीजा के पुनः उपयोग की मंजूरी प्राप्त करने के लिए अपने करीबी सहयोगी एस भास्कररमन के माध्यम से 50 लाख रुपये की अवैध रिश्वत ली थी। ईडी ने एक बयान में आरोप लगाया है कि कंपनी के अधिकारियों ने गृह मंत्रालय से वीजा के पुनः उपयोग की मंजूरी लेने के लिए कार्ति चिदंबरम से संपर्क किया, जहां उनके पिता गृह मंत्री (कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम) थे।

भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत

वाशिंगटन, एजेंसी

- पेंटागन के शीर्ष अधिकारी ने कहा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए मजबूत संबंध होना बहुत जरूरी

अमेरिका के शीर्ष रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज के समय में यह संबंध पहले से अधिक मजबूत हैं। साथ ही अधिकारियों ने सांसदों से कहा कि रूस के साथ संबंध होने के कारण भारत के पास कई विकल्प हैं।

सहायक रक्षा मंत्री एली एस रैटनर ने हिंद-प्रशांत पर सदन की उपसमिति के सदस्यों से बुधवार को कहा कि अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और यह पहले से कहीं अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे दृष्टिकोण के लिए यह बहुत जरूरी है।' बता दें, रैटनर रैंकिंग सदस्य एडम स्मिथ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा, हम कई क्षेत्रों में संबंध को मजबूत कर रहे हैं। हमने जेट इंजन को लेकर कुछ प्रगति की है। इसके अलावा हमारे रक्षा औद्योगिक आधार को एकीकृत करने के लिए बख्तरबंद वाहनों पर कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो उन संबंधों को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

स्मिथ ने कहा, 'मैं उन्हें महत्वपूर्ण समझता हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से भागीदार नहीं बनूंगा क्योंकि उनका संबंध रूस के साथ है और इससे उनके पास विकल्प ज्यादा हैं। उनके दुनिया भर में हमारे कई विरोधियों के साथ संबंध हैं।

भारत के साथ 20 अरब डॉलर का है रक्षा सहयोग

उन्होंने आगे कहा, हमारा रक्षा व्यापार अब 20 अरब डॉलर का है और भारत ने हाल ही में 30 एमक्यू9बी और बीएस खरीदने का एलान किया है। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दिखाता है।

पन्नू मामला: भारत के साथ मिलकर काम कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन। खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश के मामले पर अमेरिका ने एक बार फिर प्रतिक्रिया दी है। बाइडन प्रशासन ने कहा कि गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश के पीछे के लोगों को जिम्मेदार ठहराने के लिए अमेरिका, भारत के साथ काम कर रहा है। पिछले साल नवंबर महीने में भारतीय नागरिक, निखिल गुप्ता पर संघीय अभियोजकों द्वारा पन्नून की हत्या की नाकाम साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया था, जिसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि गुप्ता एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम कर रहा था और न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले पन्नू को मारने के लिए एक हत्यारे को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर देने पर सहमत हुआ था। आरोपों की जांच के लिए भारत पहले ही एक जांच समिति गठित कर चुका है। बुधवार को कांग्रेस की सुनवाई के दौरान दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक सचिव डोनाल्ड लू ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के सदस्यों से कहा, "दोनों देशों के बीच यह एक गंभीर मुद्दा है। न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार में काम करने वाले किसी व्यक्ति के आदेश पर एक भारतीय नागरिक ने अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक को मारने का प्रयास किया है।

लाइफ इंश्योरेंस सरेंडर अमूमन घाटे का सौदा

जीवन बीमा पॉलिसी पसंद नहीं आने पर आप इसे सरेंडर कर सकते हैं। इसके बाद प्रीमियम के रूप में चुकाई गई राशि वापस मिल सकती है। लेकिन ये आखिरी विकल्प होना चाहिए। इसका असर परिवार के बाकी सदस्यों पर पड़ सकता है। जानें कैसे...

क्या लगते हैं कागजात

एक पॉलिसी सरेंडर रिक्वेस्ट भरना होगा और बीमा कंपनी को जमा करना होगा। आवेदन के साथ मूल पॉलिसी दस्तावेज, एक रद चेक और केवाईसी दस्तावेजों की एक सेल्फ अटेस्टेड कॉपी जोड़ना होगा। फॉर्म में सरेंडर का कारण भी बताना पड़ सकता है। एक बार सरेंडर आवेदन जमा करने के बाद इसे 7-10 कार्य दिवसों के भीतर प्रोसेस में लाया जाता है।

देखें कि कितना प्रीमियम वापस मिलेगा

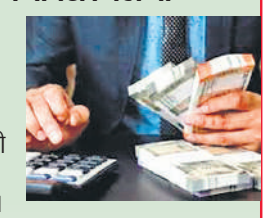

किसी पॉलिसी को सरेंडर करने पर आम तौर पर पेनल्टी लगती है और संचित मूल्य (एक्यूमुलेटेड वैल्यू) का नुकसान हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई पारंपरिक पॉलिसी पहले साल सरेंडर की जाती है तो पॉलिसीधारक को कुछ नहीं मिलेगा। यदि पॉलिसी दूसरे साल सरेंडर की जाती है, तो सिर्फ 30% प्रीमियम वापस मिलेगा। चौथे से सातवें साल पॉलिसी सरेंडर करने पर 50% प्रीमियम वापस मिल सकता है। यदि पॉलिसी 9 साल बाद सरेंडर की जाती है तो सालाना प्रीमियम का 90% वापस मिल जाएगा। पॉलिसी सरेंडर करने का मतलब डेथ बेनिफिट को खत्म करना है।

इन चार पहलुओं पर जरूर करें विचार

1. अपनी माली हालत आंके। वैकल्पिक समाधान तलाशें। पैसे की जरूरत हो तो आप पॉलिसी लोन या आंशिक निकासी जैसे विकल्प भी अपना सकते हैं। 22. पॉलिसी सरेंडर करने से आपके वित्तीय लक्ष्यों-पर लंबी अवधि में होने वाले असर का आकलन करें। देखें कि सरेंडर वैल्यू बीमा कवरेज के नुकसान और भविष्य की जरूरतों की पर्याप्त पूर्ति करती है या नहीं। 3. पॉलिसी सरेंडर करने से जुड़े टैक्स संबंधी प्रभाव जांच लें। बीमा के प्रकार और अवधि के आधार पर पॉलिसी सरेंडर करने से टैक्सेबल इनकम हो सकती है। 4. जीवन बीमाधारक की मृत्यु पर बीमा पॉलिसी द्वारा प्रदान किया गया डेथ बेनिफिट खोई आमदनी के नुकसान की भरपाई कर सकता है। मॉर्गेज पेमेंट को कवर कर सकता है, बच्चों की शिक्षा, अन्य जरूरी खर्चों की पूर्ति कर सकता है।

एक नजर

भारतीय दूतावास ने लापता भारतीय छात्र की शुरू की तलाश

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने इस महीने की शुरुआत में लापता हुए 25 भारतीय छात्र की तलाश करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ तलाश शुरू की है। बता दें, मामले का खुलासा तब हुआ जब हैदराबाद में बैठे छात्र के परिजनों से फिरौती की मांग की गई, और बताया कि मोहम्मद अब्दुल अराफात का अपहरण हो गया है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह परिवार और अमेरिका में अधिकारियों के संपर्क में हैं। हम उसे जल्द से जल्द ढूंढने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं।

अग्निकुल का ऑर्बिटल रॉकेट 'अग्निबाण' आज होगा लॉन्च

श्रीहरिकोटा। देश का निजी स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस का 580 किलो का रॉकेट अग्निबाण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से शुक्रवार को लॉन्च किया जाएगा। अपनी पहली उड़ान में यह बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले पृथ्वी से 20 किमी ऊपर जाएगा। ये 7 किग्रा पेलोड ले जा सकता है।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, दो की मौत, 22 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ। विस्फोटक लदे वाहन ने सुरक्षा बलों के काफिले में शामिल गाड़ियों को टक्कर मार दी। हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 22 घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले की है। पुलिस ने कहा- जान गंवाने वाले दो व्यक्तियों को सुरक्षा बल का जवान माना जा रहा है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बल और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

सेना में भर्ती से छूट खत्म किए जाने के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग

यरूशलम। इजराइल में रूढ़िवादी यहूदी बच्चों ने

सरकार के उस प्रस्ताव के विरोध में सूली लेकर प्रदर्शन किया, जिसमें कट्टर यहूदियों को सेना में अनिवार्य सेवा से छूट है। सरकार इस छूट को खत्म करने जा रही है। इसके विरोध में देशभर में प्रदर्शन चल रहे हैं।

अमेरिका ने चीन को लगाई लताड़ अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा

कहा- सीमा पर किसी भी तरह के बदलाव का सख्ती से विरोध करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

हाल के दिनों में चीन की तरफ से जिस तरह से अरूणाचल प्रदेश को लेकर बयानबाजी बढ़ी है, उसको देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय का

तेवर भी तल्ख हुआ है। अरूणाचल प्रदेश को लेकर चीन के पहले विदेश मंत्रालय ने और उसके बाद वहां के रक्षा मंत्रालय की तरफ से नागवार गुजरने वाली टिप्पणियां की हैं।

इस बीच अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश सीमा मामले में भारत का साथ देते हुए चीन को कड़ी चेतावनी दी है। दरअसल, अमेरिका ने कहा कि हम अरुणाचल को भारतीय क्षेत्र के रूप में मान्यता देते हैं और वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार के हिस्सा पर चीन के दावे को गलत ठहराते हैं। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन के किसी भी एकतरफा प्रयास का वो दृढ़ता से विरोध करते हैं। चीन ने हाल ही में अरुणाचल को अपना हिस्सा बताया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद राज्य पर दावा किया था। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारतीय क्षेत्र के रूप में मान्यता देता है और हम सैन्य या नागरिक द्वारा घुसपैठ या अतिक्रमण का पूरा विरोध करते हैं। बता दें कि 9 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया था। ये सुरंग रणनीतिक रूप से स्थित तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की बेहतर आवाजाही सुनिश्चित करेगी।

अरुणाचल क्षेत्र को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है चीन

इस सप्ताह की शुरुआत में, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग जियाओगांग ने कहा था कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है और बीजिंग अरुणाचल प्रदेश को कभी स्वीकार नहीं करता। इसी बयान पर अब अमेरिका ने चीन को लताड़ लगाई है। चीन, अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है और इसी दावों के तहत नियमित रूप से भारतीय नेताओं के राज्य के दौरों पर आपत्ति जताता है। बीजिंग ने इस क्षेत्र का नाम जंगनान भी रखा है।

भारत ने हमेशा चीन के दावे को किया है खारिज

चीन के बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा था- पीएम मोदी समय-समय पर राज्यों का दौरा करते रहते हैं। ऐसे दौरों या विकास योजनाओं का विरोध नहीं किया जा सकता। अरुणाचल प्रदेश हमेशा से भारत का हिस्सा था, है और रहेगा। हम चीन के सामने यह बात पहले भी कई बार रख चुके हैं।

चीन ने कहा था- रिश्तों पर सीमा विवाद का असर नहीं

14 मार्च को वांग वेनबिन ने कहा था- भारत-चीन सीम विवाद दोनों देशों के बायलैटरल रिलेशन्स का प्रतिनिधित्व नहीं करता। हमें एक-दूसरे पर भरोसा करने की जरूरत है। इससे हमारे बीच गलतफहमी दूर होगी और हमारे रिश्ते मजबूत होंगे।

ताइवान में चीनी लड़ाकू विमानों ने की घुसपैठ

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनातनी चल रही है। बुधवार और गुरुवार को चीन की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 32 चीनी लड़ाकू विमान 20 से 21 मार्च को ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। साथ ही चीन की नौसेना के पांच युद्धक जहाज भी ताइवान की सीमा के नजदीक देखे गए। रक्षा मंत्रालय का दावा है कि चीनी 32 विमानों में से 20 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य को लांघा और दक्षिण-पश्चिमी, दक्षिणपूर्वी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गए।

पाकिस्तान ने 1.1 अरब डालर की मदद को लेकर आईएमएफ से किया समझौता

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए राहत भरी खबर है। तीन अरब डालर के बेलआउट पैकेज को लेकर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की टीम और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच एक कर्मचारी स्तर समझौता हुआ है, इससे 1.1 अरब डालर की अंतिम किस्त जारी करने का रास्ता साफ हो गया है। अब इस पर आइएमएफ के कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी मिलनी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की टीम नाथन पार्टर के नेतृत्व में 14 से 19 मार्च तक इस्लामाबाद में रही। टीम ने इस दौरान आईएमएफ समर्थित पाकिस्तान के आर्थिक कार्यक्रम की दूसरी और अंतिम समीक्षा की। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड ने पिछले साल पाकिस्तान के लिए तीन अरब डालर की स्टैंड-बाय व्यवस्था को मंजूरी दी थी। आइएमएफ ने कहा कि समझौता हाल के महीनों में पाकिस्तान के स्टेट बैंक और कार्यवाहक सरकार द्वारा मजबूत कार्यक्रम कार्यान्वयन को मान्यता देता है।

रूस ने कीव पर दागीं 31 मिसाइलें, 13 घायल

कीव, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लगातार जारी है। दोनों देश इस जंग की आग में सालों से जल रहे हैं। महीनों से दोनों देश एक दूसरे से नरमी से पेश आ रहे थे और युद्धविराम चल रहा था लेकिन एक बार फिर रूस ने हमला कर यह बता दिया है कि यह युद्ध अभी थमा नहीं है।

रूस ने एक बार फिर यूक्रेन की राजधानी पर गुरुवार को क्रूज और 31 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। यह हमला पिछले 44 दिनों में पहली बार रूस द्वारा शुरू किया गया। रूस के इस हमले के कारण कीव निवासियों की सुबह की शुरुआत जोरदार विस्फोटों की आवाज से हुई।

यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने कहा कि एक बच्चे सहित 13 लोग घायल हो गए और दर्जनों लोगों को उनके घरों से निकाला गया। कीव सिटी प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा, शहर के ऊपर लगभग 31 क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराया गया।

चिता की राख से होली....

वाराणसी : काशी में गले में नरमुंड की माला पहनकर तांडव करता दिखा तो कोई दांतों तले हड्डी दबाकर नाचता रहा। गुरुवार को मर्णिकर्णिका घाट पर भस्म की होली में खूब नाचे भूत-पिशाच। मसाने की होली खेलने के लिए महाश्मशान पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। बता दें, पूरे देश में रंगों और गुलालों से होली खेली जाती है, लेकिन शिव की नगरी काशी में चिता की राख के साथ भी होली खेली जाती है। काशीवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों भी उत्सव का जमकर झूमे।

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के आरोपी खालिस्तान समर्थक को जेल

लंदन, एजेंसी। पश्चिमी लंदन में पिछले साल भारत के स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय उच्चायोग में आयोजित समारोह में हमले में लिप्त खालिस्तानी समर्थक को सलाखो के पीछे भेज दिया गया है।

बता दें, भारतीय मूल के दो पुरुषों और एक महिला पुलिस अधिकारी पर हमला करने के मामले में दोषी ठहराये खालिस्तानी को 28 महीने कैद की सजा सुनाई गई है। गुरप्रीत सिंह (26) को आशीष शर्मा और नानक सिंह और पुलिस कांस्टेबल जस्टिन निकोल फैरेल पर हमले के आरोप में जनवरी में दोषी ठहराया गया था। गुरप्रीत सिंह को बुधवार को आइलवर्थ क्राउन अदालत में पेश किया गया। यह घटना पिछले साल 15 अगस्त की रात को साउथहॉल में भारत के स्वतंत्रता दिवस से संबंधित एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि गुरप्रीत सिंह को 12 जनवरी को मामले में दोषी ठहराया गया था और अब उसे 28 महीने की कैद की सजा सुनाई गई है।

बॉडी मसाज उपकरण को एडल्ट नहीं मान सकते: बम्बई हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- कोर्ट ने खेप को जब्त करने के आदेश को किया निरस्त, आयात पर बैन नहीं

बम्बई हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति किशोर संत की खंडपीठ ने कहा कि बॉडी मसाजकर को एडल्ट / वयस्क लोगों के इस्तेमाल वाली वस्तु- सेक्स टॉय के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि बॉडी मसाजर को आयात के लिए प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची में भी शामिल नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने बुधवार को पारित आदेश में सीमा शुल्क विभाग की तरफ से जब्त बॉडी मसाजर की खेप को छोड़ने का निर्देश देते हुए, खेप को जब्त करने के आदेश को निरस्त कर दिया। अदालत ने साफ किया कि एक बॉडी मसाजर को वयस्क सेक्स टॉय के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे केवल सीमा शुल्क आयुक्त की कल्पना माना जाएगा। हाईकोर्ट के फैसले से पहले सीमा शुल्क आयुक्त ने मुंबई में बॉडी मसाजर की खेप जब्त की थी। उन्होंने यह दावा करते हुए सामान जब्त किया था कि बॉडी मसाजर्स का इस्तेमाल वयस्क सेक्स खिलौनों के रूप में किया जा सकता है।

आयुक्त ने कार्रवाई का आधार बताते हुए कहा था कि सरकार ने ऐसी वस्तुओं को आयात के लिए प्रतिबंधित किया गया है। दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने सीमा शुल्क आयुक्त की तरफ से दायर याचिका खारिज कर दी। याचिका में मई, 2023 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती दी गई थी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने अपने आदेश से सीमा शुल्क विभाग के बॉडी मसाजर्स वाली खेप को जब्त करने के आदेश को रद कर दिया था।

विज्ञान छिपे राज उजागर कर सकता है यह पिंड, क्षुद्रग्रहों पर वैज्ञानिकों की निरंतर जारी है खोज

अंतरिक्ष में मिला हिममानव जैसा धूमकेतु

नैनीताल, कार्यालय

अमृत विचार : अंतरिक्ष में एक ऐसे धूमकेतु की खोज हुई है, जो मानव की आकृति लिए प्राचीन बर्फ खुद में समेटे हुए है। वैज्ञानिक इसे हिममानव कह रहे हैं, जो अंतरिक्ष में गड़े राज उजागर कर सकता है। धूमकेतुओं का जल से गहरा रिश्ता है।

दरअसल पृथ्वी पर जल कहां से आया, इस पहेली का समाधान धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर ठहरता है। मगर पुख्ता सबूत अभी तक सामने नही आ सकें हैं। जिस कारण धूमकेतु और क्षुद्रग्रहों पर वैज्ञानिकों की रिसर्च निरंतर जारी हैं। अब हालही में एक ऐसे धूमकेतु की खोज हुई है, जिसमें प्राचीन बर्फ का बड़ा भंडार है। यह ठोस बर्फ उस समय की है, जब हमारा सौर मंडल जन्म ले रहा था। इस खोज से हमारी पृथ्वी पर जल का स्रोत उजागर हो सकता है। इस धूमकेतु को अरोकोथ (स्पेस स्नोमैन) नाम दिया गया है। इसका आकार इंसान की तरह होने के कारण इसे हिममानव कहा जा रहा है। इस खोज से धूमकेतुओं के व्यवहार को भी गहराई से समझा जा सकता है।

अंतरिक्ष में ऐसी घटनाएं भी देखी गई है, जब धूमकेतु बड़े विस्फोट के साथ विध्वंश हो जाते हैं। सूर्य के करीब से गुजरने पर यह घटना होती है। धूमकेतु में ठोस बर्फ जमा होने के कारण विस्फोट होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है। यह खोज न्यू होराइजन्स अंतरिक्ष यान ने की है। खोजकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार अंतरिक्ष हिममानव कुइपर बेल्ट का सदस्य है। यह बेल्ट हमारे सौर मंडल के बाहरी क्षेत्रों में नेपच्यून की कक्षा से बाहर है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि अंतरिक्ष में ऐसी घटनाएं भी देखी जा चुकी है, असामान्य हों।

हिममानव के समान धूमकेतु की तस्वीर।

धूमकेतुओं में छिपे हैं अनेक रहस्य

धूमकेतु सौर मंडल के वह छोटे सदस्य हैं, जिनकी उत्पत्ति 4.5 अरब साल पहले ग्रहों के निर्माण के दौरान हुई। यह सौर मंडल के निर्माण के अवशेष हैं। बड़ी बात यह है कि यह सौर मंडल की उत्पत्ति समेत उन रहस्यों को उजागर कर सकते हैं, जो आज भी हमारी समझ से परे हैं। जिस कारण यह शोध का केंद्र रहे हैं। इन धूमकेतुओं पर शोध भी आसान हो है।

अफगानिस्तान में बम विस्फोट, 3 की मौत 12 लोग घायल

कंधार। अफगानिस्तान के शहर कंधार में गुरुवार को एक आत्मघाती बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। एक प्रांतीय अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कंधार शहर देश पर शासन करने वाले तालिबान अधिकारियों का गढ़ माना जाता है।

विस्फोट की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया है। वहीं, 11 मार्च को मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान की शुरुआत के बाद से देश भर में कई विस्फोटों की सूचना मिली है, तालिबान अधिकारियों ने कुछ की पुष्टि की है। कंधार प्रांत के सूचना एवं संस्कृति निदेशक इनामुल्लाह समांगानी ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शहर में एक आत्मघाती हमला हुआ जिसमें तीन हमवतन मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए।

मंदिरों पर टैक्स संबंधी बिल राज्यपाल ने लौटाया

बेंगलुरु, एजेंसी

- कर्नाटक सरकार से मांगा स्पष्टीकरण, सुप्रीम कोर्ट में लंबित है मामला

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सरकार के मंदिरों पर टैक्स लगाने वाले बिल को सरकार को वापस लौटा दिया है। राज्यपाल ने विधेयक में और ज्यादा स्पष्टीकरण के साथ फिर से देने का निर्देश दिया है। इस विधेयक में मंदिरों की कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। भाजपा द्वारा इस विधेयक का विरोध किया जा रहा है।

राजभवन की तरफ से कहा गया है कि साल 2011 और 2012 में जो कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पेश किया गया था, उस पर हाईकोर्ट की धारवाड़ पीठ ने रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। राजभवन की तरफ से कहा गया है कि उसके बाद से मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में इस पर स्पष्टता जरूरी है कि क्या मामले के लंबित रहने के दौरान उसमें संशोधन किया जा सकता है या नहीं, खासकर जब पूरे विधेयक पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने राज्य के मंदिरों पर टैक्स लगाने के लिए कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया था। इस विधेयक के तहत राज्य के जिन मंदिरों की सालाना कमाई 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये के बीच में है, उनसे सरकार पांच प्रतिशत टैक्स वसूलेगी। वहीं जिन मंदिरों की सालाना कमाई एक करोड़ रुपये से अधिक है, उन पर सरकार 10 प्रतिशत टैक्स लगाने की तैयारी कर रही है। यह विधेयक विधानसभा के दोनों सदनों से पारित हो चुका है, लेकिन अब राज्यपाल ने इस पर और स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए विधेयक को लौटा दिया है।

कर्नाटक में 34 हजार से ज्यादा मंदिर सरकार के अधीन हैं। सरकार ज्यादा आमदनी वाले मंदिरों से पैसा लेकर आर्थिक रूप से कमजोर मंदिरों और उनके पुजारियों की भलाई में खर्च करती है। सरकार का तर्क है कि वह मंदिरों से होने वाली कमाई को बढ़ाना चाहती है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर मंदिरों और उनके पुजारियों की पर्याप्त मदद हो सके। वहीं भाजपा का विरोध है कि सरकार सिर्फ हिंदू मंदिरों पर ही टैक्स क्यों लगा रही है, साथ ही भाजपा और संतों की मांग है कि सरकार पुजारियों को बजट से पैसा क्यों नहीं दे सकती।